शनिवार, 11 जनवरी 2025

मौसम

तापमान 25 – 12
आर्द्रता 62%
सूर्योदय: 6:20 सूर्यास्त: 17:10

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, पौष शुक्लपक्ष द्वादशी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

प्रतिका और तेजल के अर्धशतक, भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को छह विकेट से हराया –पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : जब दर्द और कड़वी दवा मीठी लगने लगे तो समझें की जीना आ गया।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

प्रधानमंत्री मोदी ने पॉडकास्ट पर किया पहला कार्यक्रम

मनुष्य हूं... देवता थोड़े ही हूं, गलतियां हो सकती हैं पर बदइरादे से नहीं करूंगा : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वह 'देवता' नहीं बल्कि मनुष्य हैं और गलतियां उनसे भी हो सकती हैं लेकिन कभी भी वह बदइरादे से गलती नहीं करेंगे। जेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ एक पॉडकास्ट में संवाद करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि उनकी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं थी पर हालात की वजह से उन्होंने प्रधानमंत्री पद का तक सफर तय किया। आम जनता से जुड़ने का कोई भी मौका न गंवाने वाले प्रधानमंत्री मोदी का यह पहला पॉडकास्ट है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसे जारी किया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने एक भाषण को याद करते हुए मोदी ने कहा कि तब उन्होंने कुछ प्रमुख बातें कही थी। उन्होंने कहा, ''मैंने कहा था कि मेहनत करने में कोई कमी नहीं रखूंगा। मैं मेरे लिए कुछ नहीं करूंगा। मनुष्य हूं, गलती हो सकती है। बदइरादे से गलत नहीं करूंगा। मैंने इन्हें जीवन का मंत्र बनाया। गलतियां होती हैं... मैं भी मनुष्य हूं, देवता थोड़े ही हूं। मनुष्य हूं तो गलती हो सकती है...पर बदइरादे से गलत नहीं करूंगा।'' अच्छे लोगों के राजनीति में आने की वकालत करते हुए प्रधानमंत्री ने पॉडकास्ट में इस बात पर जोर दिया कि उन्हें एक मिशन के साथ राजनीति में आना चाहिए न कि किसी महत्वाकांक्षा के साथ। उन्होंने कहा, ''राजनीति में अच्छे लोग आते रहने चाहिए। वे मिशन लेकर आएं, एंबीशन लेकर नहीं। मिशन लेकर निकले हैं तो कहीं ना कहीं स्थान मिलता जाएगा। एंबीशन से ऊपर होना चाहिए मिशन। फिर आपके अंदर क्षमता होगी।''

पद पर हूं इसलिए मुझे अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना होता है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोधरा कांड के बाद पैदा स्थिति और गुजरात में आतंकी हमलों समेत कई घटनाओं का जिक्र करते हुए शुक्रवार को बताया कि कैसे वह चिंता व व्याकुलता से उबरने के लिए अपनी भावनाओं से खुद को अलग करने की कोशिश करते हैं। शेयर बाजार निवेश मंच 'जेरोधा' के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ एक पॉडकास्ट में संवाद के दौरान जब मोदी से पूछा गया कि क्या उन्हें कभी ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा जब वह व्याकुल हो गए हों या फिर चिंतित जैसे आजकल के युवा हो जाते हैं, इसके जवाब में उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर ऐसी स्थितियां पैदा होती हैं... लेकिन हर किसी के पास ऐसी परिस्थितियों का सामना करने की अलग शैली और क्षमता होती है। उन्होंने कहा, मैं ऐसी स्थिति में हूं जहां मुझे भावनाओं और मनुष्य की प्राकृतिक प्रवृत्तियों से खुद को अलग करना है। मुझे इससे ऊपर उठना होता है। उन्होंने साल 2002 के गुजरात चुनाव को याद करते हुए इसे अपने जीवन की 'सबसे बड़ी परीक्षा' करार दिया।

रुपया 18 पैसे लुढ़क कर अबतक के सबसे निचले स्तर 86.04 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई : अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 18 पैसे लुढ़क कर पहली बार 86.04 प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ। डॉलर की मजबूती और विदेशी संस्थागत निवेशकों पूंजी निकासी से रुपये पर दबाव बना हुआ है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशों में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक धारणा के कारण भी रुपये पर दबाव रहा। उन्होंने कहा कि साथ ही 20 जनवरी के बाद डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में नए अमेरिकी सरकार के प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों की आशंका के बीच मांग बढ़ने से डॉलर मजबूत हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.88 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 85.85 के उच्चतम स्तर पर पहुंचा हालांकि अंत में डॉलर के मुकाबले अबतक के सबसे निचले स्तर पर 86.04 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 18 पैसे की बड़ी गिरावट है।

बड़ाबाजार में बेकाबू मिनी बस ने चार महिलाओं को रौंदा, एक की मौत

टक्कर में तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल, बस चालक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : बड़ाबाजार इलाके में शुक्रवार को तेज रफ्तार एक मिनी बस ने चार महिला राहगीरों को कुचल दिया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई और तीन महिलाएं बुरी तरह घायल हो गईं। घटना बड़ाबाजार थानांतर्गत महात्मा गांधी रोड व कलाकार स्ट्रीट क्रासिंग की है। यह घटना दोपहर करीब 12 बजे घटी, जब सियालदह से हावड़ा के मालीपांचघड़ा रूट की मिनी बस के ड्राइवर ने नियंत्रण खोकर चारों को टक्कर मार दी। मृतका का नाम नाजो बीबी (60) है। वह हावड़ा के सांकराइल की रहनेवाली थी। घायलों के नाम रमेला देवी (60), निशा मेहता (64) और निकिता केजरीवाल (37) हैं। इनमें से रमेला कोलकाता के एसबीकेवी सरणी, निशान हावड़ा के लिलुआ और निकिता ओडिशा के झारसुगुड़ा की रहनेवाली है। घायलों को कलकत्ता मेडिकल कालेज व अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामले में मिनी बस के चालक को गिरफ्तार कर लिया है। उसका नाम विश्वनाथ विश्वास (60) है। वह उत्तर 24 परगना के हाबरा का रहनेवाला है।

मिली जानकारी के अनुसार, ओडिशा के झारसुगुड़ा से कपड़ा की खरीददारी करने के लिए निकिता केजरीवाल अपने परिवार (पति और डेढ़ साल के बच्चे) के साथ बड़ाबाजार आई थी। वह जब पैदल ही बड़ाबाजार थाना से स्ट्रैंड रोड की तरफ जा रही थी, तभी मिनी बस के ड्राइवर ने नियंत्रण खोकर उसे टक्कर मार दी। इस दौरान, महिला के गोद में मौजूद बच्चा छिटककर फुटपाथ की तरफ गिर पड़ा। वहां मौजूद लोगों ने बच्चे को बचा लिया। निकिता को कुचलने से पहले बस ड्राइवर ने सड़क किनारे से गुजर रही नाजो बीबी, निशा मेहता और रमेला देवी को भी कुचल दिया था।

कनाडा के भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने प्रधानमंत्री पद के लिए दावेदारी की घोषणा की

ओटावा : कनाडा के भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने घोषणा की है कि वह देश के प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल होंगे। आर्य ने यह घोषणा ऐसे समय की है जब लिबरल पार्टी ने निवर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के स्थान पर नये नेता को चुनने के लिए नौ मार्च की तारीख निर्धारित की है। यह घटनाक्रम कुछ दिन पहले ट्रूडो के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे की घोषणा और नया नेता चुने जाने तक पद पर उनके बने रहने की बात कहे जाने के बाद हुआ है।

सरकार ने जीएसटीआर-1 दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाई

नयी दिल्ली : सिस्टम में तकनीकी गड़बड़ियों की सूचना दिए जाने के बाद सरकार ने शुक्रवार को जीएसटी रिटर्न की डेडलाइन बढ़ा दी है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड की अधिसूचना के अनुसार, दिसंबर के लिए जीएसटीआर-1 दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 जनवरी है, जबकि अक्टूबर-दिसंबर के लिए क्यूआरएमपी योजना के तहत तिमाही भुगतान का विकल्प चुनने वाले टैक्सपेयर्स के लिए यह 15 जनवरी होगी ।मासिक रिटर्न दाखिल करने वालों के लिए जीएसटीआर-1 दाखिल करने की अंतिम तिथि 11 जनवरी है, जबकि तिमाही टैक्सपेयर्स के लिए यह 13 जनवरी है। दिसंबर के लिए जीएसटीआर-3बी दाखिल करके जीएसटी भुगतान की समयसीमा मौजूदा 20 जनवरी से बढ़ाकर 22 जनवरी कर दी गई है। जीएसटी का तिमाही भुगतान करने वाले करदाताओं के लिए देय तिथि को व्यवसाय के राज्यवार पंजीकरण के आधार पर 24 जनवरी और 26 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है।

केंद्र ने राज्यों को 1.73 लाख करोड़ रुपये का कर राजस्व हस्तांतरित किया

बंगाल को मिला 13017.06 हजार करोड़

नयी दिल्ली : केंद्र ने राज्य सरकारों को पूंजीगत व्यय तेज करने और कल्याणकारी गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए शुक्रवार को 1.73 लाख करोड़ रुपये का कर राजस्व हस्तांतरित कर दिया। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, राज्यों को पूंजीगत व्यय में तेजी लाने और उनके विकास एवं कल्याणकारी गतिविधियों संबंधी व्यय के वित्तपोषण में सक्षम बनाने के लिए इस महीने अधिक राशि हस्तांतरित की जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को 1,73,030 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण जारी किया है जबकि दिसंबर, 2024 में 89,086 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण किया जाना था। वर्तमान में केंद्र द्वारा एकत्र किए गए करों का 41 प्रतिशत हिस्सा वित्त वर्ष के दौरान राज्यों के बीच कई किस्तों में हस्तांतरित किया जाता है।

तृणमूल ने पूर्व सांसद शांतनु सेन और पूर्व विधायक अराबुल इस्लाम को पार्टी से किया निलंबित

कौन सा पार्टी विरोधी काम किया, नहीं मालूम : शांतनु सेन

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस ने शुक्रवार को अपने पूर्व राज्यसभा सदस्य शांतनु सेन और पूर्व विधायक अराबुल इस्लाम को कथित तौर पर 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के लिए निलंबित कर दिया। पार्टी के उपाध्यक्ष जयप्रकाश मजूमदार ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई ऐसे समय में की गई है जब पार्टी अपनी आंतरिक कलह से जूझ रही है। बता दें कि पेशे से चिकित्सक और तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के विश्वासपात्र माने जाने वाले शांतनु सेन ने आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के दुष्कर्म और उसकी हत्या की जांच के लिए पुलिस की आलोचना की थी। इस मुद्दे पर उनके मुखर रुख से पार्टी के भीतर हंगामा मच गया। इस बारे में, पूर्व राज्यसभा सांसद शांतनु सेन ने कहा कि उन्हें तो यह ही समझ में नहीं आ रहा है कि उन्होंने कौन सा पार्टी विरोधी या फिर पार्टी के अनुशासन के खिलाफ कार्य किया है। मै तो सुबह से लेकर रात तक पार्टी के लिए ही काम करता हूं लेकिन कएसा क्या हुआ वह खुद नहीं समझ पा रहें हैं। दूसरी तरफ, कोलकाता के बाहरी इलाके भांगड़ के रहने वाले अराबुल इस्लाम का पार्टी विधायक सौकत मोल्लाह के साथ टकराव अक्सर शीर्ष नेतृत्व के लिए शर्मिंदगी का कारण बनता रहा है। इससे पहले पार्टी ने टीम अराबुल को 6 साल के लिए निलंबित कर दिया था। लेकिन, बाद में, उन्हें वापस ले लिया गया था। अराबुल ने पिछला पंचायत चुनाव जीता और पंचायत समिति का सदस्य भी बन गए। हालांकि, हाल ही में, कैनिंग पश्चिम के तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला के साथ अराबुल का टकराव हुआ था। दोनों की टकराव की खबरें मीडिया में आती रहती है। पार्टी ने पहले भी कई बार चेतावनी दी थी कि पार्टी में किसी भी तरह का टकराव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी को मिलकर काम करना होगा। इसके बावजूद अराबुल-शौकत के आपसी संघर्ष को टाला नहीं जा सका। इसके बाद, सत्तारूढ़ पार्टी ने अराबुल को निलंबित कर दिया। इस मामले पर अराबुल ने कहा कि वह फिलहाल इस मामले पर कोई बात करना नहीं चाहते हैं।

देश का अभिन्न अंग हैं प्रवासी, विकसित भारत के लक्ष्य में होगी महत्वपूर्ण भूमिका: मुर्मू

पृष्ठ 7

राष्ट्रपति पद की शपथ से पहले ट्रंप को बड़ी राहत

कोर्ट ने हश मनी केस में बिना शर्त किया बरी

न्यूयॉर्क : नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद की शपथ से पहले बड़ी राहत मिली है। बता दें कि, सुप्रीम कोर्ट ने हश मनी केस में फैसला सुनाते हुए उनके आपराधिक चुप्पी धन मामले (हश मनी केस) में बिना शर्त बरी कर दिया गया है। इस मामले में न्यूयॉर्क के न्यायाधीश जुआन एम मर्चेन ने डोनाल्ड ट्रंप से कहा- 'उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को यह बताने में बहुत मेहनत की कि उनके साथ इस न्यायालय में सामान्य आरोपी की तरह ही व्यवहार किया गया।' इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप को जेल की सजा या जुर्माने से मुक्त होकर व्हाइट हाउस लौटने की आजादी मिल गई है।

34 संगीन आरोप – फिर भी राष्ट्रपति चुनाव जीते ट्रंप

पूर्व और भावी राष्ट्रपति पर 34 संगीन अपराधों का आरोप लगाया गया था। ये मुकदमा लगभग दो महीने तक चला और हर मामले में जूरी ने उन्हें दोषी ठहराया। लेकिन अदालत में पेश किए गए मामले और निजी जीवन से जुड़े आरोपों के बावजूद, यह उनकी राजनीतिक लोकप्रियता को नुकसान नहीं पहुंचा पाया, और उन्होंने दोबारा चुनाव जीत लिया।

बाजार में तीन दिन की गिरावट से निवेशकों की पूंजी 12 लाख करोड़ रुपये घटी

नयी दिल्ली : विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी और तिमाही आय को लेकर चिंताओं के कारण बाजार में तीन दिन से जारी गिरावट से निवेशकों की संपत्ति 12 लाख करोड़ रुपये घट गई। साथ ही, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर सूचकांक में मजबूती ने निवेशकों की निराशा को और बढ़ा दिया। तीन दिनों में बीएसई सेंसेक्स 820.2 अंक यानी 1.04 प्रतिशत गिरा। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 241.30 अंक यानी 0.31 प्रतिशत गिरकर 77,378.91 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 95 अंक यानी 0.40 प्रतिशत गिरकर 23,431.50 पर आ गया।

किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद बोलने से बचें: मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

महाकुम्भ नगर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद नहीं बोलना चाहिये। किसी की भी आस्था को ठेस पहुंचाकर वहां मस्जिद जैसा ढांचा खड़ा करना इस्लाम के सिद्धांतों के भी खिलाफ है। यहां महाकुम्भ मेला क्षेत्र में ऐरावत घाट पर एक निजी चैनल के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे स्थान पर किसी भी प्रकार की होने वाली इबादत खुदा को भी मंजूर नहीं होती है। उन्होंने कहा कि जब खुदा को मंजूर नहीं होती है तो बेकार में वहां क्यों इबादत की जाए, वहीं इस्लाम में उपासना के लिए एक ढांचा खड़ा करना आवश्यक नहीं है जबकि यह सनातन धर्म में आवश्यक है। महाकुम्भ की भूमि को वक्फ की जमीन कहे जाने के मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ ने कहा, प्रयागराज की इस धरती पर हजारों वर्षों से कुम्भ का आयोजन होता आ रहा है। इसके बाद भी उसको कोई वक्फ बोर्ड की जमीन बोल दे, तो बस यही कहना है कि ये वक्फ बोर्ड है या भू माफिया का बोर्ड है। उन्होंने कहा कि इस तरह की दुष्प्रवृत्ति पर रोक लगनी ही चाहिए और हम रोक लगाएंगे। कहीं भी, कोई ऐसी जमीन जो सार्वजनिक उपयोग में होगी, हिंदू आस्था से जुड़े पवित्र स्थलों की होगी या सरकार की होगी, वहां इस प्रकार के किसी भी भू माफिया बोर्ड को कब्जा नहीं करने देंगे। मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ में मुस्लिमों के प्रवेश को लेकर कहा कि जिनके मन में भारतीयता और भारत की सनातन परंपरा के प्रति सम्मान और श्रद्धा का भाव है, वो यहां पर आएं। लेकिन अगर कोई कुत्सित मानसिकता के साथ यहां आता है तो उसके साथ अन्य तरीके से भी व्यवहार हो सकता है। उन्होंने कहा, जिन्होंने किसी कालखंड में दबाव में आकर इस्लाम स्वीकार किया था, लेकिन उनके वंशज भारत की परंपरा पर आज भी गौरव की अनुभूति करते हैं और अपने गोत्र को भारत के ऋषियों के नाम से जोड़कर देखते हैं यदि वे लोग संगम में स्नान करने के लिए आते हैं तो इसमें कोई बुराई नहीं है। उनका स्वागत है।

मेटा की तथ्य-जांच समाप्ति दुर्भाग्यपूर्ण

संयुक्त राज्य अमेरिका में निरंकुश व दक्षिणपंथी रुझान के अगुवा डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से पहले की जा रही उग्र बयानबाजी से पूरी दुनिया में हलचल है। अब चाहे कनाडा को अमेरिका में मिलाने का उनका दावा हो या ग्रीनलैंड व पनामा नहर पर प्रभुत्व का बयान। लेकिन शेष दुनिया के लिये चिंता की बात यह है कि निष्पक्ष वैचारिक स्वतंत्रता के पक्षधर होने का दावा कर रहे अमेरिका संचालित बहुचर्चित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी ट्रंप के निरंकुश व्यवहार से गहरे तक प्रभावित हो रहे हैं। लंबे समय तक ट्रंप से वैचारिक टकराव मोल लेने वाले अमेरिका से संचालित मेटा ने ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले अपनी नीति में बड़ा बदलाव किया है। मेटा ने अपने उस तथ्य जांच कार्यक्रम से हाथ खींचने का फैसला किया है जो ऑनलाइन गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार को नियंत्रित करने का एक महत्वपूर्ण साधन था। निश्चित रूप से सूचना की विश्वसनीयता के लिये निर्धारित व्यवस्था के खत्म होने से ऑनलाइन झूठ व दुष्प्रचार के खिलाफ वैश्विक अभियान को झटका लगेगा। निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया दिग्गज द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले आया है। ट्रंप मेटा के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रंप आरोप लगाते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर दक्षिणपंथी आवाज को सेंसर किया जाता रहा है। वहीं मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग का कहना है कि उनके इस निर्णय की मुख्य प्रेरणा मुक्त अभिव्यक्ति को प्रश्रय देना है। उनकी इस दलील से कतई सहमत नहीं हुआ जा सकता। दरअसल, अमेरिका में दक्षिणपंथी रुझानों वाला ऐसा वर्ग भी है जो सोशल मीडिया पर सूचना सामग्री में किसी भी हस्तक्षेप का विरोध करता है। जिसके चलते फर्जी खबरों के कारण विवादों की श्रृंखला को जन्म मिल सकता है।

बहरहाल, आशंका जतायी जा रही है कि तथ्यों की जांच की व्यवस्था समाप्त करने से झूठ और अफवाहों का तंत्र कालांतर कानून व्यवस्था के लिये भी बड़ी चुनौती बन सकता है। जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की सूचनाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठेंगे। मेटा के इस कदम के बाद अन्य सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म भी दबाव में ऐसे कदम उठा सकते हैं। वैसे राष्ट्रपति का पद संभालने जा रहे ट्रंप से खराब रिश्ते सुधारने हेतु मार्क जुकरबर्ग का कदम व्यावसायिक दृष्टि से तो समझ में आ सकता है, लेकिन सोशल मीडिया पर सूचनाओं की दृष्टि से यह एक गैरजिम्मेदार कदम है। जो दुनिया में विश्वसनीयता व सूचना अखंडता के लिये अच्छा संकेत नहीं है। विडंबना ही है कि सूचना सामग्री को मॉडरेट करने के लिये पेशेवर तथ्य-जांचकर्ताओं पर भरोसा करने के बजाय मेटा एक्स के रास्ते पर जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण ही है। पहले जांच-पड़ताल करके दी जाने वाली पोस्ट पाठकों व दर्शकों का भरोसा जगाती थी कि सूचना सामग्री विश्वसनीय है। लेकिन अब इस नियमन में ढील के निहितार्थों को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। आशंका है कि अब फेसबुक, इंस्टाग्राम व थ्रेड्स पर गलत सूचनाओं को नियंत्रित करना संभव नहीं हो पाएगा। जिससे ऑनलाइन झूठ को बढ़ावा मिल सकता है। खासकर भारत के संदर्भ में देखें तो नफरत फैलाने वाले भाषण न केवल लोगों तक विश्वसनीय जानकारी की पहुंच को कमजोर कर सकते हैं बल्कि लोगों की राजनीतिक नेताओं का सामना करने की क्षमता को भी कमजोर कर सकते हैं। हम विगत में देखते रहे हैं कि 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' की धारणा लगातार गलत तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करती रही है। इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करती है। जो सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को खुली छूट देने के नुकसान को ही दर्शाती है। यदि झूठ की जहरीली बाढ़ को कम नहीं किया गया तो इसका समाज पर घातक असर पड़ सकता है। ऐसे में सामाजिक समरसता व शांति के लिये अधिक तथ्य जांचकर्ताओं की आवश्यकता महसूस की जा रही है। निश्चय ही जांच की व्यवस्था न होने का मतलब है शून्य जवाबदेही और झूठ व गलत सूचना फैलाने का खुला निमंत्रण।

आज का पंचांग

कोलकाता : 11 जनवरी, शनिवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, पौष शुक्लपक्ष द्वादशी, 08:22 तक, नक्षत्र : रोहिणी, 12:29 तक, योग : शुक्ला, 11:41 तक, सूर्योदय: 6:20, सूर्यास्त: 17:10 चन्द्रोदय : 14:31, चन्द्रास्त: 03:43, शक सम्वत: 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : वृषभ, राहू काल : 09:03 से 10:24

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों के लिए धन लाभ के योग हैं। कारोबार में आपको बड़ा मुनाफा होगा और कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। ऑफिस में आपको प्रशंसा प्राप्त होगी।

वृष : वृषभ राशि के लोगों के लिए दिन सफलता से भरा होगा और आपका ध्यान नई योजनाओं पर लगेगा। धार्मिक यात्रा से मन को शांति मिलेगी। कानूनी मामलों में सफलता मिल सकती है।

मिथुन : मिथुन राशि वालों के लिए दिन रचनात्मक कार्यों के लिए अच्छा है। आप अपनी पसंदीदा कलात्मक गतिविधियों में समय बिता सकते हैं। नए विचार मन में आएंगे।

कर्क : कर्क राशि के जातकों के लिए दिन बहुत ही रचनात्मक है। मेहनत का फल तुरंत मिल सकता है। अधूरे काम पूरे होंगे। महत्वपूर्ण बातचीत भी हो सकती है। कार्यालय में आपका प्रभाव बढ़ेगा।

सिंह : सिंह राशि के लोगों के लिए दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है, लेकिन धर्म आध्यात्म के मामले में आप थोड़ा सा वक्त निकाल लेंगे। आपके लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा।

कन्या : कन्या राशि के लोगों को करियर में लाभ होगा और आपके लिए भाग्य में वृद्धि का दिन है। आपसी वार्ता और व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें।

तुला : तुला राशि के लोगों के लिए दिन लाभकारक है और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रॉजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लोगों का दिन शुभ है और आपकी आर्थिक स्थिति काफी मजबूत होगी। दिन काफी मजबूत है। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु : धनु राशि के लोगों को शांति और सफलता से कामयाबी हासिल होगी। दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है।

मकर : मकर राशि के लोगों के लिए दिन सामान्य है। साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निबटाने का सुनहरा मौका है।

कुम्भ : कुंभ राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और दिन सावधानी व सतर्कता से भरा होगा। मौसम परिवर्तन से शीतोष्ण विकार उत्पन्न हो सकते हैं।

मीन : मीन राशि के लोगों का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम हितकर रहेगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सही किया जा सकता है।

मोहम्मद रफ़ी की शताब्दी; आवाज बनेगी रीढ़

डॉ.राम आह्लाद चौधरी
प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय

मोहम्मद रफ़ी की शताब्दी पूरी हुई। पार्श्व गायक मोहम्मद रफ़ी की आवाज मखमली थी, यह बात हजारों बार संगीत के मर्मज्ञों ने कही। भारत की धरती को ऐसा लाल मिला था, जिसे आजादी की पहली सालगिरह पर गीत गाने का मौका मिला। वह कोई और नहीं मोहम्मद रफ़ी थे; जिन्हें स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने अपने हाथों से रजत मेडल दिया।

उल्लेखनीय है कि मोहम्मद रफ़ी ने 28000 गीतों को प्रस्तुत किया है। यदि गीतों की संख्या की दृष्टि से देखा जाए, तो इतने गीत गाने वाले इस दुनिया में मोहम्मद रफ़ी ही हैं; जिन्होंने देशी-विदेशी 26 भाषाओं में गीत गाये। उन्होंने अंग्रेजी भाषा में दो गीत गाये। इसके अतिरिक्त उन्होंने मैथिली, भोजपुरी और अवधी में भी गीत गाये। डच भाषा में गीत प्रस्तुत करने के चलते मोहम्मद रफ़ी की प्रसिद्धि सदा आलोक स्तंभ बनी रहेगी।

मोहम्मद रफ़ी ने देशभक्ति से लेकर मजदूरों-किसानों को संघर्ष में जुटे रहने के उद्देश्य से गीत प्रस्तुत किये। गीत गाने वाले इस संसार में अक्सर मिल जाते हैं। लेकिन वतन के लिए गाने वाले कम मिलते हैं, उसमें भी जिसके गायन में वतन का प्रेम हो। मोहम्मद रफ़ी के गायन में सिर्फ मधुरता ही नहीं है बल्कि उनकी आवाज में भारत बोलता है। उनका उच्चारण पंजाबी-उर्दू-हिंदी का सम्मिश्रण है। ऐसी आवाज और कहां मिलेगी, मोहम्मद रफ़ी को भुलाना असंभव है। पर उनके शताब्दी साल को बेहतरीन तरीके से मनाने की जरूरत है।

सवाल उठता है कि जिस परिस्थिति में मोहम्मद रफ़ी ने गीत और उसकी गायन पद्धति को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का प्रयास किया है। भारतीय संगीत परंपरा को विश्व-मंच पर स्थापित करने में मोहम्मद रफ़ी ने अपने कला-विवेक का प्रयोग किया; इस कला-विवेक का प्रयोग करने में उन्हें पूरी सफलता मिली। यही कारण है कि मोहम्मद रफ़ी को यह दुनिया नहीं भूल पायेगी। लाखों-लाख श्रमजीवी मोहम्मद रफ़ी की आवाज को सुनने के लिए उत्सुक रहते हैं। आधुनिक प्रौद्योगिकी ने उनकी आवाज को जीवित रखने का प्रयास किया है।

विश्व मीडिया और हिंदी मीडिया ने मोहम्मद रफ़ी की शताब्दी पर विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया। असंख्य आलेख मोहम्मद रफ़ी के अवदानों पर प्रकाशित किये गए। आम पाठकों के बीच मोहम्मद रफ़ी का कद काफी ऊंचा है। उन्होंने जमाने को गति ही नहीं बल्कि ऊर्जा भी दी है। खासकर फिल्म उद्योग को उन्होंने एक नया मुकाम दिया है। इस मुकाम के चलते यह संसार उनका सदा कर्जदार बना रहेगा। सही अर्थों में मोहम्मद रफ़ी के कर्ज को अदा करना नामुमकिन है।

मोहम्मद रफ़ी ने उन कलाकारों को महान बना दिया, जिन कलाकारों को फिल्म उद्योग में पैर भी नहीं रखने दिया जाता था। मोहम्मद रफ़ी ने जिन कलाकारों के लिए गाना प्रस्तुत किया, वे कलाकार प्रसिद्ध हुए। फिल्म जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि मोहम्मद रफ़ी ने प्राय: चार दशकों तक फिल्मी दुनिया को आवाज दी। इस आवाज की ताकत का क्या मतलब होता है, इस मतलब को मोहम्मद रफ़ी ने स्पष्ट किया। मोहम्मद रफ़ी के सम्बन्ध में यह कहा जाता है कि एक-एक गीत का रियाज वो तीन-तीन दिनों तक करते थे।

रियाज का सही अर्थ कोई जानता है, तो मोहम्मद रफ़ी से ही समझना पड़ेगा। सिर्फ रियाज ही नहीं उन्होंने अपनी विनम्रता को सदा मखमली आवाज में जिंदगी भर लपेटे रखा; यानी उन्हें अहंकार छू भी नहीं पाया। उन्हें कभी भी यह अहसास नहीं हुआ कि वे सबसे बड़े पार्श्व गायक हैं। उनके गायन ने यह प्रमाणित किया कि गायन खासकर पार्श्व गायन कितना जरूरी होता है।

महान गायक मोहम्मद रफ़ी ने देशभक्ति के गीत जिस तरह प्रस्तुत किये, उसी तरह उन्होंने कव्वाली, ग़ज़ल, भजन गाये। गुरुदत्त, दिलीप कुमार, देव आनंद, भारत भूषण, जॉनी वाकर, जॉय मुखर्जी, शम्मी कपूर, राजेंद्र कुमार, राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन, धर्मेन्द्र, जीतेन्द्र, ऋषि कपूर, मिथुन चक्रवर्ती जैसे कद्दावर अभिनेताओं के लिए गीत प्रस्तुत करने वाले मोहम्मद रफ़ी के हृदय में देश-प्रेम के अलावा था ही क्या, जिन्होंने अपनी आवाज से दुनिया की भौगोलिक सीमाओं को तोड़ते हुए गाया कि यह दुनिया एक है। उन्हें न केवल साझा संस्कृति के प्रभावों का मतलब मालूम था बल्कि उन्होंने ने उन तमाम मुद्दों को स्वर दिया, जिन मुद्दों को वर्षों से कबीर-टैगोर-प्रेमचंद-गांधी जैसे महाप्राण इस धरती पर युग-युग से उठाते रहे। यही कारण है कि मोहम्मद रफ़ी की आवाज कभी गुम नहीं हो सकती।

नौशाद, एस डी बर्मन, खय्याम, ओपी नैयर, मदन मोहन, अनिल विश्वास, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, चित्रगुप्त जैसे संगीत निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मोहम्मद रफ़ी को मिला। कहा जाता है कि नौशाद ने सबसे पहले मोहम्मद रफ़ी को

चालीस के दशक में फिल्म उद्योग में स्थान दिया। 'पहले आप' फिल्म में नौशाद के निर्देशन में मोहम्मद रफ़ी ने गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद हिंदी सिनेमा में एक प्रसिद्ध आवाज के रूप में उनकी ख्याति जग जाहिर होने लगी। सही मायने में गीत सिनेमा का रीढ़ होता है और इस दृष्टि से मोहम्मद रफ़ी की गीत-प्रस्तुति पर विचार किया जाए, तो स्पष्ट होगा कि मोहम्मद रफ़ी की आवाज हिंदी सिनेमा की रीढ़ बन गयी। एक आवाज को रीढ़ वनाने की कला यदि किसी में देखने को मिलती है, तो वह मोहम्मद रफ़ी हैं। मोहम्मद रफ़ी की आवाज में जिस तरह का करिश्मा है, ठीक उसी तरह का जोश भी। इन्हीं करिश्में और जोश के कारण पाँचवें दशक में मोहम्मद रफ़ी का नाम हेमंत कुमार, तलत महमूद, मन्ना डे और मुकेश जैसे पार्श्व गायकों की सूची में अगली कड़ी के रूप में जुड़ गया। सिर्फ उनकी आवाज में जोश ही नहीं है, उनकी आवाज में करुणा भी है। इसी करुणा के चलते मोहम्मद रफ़ी ने भावात्मक सीमाओं को विस्तार दिया है। उन्होंने गुरुदत्त के लिए 'प्यासा' फिल्म में गाया है- 'ये दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है'।

मोहम्मद रफ़ी ने 'श्री 420' फिल्म में मस्ती भरी गीत प्रस्तुत किया। उनका एक और प्रसिद्ध गीत है-'चौदहवीं का चाँद'। 'श्री 420' फिल्म में उन्होंने 'रमैया वस्ता वैया' जैसा महत्त्वपूर्ण गीत प्रस्तुत किया। 'मदर इंडिया' में उन्होंने गीत प्रस्तुत किया- 'दुख भरे दिन बीते रे भैया'। 1960 में 'मुगल-ए-आजम' फिल्म आयी इस फिल्म में उन्होंने गीत प्रस्तुत किया है- 'ऐ मोहब्बत जिंदाबाद'। 'बैजू बावरा' फिल्म में उन्होंने गीत प्रस्तुत किये-'ओ दुनिया के रखवाले'। यह गीत शास्त्रीय राग पर आधारित है। इस तरह यह देखा जाता है कि मोहम्मद रफ़ी ने शास्त्रीय राग पर आधारित गीतों को भी ऊर्जा से पूरी तरह भर दिया। उनके गीत बेजोड़ इसलिए हैं कि उन्होंने अपनी आवाज से गीतों को सदाबहार बना दिया।

'गाइड' फिल्म में उन्होंने एक गीत गाया- 'सदाबहार दिन ढल जाए,हाय रात न आए'। 1958 में उनका एक गीत 'अच्छा जी मैं हारी चलो मान जाओ ना'। काफी प्रसिद्ध हुआ। यह गीत 'कालापानी' फिल्म का है। इस फिल्म में मधुबाला और देव आनंद हैं। मोहम्मद रफ़ी ने 1950 में खय्याम के संगीत-निर्देशन में एक ग़ज़ल को तरन्नुम में ढाला। खय्याम के संगीत-निर्देशन में ग़ज़ल से लेकर भजन तक गाने वाले मोहम्मद रफ़ी ने यह प्रमाणित कर दिया कि उनमें किवदंती बनने की क्षमता है; जो वर्तमान में साबित हो चुका है कि मोहम्मद रफ़ी सही अर्थों में किवदंती हैं। इसी तरह मोहम्मद रफ़ी ने ओ पी नैयर के संगीत में गीत प्रस्तुत किये। 'नया दौर' फिल्म 1957 में आयी। इस फिल्म का प्रसिद्ध गीत है- 'यह देश है वीर जवानों का'। इस गीत ने धूम मचा दी कि सचमुच यह देश वीरों से भरा हुआ। वक्त की आवाज को सही अर्थों में आवाज देने वाले का नाम मोहम्मद रफ़ी है। उन्होंने मदन मोहन के संगीत-निर्देशन में भी गीत प्रस्तुत किये। अनिल विश्वास, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, चित्रगुप्त के साथ मोहम्मद रफ़ी ने काम किया। उनके गाने का अंदाज अलग था। मोहम्मद रफ़ी की रेंज अनोखी थी।

मोहम्मद रफ़ी का जन्म 1924 की 24 सितम्बर को कोटला सुल्तान सिंह नामक एक पंजाबी गांव में हुआ था। उनके पिता हाजी अली मोहम्मद रोजगार की तलाश करते हुए लाहौर चले आये। मोहम्मद रफ़ी ने इसी शहर में गुलाम अली खान, उस्ताद अब्दुल वाहिद खान, पंडित जीवनलाल मट्टो और फिरोज नियामी जैसे संगीतकारों से संगीत की शिक्षा प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि मोहम्मद रफ़ी को सबसे पहले श्याम सुंदर संगीतकार का सान्निध्य मिला। मोहम्मद रफ़ी ने बीस साल की उम्र में पंजाबी फिल्म 'गुल बलोच' में 'सोनिये हिरिये, तेरी याद ने बहुत सताया' गीत प्रस्तुत किया। इस गीत ने मोहम्मद रफ़ी ने ताउम्र तक फिल्मी दुनिया को आवाज दी, उनका निधन 31 जुलाई 1980 को हो गया। उनका बचपन नाम कीको था, जो रफ़ी बनकर संगीत जगत पर छा गए। श्याम सुंदर की फिल्म 'गांव की गोरी' और नौशाद की फिल्म 'पहले आप' फिल्म से मोहम्मद रफ़ी ने अपने गीतों की प्रस्तुति की यात्रा शुरू की। मोहम्मद रफ़ी ने नौशाद के लिए 150 से अधिक गीत प्रस्तुत किये। इससे यह नहीं पता चलता है कि मोहम्मद रफ़ी का जीवन कैसा था; क्या उनके जीवन में संघर्ष नहीं था।

क्या संघर्ष के बिना भी कुछ होता है, उनका जीवन संघर्ष से भरा हुआ था। लेकिन उन्होंने संघर्षों को सहर्ष स्वीकार किया। इसके चलते वे लगातार बढ़ते चले गए। उन्होंने अपने जीवन में कभी भी निराशा को सामने नहीं आने दिया। हर मुश्किल घड़ी को उन्होंने झेला। लाहौर से बाम्बे आना उनके लिए कितना अच्छा रहा, यह कहना कठिन है। पर जिस मोहम्मद रफ़ी को लाहौर ने बनाया, उसी को बाम्बे 1980 को निगल गया। उस वक्त मोहम्मद रफ़ी की उम्र 55 साल थी। लेकिन मौत मोहम्मद रफ़ी को छू भी नहीं सकती है।

संगीत को स्थापित करने में मोहम्मद रफ़ी का कमाल सदा इस दुनिया में विद्यमान रहेगा। यह सच है कि मोहम्मद रफ़ी नहीं रहे, लेकिन उनके शताब्दी साल पर उनके व्यक्तित्व-कृतित्व के मूल्यांकन को प्रसारित करने की जरूरत है, इसलिए कि उनकी राष्ट्रभक्ति ने देश के वीरों को उत्साहित किया था तथा पूरी दुनिया को बताया था कि आवाज में वह ताकत है, जो किसी को अपनी ओर खींच सकती है। अपने जीवन के कठोर परिश्रम के जरिये मोहम्मद रफ़ी ने भारतीय मनीषा और भारतीय परंपरा की रक्षा करने का संकल्प लिया था। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से बार-बार यह प्रमाणित होता है कि कलाकार ही सच्चा देशप्रेमी है; जो अपनी आवाज को भी समाज की रीढ़ बना सकता है।

इंसानों की तस्करी की त्रासदी वाला समाज कब तक?

ललित गर्ग

राष्ट्रीय मानव तस्करी जागरूकता दिवस हर साल 11 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिन मानव तस्करी और आधुनिक दासता के खिलाफ़ जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। यह दिवस एक ऐसे वैश्विक अपराध, त्रासदी एवं अभिशाप की ओर ध्यान आकर्षित करता है जो दुनियाभर में मानव जीवन, परिवारों और समुदायों को डरावनी, खौफनाक एवं त्रासद अंधेरी दुनिया में धकेलता है। मानव तस्करी लाखों लोगों की आज़ादी और सम्मान को छीनता है, समाज को अनगिनत नुकसान पहुँचाता है, कानून और सुशासन को कमज़ोर करता है और अपराध को बढ़ावा देता है। मानव तस्करी में बल, धोखाधड़ी या जबरदस्ती के इस्तेमाल के ज़रिए शोषण एवं उत्पीड़न शामिल है। मानव तस्करी कई रूपों में हो सकती है जिसमें यौन तस्करी, बाल यौन तस्करी, जबरन मज़दूरी, ऋण बंधन, जबरन बाल मज़दूरी, घरेलू दासता और बाल सैनिकों की अवैध भर्ती और उपयोग शामिल है। यह पुरुषों, महिलाओं, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और बच्चों को सीमाओं के पार और देश के अंदर दोनों जगह प्रभावित करता है। मानव तस्करी के खिलाफ़ कानून और नीतियां बनाने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रयास किए जाने अपेक्षित है।

वैश्विक स्तर पर, मानव तस्करी के शिकार पाँच व्यक्तियों में से एक बच्चा हैं हालांकि अफ्रीका और ग्रेटर मेकांग जैसे गरीब क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों में, तस्करी के शिकार लोगों में से अधिकांश बच्चे ही हैं। इस बीच, दुनिया भर में मानव तस्करी के शिकार लोगों में से दो तिहाई महिलाएँ हैं। मानव तस्करी एक वैश्विक समस्या है और दुनिया के सबसे शर्मनाक अपराधों में से एक है, जो दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन के लिये अभिशाप है और सरकारों पर एक बदनुमा दाग एवं कलंक है। मानव तस्कर दुनिया के सभी कोनों से महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को धोखा देते हैं और उन्हें हर दिन शोषणकारी अंधेरी परिस्थितियों एवं दुनिया में धकेलते हैं। जबकि मानव तस्करी का सबसे वीभत्स रूप यौन शोषण है, हज़ारों पीड़ितों को जबरन श्रम, घरेलू दासता, बाल मजदूरी एवं भीख मांगने के लिये मजबूर किया जाता है और ऐसे पीड़ितों के अंगों को निकालने के उद्देश्य से भी तस्करी की जाती है। अंतरराष्ट्रीय एनजीओ शोध के अनुसार, पापुआ न्यू गिनी के लगभग 30 प्रतिशत यौन तस्करी के शिकार 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं, जिनमें से कुछ की उम्र 10 वर्ष से भी कम है। कथित तौर पर कतिपय परिवार या जनजाति के सदस्य यौन तस्करी या जबरन मजदूरी करवाते हैं। कुछ माता-पिता बच्चों को सड़क पर भीख मांगने या सामान बेचने के लिए मजबूर करते हैं, और कुछ अपनी बेटियों को कर्ज चुकाने, समुदायों के बीच विवादों को सुलझाने या अपने परिवारों का समर्थन करने के लिए विवाह या बाल यौन तस्करी के लिए बेच देते हैं या मजबूर करते हैं।

दुनियाभर में हर साल करीब 6 लाख से 8 लाख लोगों की तस्करी होती है। दुनियाभर में पाए गए सभी मानव तस्करी के पीड़ितों में से 51 प्रतिशत वयस्क महिलाओं की संख्या है। भारत में वर्ष 2019 में, सरकार ने 5145 मानव तस्करी के पीड़ितों और 2505 मानव तस्करी के संभावित पीड़ितों की पहचान किए जाने की जानकारी दी, जोकि वर्ष 2018 में पहचान किए गए 3946 मानव तस्करी पीड़ितों और 1625 मानव तस्करी के संभावित पीड़ितों की तुलना में वृद्धि थी। इसके आगे भी मानव तस्करी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में वर्ष 2010 में राष्ट्रपति की घोषणा के अनुसार, प्रत्येक जनवरी को राष्ट्रीय गुलामी और मानव तस्करी रोकथाम माह के रूप में नामित किया गया है। मानव तस्करी की बढ़ती शर्मनाक घटनाओं ने संवेदनहीन होते समाज की त्रासदी को उजागर किया है। इन घटनाओं को अभिभावकों एवं समाज की संवेदनहीनता और क्रूरता के रूप में देखा जा सकता है, वहीं आजादी के अमृत काल में भी मानव-तस्करी की घिनौनी

राष्ट्रीय मानव तस्करी जागरूकता दिवस- 11 जनवरी, 2025

मानसिकता के पांव पसारने की विकृति को सरकार की नाकामी माना सकता है। सरकार को बच्चों से जुड़े कानूनों पर पुनर्विचार करना चाहिए एवं बच्चों के प्रति घटने वाली ऐसी संवेदनहीनता की घटनाओं पर रोक लगाने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

इस देश में मानव तस्करी के जघन्य अपराध के रूप में बच्चों के साथ जो हो रहा है उसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की होगी। उन्हें खरीदने-बेचने और उनसे भीख मंगवाने का धंधा, उनके शरीर को अपंग बनाने का काम, खतरनाक आतिशबाजी निर्माण में बच्चों का उपयोग, उनके साथ अमानवीय व्यवहार, तंत्र-मंत्र के चक्कर में बलि चढ़ते मासूम बच्चे और उनका यौन शोषण। देश के भविष्य के साथ यह सब हो रहा है। लेकिन जब सरकार को ही किसी वर्ग की फिक्र नहीं तो इन मासूमों की पीड़ा को कौन सुनेगा? इस बदहाली में जीने वाले बच्चों की संख्या जहां देश में लाखों में है, वहीं जन्मते ही बच्चों को बेच देने की घटनाएं भी रह-रह कर नये बन रहे समाज पर कालिख पौतते हुए अनेक सवाल खड़े करती है। लाखों बच्चे कुपोषण का शिकार मिलेंगे, लाखों बेघर, दर-दर की ठोकर खाते हुए आधुनिकता की चकाचौंध से कोसों दूर, निरक्षर और शोषित। बच्चों को बेच देने एवं तस्करी की घटनाएं कई बार ऐसी परतों में गुंथी होती हैं जिनमें समाज, परंपरागत धारणाएं, गरीबी और विवशता से लेकर आपराधिक संजाल तक के अलग-अलग पहलू शामिल होते हैं।

समाज में आज भी लड़के एवं लड़की को लेकर संकीर्ण एवं अमानवीय सोच व्याप्त है, झारखण्ड में एक दंपति को पहले से तीन बेटियां थी। सामाजिक स्तर पर मौजूद रूढ़ियों से संचालित धारणा के मुताबिक उस दंपति को एक बेटे की जरूरत थी। यानी तीन बेटियां उसकी नजर में महत्वहीन थी कि उससे बेटे की भरपाई हो सके। इसलिए उसने ऐसी सौदेबाजी कराने वाले मानव तस्कारों एवं दलालों के जरिए किसी अन्य महिला से उसका नवजात बेटा खरीद लिया। यानी मन में बेटा नहीं होने के अभाव से उपजे हीनताबोध और कुंठा की भरपाई के लिए कोई व्यक्ति पैसे के दम पर गलत रास्ता अपनाने से भी नहीं हिचकता। इसके अलावा, मानव तस्करी करने वाले गिरोह दूरदराज के इलाकों में और खासतौर पर गरीबी की पीड़ा झेल रहे लोगों के बीच अपने दलालों के जरिए बालक एवं बालिका खरीदने के अपराध में लगे रहते हैं। झारखण्ड, ओड़ीसा, बिहार जैसे राज्यों के गरीब इलाकों में ऐसे तमाम लोग होते हैं, जिन्हें महज जिंदा रहने के लिए तमाम जद्दोजहाद से गुजरना पड़ता है। विश्व की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनते भारत की सतह पर दिखने वाली अर्थव्यवस्था की चमक की मामूली रोशनी भी उन तक आखिर क्यों नहीं पहुंच पाती है?

मानव तस्करी की बढ़ती घटनाओं में बच्चों एवं बालिकाओं को बेचे और खरीदे जाने में जितने लोग, जिस तरह शामिल होते थे, वह नये बनते भारत के भाल पर एक बदनुमा दाग है। निश्चित रूप से इस मामले में मां की ममता एवं करूणा कठघरे में होती है, मगर कई बार अपने ही बच्चे के बदले पैसा लेने की नौबत आने में हालात भी जिम्मेदार होते हैं। वरना अपने बच्चे का सौदा करना किसी मां के लिए इतना आसान नहीं होता है। झारखण्ड और ओड़ीसा सहित देश के अनेक हिस्सों के गरीब इलाकों से अक्सर ऐसी खबरें आती रहती हैं, जिनमें कुछ हजार रुपए के लिए ही बच्चे को मानव तस्करों के हवाले कर दिया जाता है। सवाल है कि बच्चे को बेचने के पीछे क्या कारण होते हैं, उनके खरीददार कौन होते हैं और ऐसी सौदेबाजी को आमतौर पर एक संगठित गतिविधि के रूप में अंजाम देने में क्यों सफलता मिल जाती है। क्यों कानून का डर ऐसे मानव तस्कारों एवं अपराधियों को नहीं होता? क्यों सरकारी एजेंसियों की सख्ती भी काम नहीं आ रही है और लगातार ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यहां प्रश्न कार्रवाई का नहीं है, प्रश्न है कि ऐसी विकृत सोच एवं अपराध क्यों पनप रहे हैं?

राष्ट्रीय मानव तस्करी जागरूकता दिवस मनाते हुए हमें इस गुलामी एवं अभिशाप से मुक्ति में लगे संगठनों को आर्थिक मदद करनी चाहिए। हमें इस गुलामी को खत्म करने के लिए स्वयं आगे आना चाहिए। आज, मानव तस्करी के बारे में बहुत सारी भ्रांतियाँ हैं, इसलिए खुद को शिक्षित करें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें। सरकारों को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह ईमानदारी से करना चाहिए।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

वर्ग पहेली नं. 2972

1		2	■	■	3		4	■	5
	■	6		7		■		■	
8	9		■	10		■	11		
12		■	13		■	14		■	
■	15			■	16		■	17	
18	■	■	19			■	20		■
21		22		■	23	24			25
	■	26		27	■		■	■	
28			■	29					■

➲ बायें से दायें:- 1) नग; चीज़; आइटम; पीस, 3) तितली; गुड्डी, 6) स्वेच्छाचार, 8) परित्राता, 10) वृद्ध; बुढ़ापा, 11) अफ़वाहबाज़, 12) शोरबा; पृथ्वी, 13) अशिक्षित; अनुपभुक्त; जो काम में न लाया गया हो, 14) फतह, 15) सीधी रेखा, 16) एक राशि, 17) संपूर्ण, 19) आधुनिक कुरता, 20) सूरदास, 21) चारों ओर, 23) कर्ण, 26) धूल, 28) मुँह पोंछने का चौकोर टुकड़ा; हैंडकरचीफ़, 29) कृतघ्नता.

➲ ऊपर से नीचे:- 1) विष्णु का वामन, 2) अंगदीप्ति; चमक; वैभव, 3) छेना, 4) भूल, 5) एक मिठाई, 7) घटना, 9) माधुर्यपूर्ण; स्वादिष्ठ, 13) दोष और त्रुटि; ऐब और कमी, 14) जिव्हा, 16) हाथी, 17) रास्ता; ज़रिया; औज़ार; सामग्री, 18) बेइज्जत, 20) छोर; समाप्त, 22) मनोक्षिप्त; बौराया; पगला, 24) बहुत कठिन; असमान, 25) कोशिश, 27) जलन.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

अ	छा	■	भा	ग	वा	न	■	ग	प
ग	■	मु	क्त	■	ता	■	वि	र	ह
ल	गा	ना	■	ने	व	ला	■	बा	ल
ब	■	फ़ा	का	■	र	ज	नी	■	वा
ग	प	■	म	र	ण	■	च	म	न
ल	ट	का	ना	■	■	सि	ता	र	■
■	क	■	■	प	र	खा	■	ह	म
अ	नी	श्व	र	ता	■	■	खो	म	चा
न्य	■	श्रु	■	का	ट	छाँ	ट	■	न

सुडोकू-पहेली-2932

5			4			7		
		1						
2								
3						6	2	
	7		9					
			8					
				3			1	
	8			2				
	4					5		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2931 का उत्तर

6	7	8	1	3	9	5	4	2
4	5	2	6	7	8	3	9	1
1	3	9	2	5	4	8	7	6
5	9	6	7	4	3	2	1	8
3	4	1	9	8	2	7	6	5
8	2	7	5	1	6	9	3	4
9	1	3	4	2	5	6	8	7
2	8	4	3	6	7	1	5	9
7	6	5	8	9	1	4	2	3

कोलकाता एसटीएफ का बिहार में छापा, अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़

❑ चार गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की टीम ने गुरुवार की देर रात बिहार में एक अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारकर कम से कम चार लोगों को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के नाम राजू कुमार शाह, राजू कुमार चौधरी उर्फ बिरजू, इफ्तिखार आलम और इशख्त आलम है। सभी बिहार के मधुबनी के रहने वाले है। पुलिस ने बताया कि हथियार का बनाने और आपूर्ति करने वाली फैक्ट्री से बड़ी मात्रा में हथियार और हथियार बनाने

के उपकरण बरामद किए गए। सूत्रों के अनुसार, लालबाजार पुलिस की टीम ने गिरफ्तार लोगों को बिहार से कोलकाता लाने की पहल की। पुलिस सूत्र ने पुष्टि की कि हथियार बनाने का कारोबार एक ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग की दुकान के पीछे चल रहा था। यहां से लगभग 24 पाइप बरामद किए गए, जिनका उपयोग मुख्य रूप से 7 मिमी पिस्तौल बनाने के लिए किया जाता था। इसके अलावा, घटनास्थल से एक क्रिस्टल बनाने की मशीन, कई गोलियों के खोल और कई हथियार बरामद किए गए। अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट और कोलकाता पुलिस के एसटीएफ के प्रभारी वी। सलीमन नेशा कुमार ने बताया कि हमने मधुबनी में एक हथियार कारखाने में एक गुप्त अभियान चलाया है। साथ ही, बिहार पुलिस टीम की मौजूदगी में आरोपी को गिरफ्तार किया है। लालबाजार सूत्रों के अनुसार, शुरुआती पूछताछ के बाद जांचकर्ताओं को पता चला कि ये सभी अवैध हथियार मधुबनी से पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत देश के कई हिस्सों में सप्लाई किए जाते थे। पुलिस ने बिहार के खुटौना थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

फर्जी पासपोर्ट पर लगाम लगाने के लिए कोलकाता पुलिस ने जारी किया लुकआउट नोटिस

कोलकाता, समाज्ञा : फर्जी पासपोर्ट गिरोह पर लगाम लगाने के लिए लालबाजार अब लुकआउट नोटिस जारी करने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस गिरोह के सदस्यों ने पिछले कुछ वर्षों में 121 फर्जी पासपोर्ट बनाए, जिनमें से 70 से अधिक पासपोर्ट पहले ही जारी किए जा चुके हैं। बाकी 50 पासपोर्टों को जारी होने से पहले ही रोक दिया गया है। लालबाज़ार के अधिकारियों का दावा है कि ये फर्जी पासपोर्ट बांग्लादेश से आए घुसपैठियों के नाम पर बनाए गए थे। इन फर्जी पासपोर्ट धारकों की पहचान और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए लुकआउट नोटिस जारी किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि फर्जी पासपोर्ट धारक इन पासपोर्टों का उपयोग कर विदेश यात्रा नहीं कर सकें। लालबाजार ने बताया कि क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) के उन कर्मचारियों की पहचान की जा रही है, जो इस गड़बड़ी में शामिल हो सकते हैं। इसके लिए आरपीओ को पत्र लिखा गया है। पासपोर्ट जारी करने से पहले पुलिस जांच के बाद आवेदन स्वीकार किए जाते हैं। ऐसे में लालबाजार यह भी जांच कर रहा है कि क्या आरपीओ के कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियां सही तरीके से निभा रहे थे। लालबाजार अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि इन फर्जी पासपोर्टों के लिए पैसा किन खातों से आया। पुलिस उन बैंक खातों की जांच कर रही है, जिनका इस्तेमाल पासपोर्ट शुल्क भुगतान के लिए किया गया। इसके अलावा, पासपोर्ट आवेदन में दर्ज ईमेल आईडी की भी जांच की जा रही है।

जंगल में लौटा रॉयल बंगाल टाइगर

कोलकाता, समाज्ञा

दक्षिण 24 परगना जिले कुलतली स्थित मैपीठ में गुरुवार को बाघ के पैरों के निशान पाए जाने से लोग आतंकित थे। मैपीठ बैकुंठपुर ग्राम पंचायत के नागेनाबाद में नदी के किनारे बाघ के पैरों के निशान देखे गए थे। ग्रामीणों ने संदेह व्यक्त किया था कि बाघ अजमलमारी जंगल से मकरी नदी पार कर इलाके से सटे जंगल में घुस गया है। शुक्रवार की सुबह मैपीठ के लोगों के लिए राहत भरी खबर लेकर आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लगातार प्रयास के बाद वन विभाग बाघ को जंगल में वापस भेजने में सफल हो गया। रात के समय गांव की ओर नदी के किनारे आग जलाई गई और पटाखे फोड़कर बाघ को भगाने की कोशिश की गई। शुक्रवार की सुबह जब वनकर्मी जंगल में गए तो पाया कि बाघ अजमलमारी जंगल में वापस चला गया है। इससे गांव के लोगों को फिलहाल राहत मिली है।

Name Change

I, Lallan son of Lachhuman Ram, residing at 01K, Lohata, Lohata, Panicha, Ballia, Uttar Pradesh-277302, do hereby solemnly affirm and declare that Lallan and Lallan Ram Gour identically refer to me is one and same identical person via affidavit before the Ld 1st Class Magistrate, Kolkata dated 20th December 2024.

NAME CHANGE

I, Mousumi Mukhopadhyay Samajdar W/o. Rupam Bhattacharjee R/o. Flat No. N. 4th Floor, Annapurna Devine, Bandel Station Road, Bandel, Chinsurah, Hooghly-712123, W.B. declared that my daughter Nabanthika Sarkar D/o. Mousumi Mukhopadhyay Samajdar & Nabanthika Bhattacharjee D/o. Mousumi Mukhopadhyay Samajdar both are the self-same one and identical person vide an affidavit no. 243 sworn before Judicial Magistrate, Sadar, Hooghly Court on 09/01/2025. My daughter's original name is Nabanthika Sarkar.

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

खुली ई-निविदा सूचना

सं. सीओएस/सीआरजे/पीयूबी/ई-निविदा/19/0162 दिनांक: 08/01/2025 । निम्नलिखित **ई-निविदाएँ** लिंक **www.ireps.gov.in** के अधीन प्राप्त की जा सकती हैं। ऐसी ई-निविदा के लिए प्रस्ताव लिंक **www.ireps.gov.in→login→E-Tender Stores/Supply** एक्सेस करते हुए केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जमा किया जा सकता है। किसी विशेष निविदा के बारे में कोई स्पष्टीकरण पाने के लिए या आईआरईपीएस संबंधित जानकारी, यदि कोई है, के लिए विक्रेतागण निम्नलिखित अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं: उप सीएमएम/मुख्यालय/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन, **0341-2525594** या एसएमएम/कॉन/मुख्यालय, **0341-2535631।** **कार्यालय का पता:** पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन का कार्यालय। **क्रम सं.: [1]। निविदा सं.: 83240869ए। सामग्री का संक्षिप्त विवरण:** 3 फेज टी.एम.टाइप 6एफआरए-6068 के लिए रोटर स्टैम्पिंग का सेट, प्रत्येक सेट में निम्नलिखित (03) तीन आइटम शामिल हैं (1) रोटर मेन स्टैम्पिंग ड्रॉ. नं.1टीडब्ल्यूडी.096.010 ऑल्ट-10 रेफ-1, स्पेसि. 4टीएमएस.096.053 रिव-2, ऑल्ट-11 (2) रोटर मिड स्टैम्पिंग 1टीडब्ल्यूडी.096.010 ऑल्ट-10 रेफ-2, स्पेसि. नं. 4टीएमएस.096.053 रिव -2, ऑल्ट-11 (3) सॉलिड रोटर एंड प्लेट एसकेईएल-4890 ऑल्ट-0, एसटीआर नं. सीएलडब्ल्यू/टीएम/0421/स्टेटर और रोटर स्टैम्पिंग/ रिव-1 के अनुसार। **[वारंटी की अवधि:** डिलीवरी की तिथि के बाद 30 माह]**। मात्रा: 412.00 सेट। बयाना राशि जमा (रुपये) :₹940570.00। निविदा की अंतिम तिथि और समय (आईएसटी): 03/02/2025 को सुबह 11:00 बजे।**

PR3/771 पीसीएमएम/चिरेका/चित्तरंजन

हमें: www.facebook.com/clwrailways पर लाइक करें

एनसीसी कैडेट बड़े सपने देखें : पूर्व वायुसेना प्रमुख अरूप राहा

❑ पूर्व वायुसेना प्रमुख ने एनसीसी कैडेट के रूप में अपने पुराने दिनों को किया याद

❑ सुरेंद्र नाथ कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल (सेवानिवृत्त) अरूप राहा ने एनसीसी कैडेट के रूप में अपने पुराने दिनों को याद करते हुए युवाओं व कैडेटों से बड़े सपने देखने का आह्वान किया है। साथ ही, उन्होंने उनसे कल के परिवर्तनकर्ता और नेता बनने का आग्रह किया। सियालदह स्थित सुरेंद्रनाथ कॉलेज में एनसीसी के सहयोग से गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए राहा ने वहां मौजूद कैडेटों तथा छात्रों को संबोधित करते हुए अपने प्रेरक अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि एनसीसी का हिस्सा बनना जीवन जीने का एक तरीका है। उन्होंने भारत-चीन संबंधों पर प्रेरक विचार रखने के साथ एक एनसीसी कैडेट से लेकर भारतीय वायुसेना में शीर्ष रैंक तक पहुंचने की अपनी उल्लेखनीय यात्रा को साझा किया, जिसमें बताया कि कैसे उनके अनुशासन और उपलब्धियों ने उन्हें प्रतिष्ठित स्वार्ड आफ आनर दिलाया। उन्होंने कहा कि आज जब मैं आपकी ओर देख रहा हूं तो मैं न केवल कल के नेताओं को देख रहा हूं, बल्कि हमारे देश की विरासत और भविष्य के संरक्षकों को भी देख रहा हूं। इस महान राष्ट्र के युवा नागरिकों के रूप में आप भारत के परिवर्तन और विकास की कहानी का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे स्वयं पर विश्वास रखें तथा उत्कृष्टता की खोज में कड़ी मेहनत और समर्पण को अपना साथी बनाएं। सुरेंद्रनाथ कॉलेज के प्राचार्य ने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का परिचय कराया। कार्यक्रम में रक्षा कर्मियों, वैज्ञानिकों और शिक्षकों सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लोग मौजूद थे। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेटों द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए अपनी उपलब्धियों और एसएससीडी गतिविधियों को प्रदर्शित करते हुए एक आकर्षक प्रस्तुति भी दी गई। इसके अतिरिक्त, कैडेटों ने कारगिल युद्ध के प्रभाव को दर्शाते हुए एक मनमोहक देशभक्ति नृत्य नाटिका प्रस्तुत की, जिससे दर्शक भावविभोर हो गए। इस कार्यक्रम में दो बंगाल बटालियन एनसीसी के नए कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अविजित दास का भी गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिन्होंने एनसीसी कैडेटों से बातचीत की, एनसीसी कक्ष का दौरा किया और उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्रनाथ कालेज में 2(बी) बटालियन एनसीसी की एसोसिएट अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. बीभा समादार ने किया। राहा ने इस मौके पर कैडेटों के साथ बातचीत भी की और कुछ को स्मृति चिह्न भेंट किए।

बंगाल में भी हिंदुओं पर तमाम तरह की अत्याचार हो रहे हैं : शुभेंदु अधिकारी

आसनसोल : नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी शुक्रवार को रानीगंज के नूतन एगारा में राम पूजा में शामिल हुए। इस मौके पर यहां आसनसोल और दक्षिण की विधायक अग्निमित्रा पाल, भाजपा जिला अध्यक्ष बप्पा चटर्जी समेत क्षेत्र के तमाम भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थिति में जनता को संबोधित करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि जिस तरह से बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। वह कोई ऐसी घटना नहीं है जो सिर्फ बांग्लादेश में हो रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भी हिंदुओं पर तमाम तरह की अत्याचार हो रहे हैं। हिंदुओं को उनके पूजा पद्धतियों को संपन्न करने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय पाकिस्तान में जितने आबादी हिंदुओं की थी। आज उससे काफी कम हो चुकी है। यही हाल बांग्लादेश में भी है। वहां पर हिंदुओं पर तमाम तरह के अत्याचार हो रहे हैं। जिस वजह से आज हिंदुओं की संख्या वहां पर लगातार घटती जा रही है। उन्होंने कहा कि आज मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश में एक ऐसी सरकार चल रही है। ये हिंदुओं पर तमाम तरह के अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार किया जा रहा है। यह बेहद चिंता का विषय है। वहीं, पश्चिम बंगाल की बात करते हुए, उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल में एक ऐसी सरकार चल रही है जो तुष्टिकरण की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में एक ऐसी सरकार चल रही है जो वोट की राजनीति के लिए एक समुदाय विशेष को अनैतिक रूप से समर्थन करती है।

❑ 'हिंदुओं को एक होने की आवश्यकता है'

उन्होंने साफ कहा कि वह यहां पर रहने वाले किसी भी समुदाय के खिलाफ नहीं है, लेकिन जिस तरह से रोहिंगा मुसलमान को बंगाल में घुसता जा रहा है। उसे पश्चिम बंगाल में जनसंख्या में एक समन्वय का अभाव नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के सभी हिंदुओं को एक होने की आवश्यकता है। यह बांग्लादेश में नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि चिन्मय कृष्णा प्रभु को जिस तरह से बांग्लादेश में सलाखों के पीछे डाल के रखा गया है। उसे साबित होता है कि अगर हिंदू एक नहीं हुई तो उनके साथ क्या हो सकता है।

❑ 'टीएमसी नेताओं और पुलिस की मदद से कोयला बालू के अवैध कारोबार चल रहे'

उन्होंने कहा कि आसनसोल, रानीगंज, जमुरिया आदि इलाकों में जिस तरह से कोयला बालू के अवैध कारोबार चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीएमसी नेताओं और पुलिस की मदद से कोयला बालू के अवैध कारोबार चल रहे हैं, लेकिन उसे रोकने की कोई कोशिश नहीं की जा रही है क्योंकि इसका पूरा मुनाफा एटीएम से नेतृत्व को मिलता है। उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार की वजह से आज इस क्षेत्र का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। लेकिन टीएमसी के नेताओं को इससे कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक सुशासन वाली सरकार चल रही है। अगर बंगाल में भी भाजपा की सरकार आ गई तो यहां पर सभी अवैध कारोबारों पर नकेल कसी जाएगी और सुशासन प्रतिष्ठित होगा।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. आईसीएफ/एचओएसपी/ड्रेन/पीएचवाई/जीपी/एलएलएच, दिनांक 09.01.25। मुख्य कारखाना प्रबंधक, सीएंडडब्ल्यू वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए रेलवे के प्रतिष्ठित, अनुमोदित एवं पात्र ठेकेदारों तथा उनसे जो सरकारी विभाग/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की समुचित सूची में हैं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** (i) सीएंडडब्ल्यू वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ में आईसीएफ लिफ्टिंग बे में ट्रॉली आवागमन के कॉलम के संचालन में बाधा उत्पन्न करने वाले कुछ चिन्हित मौजूदा कॉलमों का स्थानांतरण/हटाना। (ii) लिलुआ रेलवे अस्पताल, पूर्व रेलवे, लिलुआ में ड्रेनेज सिस्टम की त्वरित मरम्मत तथा नवीनीकरण कार्य तथा आनुषंगिक कार्य। (iii) सीडब्ल्यूएम/एलएलएच के अधीन लिलुआ कॉलोनी की ड्रेन सीवेज के फिल्टरेशन हेतु फाईटोरिड टेक्नोलॉजी का विकास एवं (iv) सीएंडडब्ल्यू वर्कशॉप, लिलुआ में लिलुआ यार्ड में ग्रीन पैचों का विकास कार्यों के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 69,63,915.53। **बयाना राशि:** रु. 1,39,300। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **समापन अवधि:** 270 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 31.01.2025 को दोपहर 12.00 बजे। संशोधन, यदि कोई हो, के साथ निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव ऊपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा। (MISC-300/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सं. एसडीएसटीई-एएलटी-बीडब्ल्यूएनआरआरआई-24-25-आरई, दिनांक 09.01.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. एसडीएसटीई-एएलटी-बीडब्ल्यूएनआरआरआई-24-25-आरई के तहत दो पैकेट प्रणाली में खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **बंद होने की तारीख 31.01.2025 को अपराह्न 3.00 बजे।** बोलीदातागण सिर्फ वंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल के एचडीएन रूट में ट्रैफिक सुविधा कार्य के संबंध में बीडब्ल्यूएन आरआरआई का परिवर्तन। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 17,82,72,789.12; **बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 10,41,400; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** रु. 0; **निविदा अपलोडिंग की तारीख/समय:** 09.01.2025 को अपराह्न 1.07 बजे। **प्रस्ताव की वैधता:** 90 दिन। **समापन अवधि:** 270 दिन। **बोली शुरू होने की तारीख:** 17.01.2025; **बोली लगाने की शैली:** प्रत्येक अनुसूचित मद के लिए एकल दर। **संविदा का प्रकार:** वर्क्स। **संविदा की श्रेणी:** व्यय। **बोलियों के लिए रैंकिंग क्रम:** न्यूनतम से उच्चतम। **व्यय का प्रकार:** कैपिटल (वर्क्स)। **आईपीएएस एकाउंटिंग यूनिट:** 0202-पूर्व-रेलवे-एचडब्ल्यूएच-पूर्व रेलवे। (HWH-539/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

स्टोर्स ई-प्रॉक्योरमेन्ट

निविदा सूचना संख्या: S/66/018/24-25, दिनांक: 07-01-2025. निम्नवर्णित कार्य हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.:1; निविदा संख्या: NJ245127;
बंद होने/खोलने की तिथि: 28-01-2025.

संक्षिप्त विवरण: ईएमडी पार्ट संख्या 22109359 के अनुसार ईंधन पंप मोटर असेंबली के लिए ग्रीन टेक पार्ट संख्या 8924567 के अनुसार ग्रीन टेक द्वारा निर्मित इन्वर्टर के लिए मॉड्यूलर किट की आपूर्ति और स्थापना।
कॉन्साइनी:- एसएसई/डी/न्यू जलपाईगुड़ी, एनएफआर। **मात्रा :** 100 संख्या।
टिप्पणी: निविदा सूचना और निविदा दस्तावेजों के पूर्ण विवरण के लिए, निविदाकर्ता वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर लॉग ऑन कर सकते हैं। संभावित बोलीकर्ता जो उपरोक्त निविदाओं में भाग लेने का इरादा रखते हैं, उन्हें उपरोक्त वेबसाइट पर स्वयं लॉग इन करना होगा और इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा, यदि वे पहले से ही **आईआरईपीएस** के तहत पंजीकृत हैं। यदि वे **आईआरईपीएस** के साथ पंजीकृत नहीं है, तो उन्हें सलाह दी जाती है कि वे भारत सरकार के आईटी अधिनियम 2000 के अधीन प्रमाणन एजेंसियों से श्रेणी-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त करें और निविदाओं में भाग लें।

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, न्यू जलपाईगुड़ी

पूर्वोत्तर सीमा रेल
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना सं. सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/ईएमयू/2024, दिनांक 08.01.2025; वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, तीसरी मंजिल, न्यू कॉम्पलेक्स बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा की सुपुर्दगी के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। नीलामी सूचीपत्र **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। **सूचीपत्र सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-3; सिक्वेंस नं.; लॉट नं. एवं विवरण** क्रमशः निम्नलिखित हैं: **एए/1; एडीवीटी-आईएनटीईएक्टी-एस1-ईएमयूआर30-24-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर),** हावड़ा मंडल में चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेक की सम्पूर्ण साइड वॉलों की बाहरी सतह पर (खिड़कियों तथा अनिवार्य साइनेज छोड़कर) तथा कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों पर विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्रैफिक फिल्मों) के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की सुपुर्दगी। **एए/2; एडीवीटी-आईएनटीईएक्टी-एस1-ईएमयूआर31-24-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर),** हावड़ा मंडल में चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेक की सम्पूर्ण साइड वॉलों की बाहरी सतह पर (खिड़कियों तथा अनिवार्य साइनेज छोड़कर) तथा कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों पर विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्रैफिक फिल्मों) के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की सुपुर्दगी। **एए/3; एडीवीटी-आईएनटीईएक्टी-एस1-ईएमयूआर32-24-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर),** हावड़ा मंडल में चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेक की सम्पूर्ण साइड वॉलों की बाहरी सतह पर (खिड़कियों तथा अनिवार्य साइनेज छोड़कर) तथा कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों पर विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्रैफिक फिल्मों) के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की सुपुर्दगी। **एए/4; एडीवीटी-आईएनटीईएक्टी-एस1-ईएमयूआर33-24-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर),** हावड़ा मंडल में चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेक की सम्पूर्ण साइड वॉलों की बाहरी सतह पर (खिड़कियों तथा अनिवार्य साइनेज छोड़कर) तथा कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों पर विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्रैफिक फिल्मों) के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की सुपुर्दगी। **एए/5; एडीवीटी-आईएनटीईएक्टी-एस1-ईएमयूआर34-24-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर),** हावड़ा मंडल में चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेक की सम्पूर्ण साइड वॉलों की बाहरी सतह पर (खिड़कियों तथा अनिवार्य साइनेज छोड़कर) तथा कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों पर विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्रैफिक फिल्मों) के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की सुपुर्दगी। **नीलामी आरम्भ होने की तारीख एवं समय:** 23.01.2025 को दोपहर 12.00 बजे। (HWH-538/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हावड़ा मंडल के तहत रखरखाव कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

हावड़ा मंडल के तहत विभिन्न अनुभागों में ट्रैक एवं ओवरहेड उपकरणों के रखरखाव कार्य के लिए **दिनांक 12.01.2025 (रविवार)** को **ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉकों** की आवश्यकता होगी। फलस्वरूप, नीचे उल्लेखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगी:
•**दिनांक 12.01.2025 को निरसन: तारकेश्वर से** - 37334, **हावड़ा से** - 37323.
•**दिनांक 12.01.2025 को पुनर्निर्धारण: (1) बैण्डेल से - 37749 बैण्डेल-कटवा लोकल** दोपहर 12.15 बजे के स्थान पर पुनर्निर्धारित समय **दोपहर 12.45 बजे** रवाना होगी। **(2) गोघाट से - 37374 गोघाट-हावड़ा लोकल** अपराह्न 1.10 बजे के स्थान पर पुनर्निर्धारित समय **अपराह्न 1.20 बजे** रवाना होगी। **(3) कटवा से - 53011 कटवा-आजिमगंज पैसेंजर** अपराह्न 1.55 बजे के स्थान पर पुनर्निर्धारित समय **अपराह्न 2.35 बजे** रवाना होगी। **विशेष टिप्पणी:** ब्लॉक की अवधि के दौरान स्पेशल अथवा विलम्ब से चलने वाली ट्रेनें एवं बाद में चलाई जाने वाली नई ट्रेन/पार्सल ट्रेन/टीओडी, यदि कोई हो, मार्ग में आवश्यकतानुसार परिवर्तित मार्ग पर चलाई जाएंगी/नियंत्रित की जाएंगी। यात्रियों से स्टेशनों की सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली का अनुसरण करने का अनुरोध किया जाता है। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

उत्तर रेलवे के तहत पुनर्विकास कार्य हेतु ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

जम्मू स्टेशन के पुनर्विकास के संबंध में, जम्मू तवी यार्ड में **दिनांक 15.01.2025 से 20.02.2025 (37 दिन) तक** प्री नॉन-इंटरलॉकिंग और **दिनांक 21.02.2025 से 06.03.2025 (14 दिन) तक** नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य का निष्पादन किया जाएगा। इसके फलस्वरूप, निम्नलिखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगी:
● **रद्द: 22317 अप सियालदह-जम्मू तवी हमसफर एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 24.02.2025 और 03.03.2025), **22318 डाउन जम्मू तवी-सियालदह हमसफर एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 26.02.2025 और 05.03.2025), **13151 अप कोलकाता-जम्मू तवी एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 01.03.2025 से 04.03.2025), **13152 डाउन जम्मू तवी-कोलकाता एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 03.03.2025 से 06.03.2025), **12331 अप हावड़ा-जम्मू तवी हिमगिरी एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 01.03.2025 और 04.03.2025), **12332 डाउन जम्मू तवी-हावड़ा हिमगिरी एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 03.03.2025 और 06.03.2025)। ● **संक्षिप्त यात्रा समाप्त: 12331 हावड़ा-जम्मू तवी हिमगिरी एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 14.01, 17.01, 18.01, 21.01, 24.01, 25.01, 28.01, 31.01.2025, 01.02, 04.02, 07.02, 08.02, 11.02, 14.02, 15.02, 18.02, 21.02, 22.02, 25.02 और 28.02.2025) एवं **15097 भागलपुर-जम्मू तवी अमरनाथ एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 16.01, 23.01, 30.01.2025, 06.02, 13.02, 20.02 और 27.02.2025) विजयपुर जम्मू स्टेशन पर संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेंगी। असुविधा के लिए खेद है।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

चक्र रेलवे की कुछ ट्रेनें संक्षिप्त यात्रा समाप्त/संक्षिप्त यात्रा शुरू करेंगी/परिवर्तित मार्ग पर चलेंगी/निरस्त रहेंगी

गंगासागर मेला के भारी संख्या में तीर्थयात्रियों, जो चक्र रेलवे के किनारे गंगा नदी के विभिन्न घाटों में पुण्य स्नान करेंगे, की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए **दिनांक 14.01.2025** को चक्र रेलवे ट्रेनों की आवाजाही निम्नानुसार नियंत्रित की जाएगी: - • **कोलकाता में संक्षिप्त यात्रा समाप्त:** (i) 30322 हासनाबाद-बीबीडी बाग लोकल टाला होकर (टाला में सुबह 07.41 बजे), (ii) 30128 कल्याणी सीमांत-माझेरहाट लोकल टाला होकर (टाला में सुबह 09.48 बजे), (iii) 30324 हासनाबाद-माझेरहाट लोकल टाला होकर (टाला में सुबह 10.45 बजे), (iv) 30346 बनगाँव जंक्शन-माझेरहाट लोकल टाला होकर (टाला में पूर्वाह्न 11.51 बजे)। • **कोलकाता से संक्षिप्त यात्रा शुरू:** (i) 30145 बीबीडी बाग-कृष्णनगर सिटी जंक्शन लोकल टाला होकर (टाला में सुबह 08.30), (ii) 30121 माझेरहाट-नैहाटी लोकल टाला होकर (टाला में पूर्वाह्न 11.41 बजे), (iii) 30333 माझेरहाट-हाबरा लोकल टाला होकर (टाला में दोपहर 12.32 बजे), (iv) 30311 माझेरहाट-बारासात लोकल टाला होकर (टाला में अपराह्न 01.36 बजे)। • **बारासात में संक्षिप्त यात्रा समाप्त** : 30344 बनगाँव जंक्शन-माझेरहाट लोकल टाला होकर (बारासात में सुबह 08.35 बजे)। • **परिवर्तित मार्ग कांकुरगाछी रोड-बालीगंज जंक्शन होकर माझेरहाट तक चलेगी:** 30142 गेदे-माझेरहाट लोकल टाला होकर [सुबह 08.45 बजे (लगभग)]। • **माझेरहाट से अपने निर्धारित मार्ग होकर चलेगी** : 30357 माझेरहाट-मध्यमग्राम लोकल (माझेरहाट से सुबह 09.00 बजे)। • **बालीगंज में संक्षिप्त यात्रा समाप्त** : 30511 चम्पाहाटी-माझेरहाट लोकल बालीगंज जंक्शन होकर (बालीगंज जंक्शन में सुबह 08.46 बजे)। • **बालीगंज जंक्शन से संक्षिप्त यात्रा शुरू एवं बालीगंज जंक्शन-कांकुरगाछी रोड होकर चलेगी:** 30321 माझेरहाट-हासनाबाद लोकल टाला होकर (बालीगंज जंक्शन से सुबह 09.55 बजे)। • **मार्ग परिवर्तन एवं बालीगंज जंक्शन में संक्षिप्त यात्रा समाप्त:** 30342 बनगाँव जंक्शन-माझेरहाट लोकल टाला होकर (बालीगंज जंक्शन में सुबह 08.50 बजे)। • **बालीगंज जंक्शन से संक्षिप्त यात्रा शुरू:** 30712 माझेरहाट-लक्ष्मीकांतपुर लोकल बालीगंज जंक्शन होकर (बालीगंज जंक्शन से सुबह 10.12 बजे)। • **माझेरहाट तक निर्धारित मार्ग होकर चलेगी:** 30358 मध्यमग्राम-माझेरहाट लोकल बालीगंज जंक्शन-कांकुरगाछी रोड होकर (माझेरहाट में पूर्वाह्न 11.47 बजे)। • **हासनाबाद तक निर्धारित मार्ग होकर चलेगी:** 30361 माझेरहाट-हासनाबाद लोकल बालीगंज जंक्शन-कांकुरगाछी रोड होकर (माझेरहाट से दोपहर 12.38 बजे)। • **ट्रेन सेवाओं का निरसन** : (i) 30412 सियालदह-बीबीडी बाग लोकल माझेरहाट होकर (सियालदह से सुबह 09.04 बजे), (ii) 31223 सियालदह-बैरकपुर लोकल (सियालदह से सुबह 08.38 बजे), (iii) 30113 बीबीडी बाग-बैरकपुर लोकल टाला होकर (बीबीडी बाग से सुबह 10.38 बजे), (iv) 30411 (बीबीडी बाग-सियालदह लोकल माझेरहाट होकर (बीबीडी बाग से सुबह 10.52 बजे), (v) 30351 माझेरहाट-बारासात लोकल टाला होकर (माझेरहाट से सुबह 10.20 बजे), (vi) 30116 बैरकपुर-बीबीडी बाग लोकल टाला होकर (बैरकपुर से सुबह 09.34 बजे), (vii) 31242 बैरकपुर-सियालदह लोकर (बैरकपुर से दोपहर 12.10 बजे)। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कारखाना बनाने के लिए सौरव गांगुली को एक रुपये में दी गई जमीन पर हाईकोर्ट ने उठाया सवाल

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार द्वारा सौरव गांगुली को 1 रुपये में जमीन लीज देने के मामले में उच्च न्यायालय में सवाल उठाए गए हैं। यह जमीन इस्पात कारखाना बनाने के लिए दी गई थी, और इसी को लेकर विवाद पैदा हुआ था। प्रचलित मामले में यह सवाल उठ रहा था कि प्रयाग फिल्म सिटी की जमीन, जिसे पहले ज़ब्त किया गया था, कैसे सौरव को केवल 1 रुपये में दी गई? कोलकाता हाईकोर्ट में इस संबंध में मामला सुनवाई के लिए आया। गुरुवार को जस्टिस जयमल्य बागची की डिवीजन बेंच ने इस पर टिप्पणी की कि राज्य सरकार और प्रयाग समूह के बीच की संधि में हाई कोर्ट हस्तक्षेप नहीं करेगा। हालांकि, कोर्ट ने पश्चिम मिदनापुर के चंद्रकोना में स्थित जमीन की पूरी मूल्यांकन प्रक्रिया करवाने का आदेश दिया है। इस मूल्यांकन कार्य में राज्य को पूरी सहायता प्रदान करने का निर्देश भी दिया गया है। मामले की सुनवाई के दौरान यह कहा गया कि सौरव गांगुली और राज्य सरकार के बीच हुए जमीन के सौदे में अब कुछ अनिश्चितताएं उत्पन्न हो रही हैं। गौरतलब है कि पश्चिम मेदिनीपुर के चंद्रकोना में प्रयाग ग्रुप को फिल्म सिटी बनाने के लिए 750 एकड़ जमीन दी गई थी, लेकिन बाद में चिटफंड घोटाले में इसके नाम जुड़ने के बाद सभी संपत्तियां जब्त कर ली गई थी। आरोप है कि उसी जमीन का कुछ हिस्सा सौरव को कारखाना बनाने के लिए दे दिया गया। इस मामले में अब हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है।

थाने के सीसीटीवी फुटेज संरक्षित करने का निर्देश

पुलिस की भूमिका पर हाई कोर्ट ने उठाया सवाल

कोलकाता, समाज्ञा : मालदह जिले में कांग्रेस पंचायत सदस्य हबीबा खातून के देवर शरीकुल हक के साथ हिरासत में कथित मारपीट के मामले में कोलकाता हाई कोर्ट ने पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) को निर्देश दिया है कि वह थाने के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखें और 10 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें। न्यायालय ने सवाल किया कि बिना किसी आरोप के शरीकुल हक को हिरासत में क्यों लिया गया और इस मामले में अब तक पुलिस की भूमिका उदासीन क्यों रही। कांग्रेस सदस्य हबीबा खातून ने आरोप लगाया है कि उनके खिलाफ झूठा मामला दर्ज कर उनके देवर को पुलिस ने जबरदस्ती हिरासत में लिया और बुरी तरह से प्रताड़ित किया। इस प्रताड़ना के कारण शरीकुल हक को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। हबीबा का दावा है कि यह कार्रवाई पूरी तरह से राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है। इस घटना के बाद हबीबा खातून ने कोलकाता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय ने पुलिस से इस मामले में निष्क्रियता और हिरासत में अत्याचार के आरोपों को लेकर जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति सेनगुप्ता ने पुलिस अधीक्षक को 10 दिनों के अंदर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है और इस मामले की अगली सुनवाई जल्द होने की संभावना है।

पुरुलिया में नदी में उतराता मिला लापता महिला का शव

पुरुलिया : पुरुलिया जिले के मानबाजार दो नंबर ब्लॉक के अंतर्गत बोरो थाना इलाके में टोटको नदी से गुरुवार की दोपहर एक महिला का शव बरामद किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने सबसे पहले नदी में एक शव तैरता हुआ देखा। इसके बाद, पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर जाकर शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृत महिला की पहचान सुंदरी टुडू के रूप में हुई है। वह बोरो थाना अंतर्गत सिमटुनी स्थित धबकाटा गांव की निवासी थी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुंदरी पिछले तीन-चार दिनों से लापता थी। पुलिस स्थानीय निवासियों के अलावा मृत महिला के परिजनों से भी पूछताछ कर रही है। जांचकर्ताओं का मानना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से महिला की मौत के वास्तविक कारण का पता चलेगा।

पति-पत्नी के विवाद में संतान को हथियार बनाना गलत, हाई कोर्ट का विवाह विच्छेद मामले में संदेश

कोलकाता, समाज्ञा

पति-पत्नी के पारिवारिक विवाद में संतान को हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कोलकाता हाई कोर्ट ने एक मामले में पत्नी को स्पष्ट चेतावनी देते हुए यह बात कही। गुरुवार को इस संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सब्यसाची भट्टाचार्य और जस्टिस शुभेंदु सामंत की डिवीजन बेंच ने कहा कि यदि पत्नी इस तरीके से संतान का उपयोग करते हुए स्वामी के खिलाफ चल रहे मामले का फायदा उठाना चाहती हैं, तो कोर्ट इसे स्वीकार नहीं करेगा। कोर्ट का कहना था कि संतान के पूर्ण विकास में पिता-मां दोनों की भूमिका होती है।

गौरतलब है कि घरेलू हिंसा के आरोप में पति-पत्नी एक छत के नीचे नहीं रह रहे हैं, जिसका असर संतान पर पड़ता है। वर्तमान समय में बढ़ते हुए तलाक के मामलों में सबसे अधिक नुकसान बच्चों को उठाना पड़ता है। इस दिन एक ऐसे ही मामले की सुनवाई हो रही थी। मामले में पत्नी का कहना था कि पिता के डर से संतान को उसके पास नहीं भेजा था, लेकिन अब वह उसे लेकर अपने पति के पास जाना चाहती हैं। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब पत्नी ने विवाह विच्छेद का मामला दायर किया है, तो वह संतान को सामने रखकर स्वामी के पास जाने का विचार नहीं कर सकतीं। यदि पत्नी संतान को इस्तेमाल कर नया नाटक करना चाहती हैं, तो कोर्ट उसे भी स्वीकार नहीं करेगा। इस मामले में पहले कोर्ट का आदेश था कि संतान मां के पास रहेगी, लेकिन पिता को निर्धारित समय पर उससे मिलने का अधिकार होगा। हालांकि, शिकायत थी कि पत्नी ने इस आदेश के बावजूद पिता को संतान से मिलने नहीं दिया। डिवीजन बेंच ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि पत्नी सचेत नहीं होती है, तो संतान का पालन-पोषण स्वामी के हाथों में सौंप दिया जाएगा।

मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में एक्सपायर्ड सलाइन देने से प्रसूता की मौत, चार की हालत गंभीर

❑ **मामले की जांच के लिए मेदिनीपुर अस्पताल ने 10 सदस्यीय टीम का किया गठन**

❑ **स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम आज मेदिनीपुर अस्पताल का करेगी दौरा**

मेदिनीपुर : मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार की सुबह एक प्रसूता की मौत हो गई, जबकि चार महिलाओं की हालत गंभीर है। आरोप है कि मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज के प्रसूति विभाग में संतान को जन्म देने के बाद एक के बाद एक माताएं बीमार पड़ रही हैं। मृत प्रसूता के परिवार के लोगों का आरोप है कि बच्चे के जन्म के बाद मां की शारीरिक स्थिति बिगड़ने लगी। पेशाब के साथ ही रक्तस्राव शुरू हो गया।

रिश्तेदारों के अनुसार स्लाइन में कोई समस्या थी। अन्य लोगों का कहना है कि एक्सपायर हो चुकी स्लाइन दी गई। इसलिए महिला की शारीरिक स्थिति बिगड़ने लगी। हालांकि इस मामले पर अस्पताल के अधिकारियों ने चुप्पी साधी हुई है। गर्भवती महिला के रिश्तेदारों ने बताया कि बच्चा स्वस्थ है लेकिन मां का रक्तस्राव नहीं रुक रहा था। परिजनों की शिकायत है कि सरकारी मेडिकल कॉलेज होने के बावजूद मरीजों से पैसे वसूले जा रहे हैं। परिवार के एक सदस्य ने दावा किया कि जूनियर डॉक्टरों ने महिला का ऑपरेशन किया था और कोई वरिष्ठ डॉक्टर ऑपरेशन के दौरान मौजूद नहीं था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार गंभीर रूप से बीमार प्रसूताओं के इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद प्रसूता के मौत के सटीक कारणों का पता चलेगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कर्नाटक में भी स्लाईन में समस्या के कारण एक प्रसूता की मौत हुई थी।

आदेश पर अमल नहीं होने पर हाईकोर्ट ने शिक्षा आयुक्त के खिलाफ जारी किया रूल

❑ **आदेश के बावजूद 10 माह में नियुक्ति नहीं होने पर 22 जनवरी को शिक्षा आयुक्त को कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश**

कोलकाता, समाज्ञा : प्राथमिक शिक्षक भर्ती मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस राजा शेखर मंथा ने स्कूल शिक्षा आयुक्त के खिलाफ अवमानना का रूल जारी किया है। पिछले साल 25 अप्रैल को जस्टिस राजा शेखर मंथा ने 2009 की भर्ती प्रक्रिया में कुल 878 लोगों की नियुक्ति का आदेश दिया था, लेकिन उस आदेश का अब तक पालन नहीं होने पर न्यायमूर्ति ने रूल जारी कर स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया है। उन्हें 22 जनवरी को जज के समक्ष उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। वकीलों के एक वर्ग को लगा कि राज्य सरकार को शिक्षकों की नियुक्ति में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है। एक साल बीत जाने के बाद भी कोर्ट के आदेश के बावजूद 878 में से किसी की नियुक्ति क्यों नहीं हुई? शुक्रवार की सुनवाई में जज क्षुब्ध थे। 25 अप्रैल 2024 को जस्टिस राजशेखर मंथा ने वाममोर्चा के शासनकाल की नियुक्ति प्रक्रिया में जिन्हें नौकरी नहीं मिली थी ऐसे 878 अभ्यर्थियों को प्राथमिक शिक्षक की नौकरी देने का आदेश दिया था। साथ ही नियुक्ति अगले दो महीने के भीतर पूरी करहने को कहा था। परंतु, आज तक नियुक्ति नहीं हुई है। 2009 की प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया 2010 में शुरू हुई थी। 2011 में राज्य में सरकार बदल गई थी। तृणमूल सत्ता में आ गई। नई ममता सरकार ने वामपंथी सरकार की भर्ती प्रक्रिया रद कर दी। अगली परीक्षा 2015 में हुई, लेकिन 2009 के परीक्षार्थियों ने कोर्ट में केस दायर कर दिया। हाई कोर्ट ने उस भर्ती पैनल को 2022 में प्रकाशित करने का आदेश दिया था। आवेदकों की गणना के अनुसार, उत्तर 24 परगना जिले में कुल 878 रिक्तियां थीं। जस्टिस मंथा ने उस पद पर नियुक्ति का आदेश दिया था।

प्राथमिक शिक्षा में बंगाल ने देश में लहराया परचम

❑ **छात्र शून्य स्कूलों के मामले में बंगाल देश में अव्वल**

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले के आरोपों के बाद से शिक्षा व्यवस्था को लेकर काफी नकारात्मक चर्चा होती रही है। वहीं, कई सरकारी स्कूलों में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया कई दिनों से रुकी हुई है। परिणामस्वरूप, राज्य का शैक्षिक बुनियादी ढांचा व्यावहारिक रूप से ध्वस्त हो गया है। लेकिन, इसके बाद भी पश्चिम बंगाल ने शिक्षा व्यवस्था के मामले में देश भर के कई राज्यों को पीछे छोड़ते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। परिणामस्वरूप, बंगाल का चेहरा उक्त मामले पर राष्ट्रीय स्तर पर सामने आया है। केंद्र द्वारा हाल ही में जारी एक रिपोर्ट से पता चलता है कि राज्य ने प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों के मामले में एक सकरात्मक रिकॉर्ड स्थापित किया है। केंद्रीय रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि पश्चिम बंगाल में सरकारी और सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्कूल छोड़ने वालों की संख्या बिल्कुल शून्य है। इस मामले में बंगाल ने देश के अन्य राज्यों को पीछे छोड़ते हुए एक मील का पत्थर हासिल कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिक स्तर पर औसत ड्रॉपआउट दर 1.9 प्रतिशत है, जबकि उच्च प्राथमिक स्तर पर ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है। यह सर्वविदित है कि राज्य में पहली से पांचवीं कक्षा तक तथा छठी से आठवीं कक्षा तक एक भी विद्यार्थी ने स्कूल नहीं छोड़ा है। केंद्र द्वारा हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या के मामले में राज्य द्वारा कई राज्यों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल करना, राज्य में कई सरकारी परियोजनाओं के लाभों की चर्चा का परिणाम है। पश्चिम बंगाल राज्य सरकार ने बंगाली छात्रों की शिक्षा को सुविधाजनक बनाने के लिए कन्याश्री से लेकर सबुज साथी तक विभिन्न सरकारी योजनाएं शुरू की हैं। इसलिए प्राथमिक स्तर पर स्कूल छोड़ने वाले बच्चों के मामले में ऐसा रिकॉर्ड कायम करना राज्य सरकार की परियोजना का लाभ माना जा रहा है। केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में माध्यमिक से उच्चतर माध्यमिक स्तर तक स्कूल छोड़ने वालों की दर 17 प्रतिशत है। जानकारी की माने तो कुल पांच संकेतों के आधार पर राज्यों का मूल्यांकन किया जाता है। इनमें शैक्षिक प्रबंधन, सीखने की सुविधाओं तक पहुंच, छात्र स्वास्थ्य, समग्र प्रबंधन और सीखने के परिणामों की गुणवत्ता शामिल है और इस मामले में बंगाल बेहतर है।

हावड़ा डिवीजन ने रनिंग स्टाफ के लिए परिवार सुरक्षा सेमिनार किया आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा डिवीजन के ट्रैक्शन रोलिंग ऑपरेशन ने अपने रनिंग स्टाफ और उनके परिवारों के लिए परिवार सुरक्षा सेमिनार आयोजित किया। इस सेमिनार में कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, ध्यान, तनाव प्रबंधन और कार्य-जीवन संतुलन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम में हावड़ा डिवीजन के डीआरएम, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, अतिरिक्त डिवीजनल रेलवे प्रबंधक (ऑपरेशंस), सहायक चिकित्सा अधीक्षक और मानसिक चिकित्सक सहित आहार विशेषज्ञ ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस सेमिनार में 29 परिवारों और 101 कर्मचारियों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया, जबकि लगभग 50 कर्मचारियों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में ब्रह्मकुमारी के सदस्य द्वारा ध्यान और तनाव प्रबंधन पर चर्चा की गई, जहां कर्मचारियों को मानसिक शांति और तनाव मुक्त रहने के उपाय बताए गए। मानसिक स्वास्थ्य पर भी चर्चा की गई, जिसमें नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार और तनाव से निपटने के उपायों की सलाह दी गई। वहीं, आहार विशेषज्ञ ने पोषण की महत्ता पर जोर दिया और कर्मचारियों को ताजे, घर के बने भोजन और शिफ्टों के दौरान सूखे मेवे खाने की सलाह दी। इसके अलावा, सीपीआर के जीवन-रक्षक उपायों पर भी सत्र आयोजित किया गया। डीआरएम ने रनिंग स्टाफ के योगदान को सराहा और परिवारों से कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को सहायक बनने की अपील की। इस सेमिनार ने कार्य-जीवन संतुलन और मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को उजागर किया।

हेड टीचर पैनल में बेनियम, प्राथमिक शिक्षा परिषद अदालत के सवालों के घेरे में

कोलकाता,समाज्ञा

हेड टीचर की नियुक्ति पैनल में बेनियम के आरोपों के बाद जिला प्राथमिक शिक्षा परिषद अदालत के सवालों के घेरे में आ गई है। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस विश्वजीत बसु ने गंभीर सवाल उठाए, आपका पैनल क्यों रद्द नहीं किया जाएगा? इस पर परिषद को 21 जनवरी तक अदालत में दस्तावेज सहित रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया गया है। अदालत सूत्रों के अनुसार, मामले में आवेदनकर्ता 2003 में पूर्व मेदिनीपुर के एक स्कूल में शिक्षिका के तौर पर नियुक्त हुई थीं और 2007 में उनका ट्रांसफर कोलकाता हो गया था। हाल ही में हेड टीचर की नियुक्ति के लिए एक पैनल तैयार किया गया था, जिसमें उनके अनुभव को 2007 से ही शामिल किया गया। इस पैनल के खिलाफ वह कोलकाता हाई कोर्ट में गईं। उनका कहना था कि उनका अनुभव 2003 से है, लेकिन पैनल में यह अनुभव 2007 से गिना जा रहा है।

अदालत ने टिप्पणी की, यदि किसी व्यक्ति के नियुक्ति के समय से ही उसका अनुभव नहीं माना जाता तो उसका इंक्रीमेंट और अन्य लाभ रद्द हो जाता है, क्या ऐसा संभव है? इस पर सरकारी वकील ने बताया कि डिपीएससी के अपने नियमों के तहत पैनल तैयार किया गया था। हालांकि, आवेदनकर्ता के वकील ने इसे गलत करार दिया और न्यायमूर्ति ने रिपोर्ट तलब कर ली।

पूर्व रेलवे ने सुरक्षा में वृद्धि के लिए एडवांस वीडियो सर्विलांस सिस्टम किए स्थापित

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने भारतीय रेलवे के नेटवर्क में सुरक्षा को मजबूत करने के मिशन के तहत अत्याधुनिक वीडियो सर्विलांस सिस्टम (वीएसएस) परियोजना को लागू किया है। इस पहल में सीसीटीवी कैमरे, वीडियो एनालिटिक्स, फेसियल रिकग्निशन सिस्टम और डेटा मॉनिटरिंग टूल्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है, जो यात्रियों, कर्मचारियों और रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। यह परियोजना हावड़ा डिवीजन (142 स्टेशन), सियालदह डिवीजन (142 स्टेशन), आसनसोल डिवीजन (53 स्टेशन) और मालदह डिवीजन (55 स्टेशन) के विभिन्न स्टेशनों को कवर करती है। वीएसएस का कार्य दो चरणों में बांटा गया है। पहले चरण में 231 स्टेशन और दूसरे चरण में 161 स्टेशन शामिल हैं। इन 392 स्टेशनों की निगरानी के लिए 30 सर्वर रूम (हावड़ा में 10, सियालदह में 11, आसनसोल में 4, मालदह में 5) स्थापित किए गए हैं। अब तक, 3764 सीसीटीवी कैमरे, 540 एफआरएस और 570 पैनिक बटन के साथ वीडियो विश्लेषण सुविधाएं 143 स्टेशनों पर पूरी तरह से कार्यात्मक हैं।

इस सिस्टम में सीसीटीवी कैमरे यात्रियों के प्लेटफार्म, प्रवेश-द्वार, टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय, पार्किंग क्षेत्र, और संवेदनशील स्थानों पर लगाए गए हैं। कैमरों द्वारा प्राप्त वीडियो फीड्स को रीयल-टाइम में रेलवे सुरक्षा कर्मी मॉनिटर करते हैं, जिससे संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल प्रतिक्रिया संभव हो पाती है। इसके अलावा, कैमरे द्वारा कैप्चर की गई फुटेज को विशिष्ट अवधि तक रिकॉर्ड और स्टोर किया जाता है, जिससे पोस्ट-इंसीडेंट विश्लेषण और आपराधिक जांच में मदद मिलती है।

नारायणा स्कूल का तीसरा वार्षिक उत्सव धूमधाम से संपन्न

हावड़ा : आंदुल स्थित नारायणा स्कूल का तीसरा वार्षिक उत्सव (क्रिसलिस) शरत सदन हॉल में धूमधाम से संपन्न हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्रधानाचार्य संदीपन चक्रवर्ती, उप- प्रधानाचार्य पूर्वाणी बोस और सहायक प्रबंधक अविनाश प्रताप सिंह ने दीप जलाकर कर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ पवन अग्रवाल, डॉ आनंद पांडे, डॉ ऋषिकेष राय, संजय सिंह सहित अन्य उपस्थित थे। इस वार्षिक उत्सव में प्री नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी प्रतिभा की सुंदर प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने नारी सशक्तिकरण पर एक नाटक का मंचन किया। इस कार्यक्रम में वर्ष 2023-2024 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

बोलपुर स्टेशन पर रेलवे लाभार्थियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : बोलपुर स्टेशन पर रेलवे लाभार्थियों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसका मार्गदर्शन हावड़ा के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देबाशीष गुहा द्वारा किया गया। यह पहल रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से थी, जिसमें जोशपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। इस मौके पर पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. अनिरुद्ध कीर्तानिया भी उपस्थित रहे। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने बोलपुर स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया, जिसमें यात्री सुविधाओं, स्वच्छता स्थिति और लॉक-अप डिस्पेंसरी का मूल्यांकन किया। उनके निरीक्षण और सुधार के लिए दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव यात्री और रेलवे लाभार्थियों के लिए बेहतर सेवाओं को सुनिश्चित करने में सहायक रहे।

इस शिविर में पूर्व रेलवे के एक सम्मानित चिकित्सा टीम ने भाग लिया। हावड़ा और वर्दवान से आए चिकित्सा विशेषज्ञों ने शिविर में व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की। इस दौरान कुल 70 रेलवे लाभार्थियों ने डॉक्टरों से परामर्श लिया और स्वास्थ्य मूल्यांकन कराया। शिविर के दौरान एक बैनर भी प्रदर्शित किया गया, जिससे टीबी के उन्मूलन के बारे में जागरूकता फैलाई गई। यह स्वास्थ्य शिविर पूर्व रेलवे की अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों की भलाई के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सीडब्ल्यूबीटीए : व्यापार और समाज सेवा में उत्कृष्टता को पहचानने वाला मंच

प्रकाश पारख

योगेश गुप्ता

मोहन बाजोरिया

डॉ जीएस गोयल

कोलकाता, समाज्ञा : कॉन्फेडरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ट्रेड एसोसिएशन (सीडब्ल्यूबीटीए) द्वारा बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस अवॉर्ड का उद्देश्य व्यापार और उद्योग में नवाचार, गुणवत्ता और समर्पण को प्रोत्साहित करना है। यह अवॉर्ड उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है और अपने कार्य से समाज और देश को नई दिशा दी है। सीडब्ल्यूबीटीए ने इस आयोजन के माध्यम से व्यापारिक और सामाजिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

❑ **सीडब्ल्यूबीटीए के चीफ पेट्रोन एंड एडवाइजर विष्णु कुमार भंडारी**

इस प्रेस्टिजियस अवॉर्ड के बारे में बताते हुए विष्णु कुमार भंडारी कहते हैं, सीडब्ल्यूबीटीए का बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड उन लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने ट्रेड को बढ़ाने और असाधारण कार्य करने में उत्कृष्टता दिखाई है। यह अवॉर्ड उन्हें उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित करता है, ताकि वे अपने कार्य को और ऊंचाई पर ले जाएं और समाज की बेहतरी के लिए योगदान दें। विजेताओं का चयन एक ज्यूरी कमेटी द्वारा किया जाता है, जिसमें संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होते हैं। जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सही लोगों को उनकी मेहनत और योगदान के लिए मान्यता मिले।

उन्होंने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा, सभी ने अपने-अपने क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया है। मेरी शुभकामनाएं हैं कि वे इसी तरह उत्कृष्ट कार्य करते रहें और देश व समाज की प्रगति में अपना योगदान देते रहें।

सीडब्ल्यूबीटीए के बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्तकर्ता

❑ **प्रकाश पारख**

प्रकाश पारख को उनके सामाजिक कार्यों के लिए प्रतिष्ठित सीडब्ल्यूटीए अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके द्वारा प्रकाश पारख चैरिटेबल ट्रस्ट के अंतर्गत किए गए कार्यों की सराहना स्वरूप प्रदान किया गया। अवॉर्ड प्राप्त करने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा, सीडब्ल्यूटीए एक प्रेस्टिजियस संस्था है। उनसे यह सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए गर्व का विषय है। इससे मेरा मनोबल बढ़ा है और मैं इस प्रकार के कार्यों को निरंतर जारी रखूंगा।

❑ **योगेश गुप्ता**

योगेश गुप्ता को ईस्टर्न इंडिया से बेस्ट लीडिंग एक्सपोर्टर का अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा, इस प्रकार के सम्मान हमें और अधिक कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं सीडब्ल्यूबीटीए का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझे इस अवॉर्ड से नवाजा। यह मेरे लिए गर्व की बात है। ऐसे कार्यक्रम न केवल प्रोत्साहन देते हैं, बल्कि हमें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित भी करते हैं। योगेश गुप्ता की इस उपलब्धि को समाज और व्यापार जगत में सराहा गया।

❑ **मोहन बाजोरिया**

मोहन बजोरिया को प्रेसिडेंट चॉइस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं वेस्ट बंगाल कॉन्फेडरेशन का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे पहचाना और विशेष रूप से श्री सुशील पोद्दार को धन्यवाद देता हूं। यह सम्मान पाकर मैं बेहद खुश हूं। उनकी कंपनी, भजन लाल प्राइवेट लिमिटेड, हर प्रकार के मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जैसे लैपटॉप, हेडफोन, प्लेस्टेशन आदि की डील करती है। यह कंपनी सेल और आफ्टर सेल सर्विस में भी सक्रिय है और कोलकाता में इसकी 25 शाखाएं हैं। उन्होंने कहा कि बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड से लोगों को प्रेरणा मिलती है, जिससे वे अपने कार्य को और ऊंचाई तक ले जाने के लिए प्रेरित होते हैं।

❑ **डॉ जीएस गोयल**

डॉ जीएस गोयल को सीडब्ल्यूबीटीए द्वारा लीडिंग डायबेटोलॉजिस्ट ऑफ ईस्टर्न इंडिया का अवॉर्ड प्रदान किया गया। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, हम हर महीने डायबिटीज से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हैं ताकि मरीजों तक सही जानकारी पहुंचे और उन्हें बेहतर जीवन जीने में मदद मिले। डॉ गोयल ने सुशील पोद्दार और सीडब्ल्यूबीटीए की पूरी टीम का धन्यवाद देते हुए कहा, सीडब्ल्यूबीटीए केवल बिजनेस में ही नहीं, बल्कि सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। कोविड के समय संस्था का योगदान सराहनीय रहा। मैं संस्था को उनके बेहतरीन कार्यों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

गंगासागर तीर्थ यात्रियों की सेवा को अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज ने भेजी 2 ट्रक सामग्रियां

❑ **100 कार्यकर्ताओं का जत्था हुआ रवाना**

कोलकाता : अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज ने विगत वर्षों की भांति इस साल भी गंगासागर तीर्थयात्रियों की सेवा के लिए पूरी तैयारी की है। इसके तहत सागरद्वीप के 4 नंबर रोड पर (फायर ब्रिगेड के निकट) शिविर लगाया है। यहां तीर्थयात्रियों के ठहरने, नाश्ता, भोजन और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की गई है। इसके लिए कोलकाता से दो ट्रक भोज्य व सेवा में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न सामग्रियां भेजी गईं। वहीं सेवा प्रदान करने के लिए शुक्रवार को निमतल्ला घाट स्ट्रीट स्थित समाज के मुख्यालय के समीप से समाज के 100 कार्यकर्ताओं का जत्था बस से सागरद्वीप के लिए रवाना हुआ।

इसके पहले दो ट्रक सामग्रियां भेजी गई थी। मौके पर समाज के मुख्य संरक्षक जयप्रकाश सिंह, महासचिव शंकर बक्श सिंह, संरक्षक चंद्रिका बक्श सिंह, राकेश सिंह, अखिल भारतीय क्षत्रिय सेवा ट्रस्ट के सचिव कृष्णा सिंह, प्रभुनाथ सिंह, श्रीप्रकाश सिंह,राधेश्याम सिंह, अजय सिंह, अनिल सिंह, रामाशंकर सिंह, सुनील सिंह, सत्येंद्र सिंह, अशोक सिंह, हेमंत सिंह, अक्षयवर सिंह, गोराचांद सिंहराय, शांतनु सिंहराय, अरुण सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे। बिड़लापुर से संतोष सिंह के नेतृत्व में 10 कार्यकर्ताओं का जत्था रवाना हुआ। समाज के मुख्य संरक्षक जयप्रकाश सिंह व महासचिव शंकर बक्श सिंह ने बताया कि गंगासागर में समाज की धर्मशाला के निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। शिविर का उद्घाटन 11 जनवरी को सायं 4 बजे कपिल मुनि मंदिर के पुजारी संजय महाराज द्वारा किया जाएगा। इसके माध्यम से समाज तीर्थयात्रियों की 16 जनवरी तक दिन-रात लगातार सेवा करेगा।

हाईकोर्ट ने कोलकाता पुस्तक मेले में स्टॉल लगाने की एपीडीआर की याचिका खारिज की

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को 'एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ डेमोक्रेटिक राइट्स' (एपीडीआर) की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें आगामी कोलकाता पुस्तक मेले में स्टॉल लगाने की अनुमति मांगी गई थी। इसने (एपीडीआर ने) दावा किया है कि 28 जनवरी से यहां साल्टलेक में आयोजित होने वाले 48वें अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में स्टॉल लगाने की अनुमति नहीं दी गई है। एपीडीआर ने अदालत से ऐसा करने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह विचारणीय नहीं है, क्योंकि प्रकाशक एवं पुस्तक विक्रेता संघ एक निजी संस्था है। वार्षिक पुस्तक मेला आयोजित करने वाले प्रकाशक एवं पुस्तक विक्रेता संघ के वकील ने अदालत के समक्ष दलील दी कि चूंकि, याचिकाकर्ता के पास नियमित पंजीकरण प्रमाणपत्र नहीं है, इसलिए उन्हें स्टॉल लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के क्षेत्रीय मुख्यालय-पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता में शुक्रवार को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर वैश्विक संस्कृति का हिंदी भाषा पर प्रभाव विषय पर हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक निवेदिता दुबे ने सभी कार्मिकों को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं और प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने का अनुरोध किया। यह प्रतियोगिता क्षेत्रीय मुख्यालय-पूर्वी क्षेत्र में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सुशील कुमार गुप्ता की देख-रेख में आयोजित की गई, जिसमें कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और प्रतियोगिता को सफल बनाने में अपनी पूरी भागीदारी दी। इस प्रतियोगिता के आयोजन हेतु आवश्यक समन्वय सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) अरविंद कुमार तिवारी और उनकी राजभाषा टीम द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन बहुत ही सफल और सार्थक रहा, जिससे सभी ने हिंदी भाषा के महत्व को समझा और इसे बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम और बढ़ाया।

जीकेबी ऑप्टिकल्स ने पेश किया 'द वेडिंग एडिट' सीजन 4

कोलकाता, समाज्ञा : आईवियर ब्रांड, जीकेबी ऑप्टिकल्स ने अपने लक्जरी आईवियर ट्रंक शो 'द वेडिंग एडिट' सीजन 4 की घोषणा की है। यह शो भारतीय शादियों की भव्यता और ग्लैमर को खूबसूरती से दर्शाता है। इस साल,यह आयोजन छह शहरों मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरू, चंडीगढ़ और भुवनेश्वर में होगा। यहां दूल्हा-दुल्हन और शादी में शामिल मेहमानों को खास और प्रीमियम आईवियर कलेक्शन का अनुभव मिलेगा। ज्वेलरी से प्रेरित फ्रेम्स से लेकर क्लासिक और सदाबहार डिजाइन तक, इस सीजन का ट्रंक शो शादी के हर लुक में एक करिश्मा जोड़ने के लिए तैयार है। इस शो में पेश किया गया कलेक्शन पारंपरिक लक्जरी और आधुनिक डिजाइन का शानदार मेल है, जो हर लुक को अनोखा और खास बनाएगा। इस खास अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए सभी स्टोर्स में शानदार कॉन्सेप्ट विंडोज बनाए गए हैं, जो ग्राहकों को एक्सक्लूसिव कलेक्शन की एक झलक देने के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं। जीकेबी ऑप्टिकल्स की डायरेक्टर ऑफ ब्रांड्स, प्रियंका गुप्ता कहती हैं कि द वेडिंग एडिट का चौथा सीजन लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा उद्देश्य सिर्फ ग्राहकों को बेहतरीन चश्मे देना नहीं है, बल्कि उनकी शॉपिंग को एक शानदार और यादगार अनुभव बनाना है। इस बार का कलेक्शन अब तक का सबसे खास और एक्सक्लूसिव होगा।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर मवेशी तस्करों ने बीएसएफ जवानों पर किया हमला

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर गुरुवार की रात बांग्लादेश के मवेशी तस्करों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला किया। अर्द्धसैनिक बल की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। जवानों ने आत्मरक्षा के तौर पर जवाबी कार्रवाई करते हुए तस्करी के प्रयास को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया और 10 सांड़ बरामद किए। बीएसएफ कर्मियों ने खुटादाह सीमा चौकी (बीओपी) पर तस्करों को मवेशियों के साथ भारतीय सीमा की बाड़ के पास आते देखा। इस दौरान, वह तस्कर बांग्लादेश की ओर से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके भारत में घुस आए। बीएसएफ जवानों द्वारा उन्हें रुकने के लिए जो चेतावनी दी गयी, तस्करों ने उसे नजरअंदाज कर दिया। वह आक्रामक तरीके से आगे बढ़े और धारदार भालों का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने सीमा की बाड़ को काटने की कोशिश की। इसके जवाब में बीएसएफ के एक जवान ने चेतावनी के तौर पर एक खाली गोली चलाई। बीएसएफ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अंधेरे और उबड़-खाबड़ इलाके का फायदा उठाकर तस्कर बांग्लादेश भाग गए। इसके बाद इलाके की तलाशी में हरियाणा मूल के आठ सांड़ और हमलावरों द्वारा छोड़े गए तीन धारदार भाले बरामद हुए।

सीमा पर बाड़ लगाने को लेकर बीजीबी के साथ भिड़े ग्रामीण

कूचबिहार : सीमा पर कंटीले तार की बाड़ लगाने को लेकर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ ग्रामीणों की बहस हो गयी। मेखलीगंज जिले के कुचलीबाड़ी में शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर बांग्लादेशी उपद्रवियों की हिंसा से बचने के लिए ग्रामीण कंटीले तार की बाड़ लगाने के लिए जीरो प्वाइंट पर गए। बताया जा रहा है कि इस दौरान, बीजीबी द्वारा ग्रामीणों को रोका गया, लेकिन ग्रामीणों ने इसे नजरअंदाज कर करीब डेढ़ किमी तक अस्थायी कंटीले तारों की बाड़ लगाने का काम पूरा कर लिया। इस कंटीले तार की बाड़ से बीएसएफ का कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन बीएसएफ के जवान स्थानीय निवासियों की सुरक्षा में तैनात थे। ग्रामीणों का आरोप है कि कुचलीबाड़ी सीमा पर कंटीले तार नहीं होने के कारण घुसपैठ और पशु तस्करी दोनों हो रही है। खुली सीमा का फायदा उठाकर बांग्लादेशी आते थे और किसानों की खेती की फसल काट कर भी ले जाते है। बांग्लादेशी उपद्रवी कभी-कभी छोटे-मोटे अपराध को भी अंजाम देते है। जिससे बीएसएफ को भी अवगत कराया गया था। बताया गया है कि इससे पहले बीएसएफ ने कंटीले तारों की बाड़ लगाने की कोशिश की, लेकिन बीजीबी की रुकावट के कारण यह संभव नहीं हो सका। लेकिन इस बार किसानों के सब्र का बांध टूट गया है। इसलिए उन्होंने खुद ही बाड़ लगाने का फैसला किया।

बांकुड़ा में सिलेंडर में विस्फोट से एक ही परिवार के दो लोगों की मौत, तीन घायल

बांकुड़ा : बांकुड़ा जिले में एक मकान में गुरुवार की देर रात में भीषण आग लग गई। इसकी चपेट में आने से एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान निताई पाल और मीना पाल के रूप में की गई हैं। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना रात करीब 12 बजे बांकुड़ा शहर के लालबाजार माझीपाड़ा इलाके में हुई, जब अचानक जोरदार धमाके की आवाज से पूरा इलाका हिल गया। घटना का पता चलने पर जब स्थानीय लोग अपने घरों से बाहर निकले तो देखा कि निताई पाल का घर जल रहा था। खबर मिलते ही दमकल विभाग की टीम और बांकुड़ा सदर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। कई दमकल की

गाड़ियों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जलते हुए मकान से कुल पांच लोगों को झुलसी हुई अवस्था में निकालकर बांकुड़ा के सरकारी सम्मिलनी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल अन्य तीन लोगों को बाद में दुर्गापुर के एक निजी नर्सिंग होम में स्थानांतरित कर दिया गया। आग लगने के कारण को लेकर अभी संशय बना हुआ है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने दावा किया कि घर में आग रसोई गैस सिलेंडर में विस्फोट के कारण लगी है। पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं। आग से मकान का एक हिस्सा भी ढह गया। आग से इलाके में दहशत का माहौल रहा।

पुलिस की उदासीनता पर सख्त हाई कोर्ट, बीजेपी नेता को अंतरिम सुरक्षा

कोलकाता, समाज्ञा

कोलकाता हाई कोर्ट ने बीजेपी नेता पर हमले के मामले में पुलिस की भूमिका पर नाराजगी जताते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। जस्टिस जय सेनगुप्ता की बेंच ने कहा कि पुलिस इस मामले में अगले आदेश तक कोई अहम कार्रवाई नहीं करेगी। मामला हरीशचंद्रपुर थाना क्षेत्र के निवासी और बीजेपी नेता गौड़हरि मंडल से जुड़ा है। उनकी शिकायत के अनुसार, पूर्व मेदिनीपुर के बेतकुंडु ग्राम पंचायत में बोर्ड गठन के दौरान तृणमूल कांग्रेस ने अवरोध उत्पन्न किया। बीजेपी का दावा है कि उनके पंचायत सदस्यों की संख्या अधिक होने के बावजूद तृणमूल के कार्यकर्ताओं ने बहस और मारपीट शुरू कर दी। बीजेपी का यह भी आरोप है कि तृणमूल समर्थित असामाजिक तत्वों ने उनके सदस्यों पर हमला किया। इस घटना के बाद जब बीजेपी ने पुलिस से शिकायत की, तो कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। केवल एक सामान्य डायरी दर्ज की गई। इसके बाद बीजेपी नेता ने हाई कोर्ट का रुख किया और पुलिस से सुरक्षा की मांग की।हाई कोर्ट ने पुलिस से इस मामले पर रिपोर्ट मांगी। पुलिस के डीएसपी ने रिपोर्ट प्रस्तुत की, लेकिन कोर्ट ने इसे असंतोषजनक पाया। न्यायमूर्ति ने सवाल उठाया कि शिकायत मिलने के बावजूद पुलिस ने कार्रवाई क्यों नहीं की और इतनी उदासीनता क्यों दिखाई। अदालत ने पुलिस की निष्क्रियता पर सख्त रुख अपनाया और 5 फरवरी को अगली सुनवाई की तारीख निर्धारित की है।

साइबर जागरूकता सत्र में वरिष्ठ नागरिकों को मिली साइबर अपराध से सुरक्षा की जानकारी

हावड़ा, समाज्ञा : बाली रवींद्र भवन में 8 जनवरी को एक साइबर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें डिजिटल गिरफ्तारी, सेक्सटॉर्शन, फ़िशिंग और अन्य साइबर धोखाधड़ी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। यह सत्र विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित किया गया था, जो अक्सर इन प्रकार के साइबर अपराधों के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं। इस कार्यक्रम में लगभग 100 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। इस सत्र का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को साइबर खतरों से बचाने और ऑनलाइन सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। इस मौके पर, उत्तर मंडल के विभिन्न पुलिस स्टेशनों द्वारा पिछले दो महीनों में बरामद किए गए साइबर धोखाधड़ी के 50 लाख रुपये की राशि पीड़ितों को

लौटाई गई। कार्यक्रम के दौरान पीड़ितों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे वे साइबर अपराधियों के जाल में फंसे। इस सत्र ने न केवल उन्हें जागरूक किया बल्कि भविष्य में इस तरह की धोखाधड़ी से बचने के उपाय भी सिखाए। इस कार्यक्रम में हावड़ा के पुलिस आयुक्त प्रवीण कुमार त्रिपाठी और हावड़ा पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

साल्टलेक सांस्कृतिक संसद की ओर से सात दिवसीय श्री चैतन्य भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

कोलकाता : साल्टलेक सांस्कृतिक संसद की ओर से कथा व्यास श्री धाम वृन्दावन निवासी परम श्रद्धेय श्री गौर दास जी महाराज के श्रीमुख से सात दिवसीय श्री चैतन्य भागवत कथा के भव्य आयोजन का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। यह आयोजन साल्टलेक सिटी, सेंट्रल पार्क मेला ग्राउंड के सामने करुणामई मेट्रो एवं बस स्टैंड के निकट आगामी 10 जनवरी से 16 जनवरी तक चलेगा। यहां आने वाले भक्तों को प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक श्री गौर दास जी महाराज के श्रीमुख से इस मधुर रसमयी कथा का रसपान कर महा पुण्य के भागी बनने का अवसर प्राप्त होगा। शुक्रवार को उदघाटन अवसर पर कृष्णा चक्रवर्ती (मेयर, विधान नगर), संजय अग्रवाल (अध्यक्ष, साल्टलेक सांस्कृतिक संसद), ललित बेरीवाला (चेयरमैन, साल्टलेक

सांस्कृतिक संसद ट्रस्ट बोर्ड), अमित पोद्दार (साल्टलेक सांस्कृतिक संसद), प्रदीप तोदी (आईपीपी, साल्टलेक सांस्कृतिक संसद),लक्ष्मण अग्रवाल के साथ समाज की कई अन्य विशिष्ट हस्तियां इसमें शामिल हुए। मौके पर संजय अग्रवाल (अध्यक्ष, साल्टलेक सांस्कृतिक संसद) ने कहा, गुरुदेव परम श्रद्धेय श्री गौर दास जी महाराज के श्रीमुख से सात दिवसीय श्री चैतन्य भागवत कथा के इस पावन आयोजन में ज्यादा से ज्यादा लोग आकर इस मधुर रसमयी कथा का रसपान कर महान पुण्य के भागी बनें, यही उनकी तरफ से निवेदन है। इस आयोजन में पहले दिन हीं उमड़ी भक्तों की भारी भीड़ इसके महत्व और सफलता को बयान कर रही है. इस मौके पर अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार प्रकट किए।

हावड़ा में अवैध हथियारों के सौदे का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा पुलिस कमिश्नरेट के क्षेत्र में अवैध हथियारों के सौदे की गुप्त सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से हथियार और गोलियां बरामद की। पुलिस के अनुसार, 9 जनवरी 2025 को हावड़ा पुलिस के एएसआई समरेश डोलुई को एक गुप्त स्रोत से सूचना मिली कि उसी रात भासरपोटी स्थित भगवान शिव मंदिर के पास अवैध हथियारों और गोला-बारूद की डील हो सकती है। इस सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मुकेश कुमार मेहता(28) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से हथियार बरामद की। इस

घटना के संबंध में एएसआई समरेश डोलुई ने लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हथियार कहां से आए और इन्हें किस उद्देश्य से खरीदा या बेचा जा रहा था। मामले की जांच जारी है।

श्री जैन विद्यालय कोलकाता में खेल प्रतियोगिता का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : श्री जैन विद्यालय कोलकाता में 10 जनवरी को आयोजित कबड्डी, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं ने विद्यालय के छात्रों को खेलों के प्रति अपनी समर्पण और उत्साह को प्रदर्शित करने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान किया। इसमें विभिन्न वर्गों के छात्रों ने भाग लिया।

कबड्डी प्रतियोगिता विद्यालय के खेल मैदान पर आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु समूहों के छात्रों ने भाग लिया। लड़कों की कबड्डी टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे विद्यालय में खेलों के प्रति उनकी रुचि का प्रमाण मिलता है। अंततः एस जे वी वॉरियर्स ने शानदार खेल दिखाते हुए कबड्डी प्रतियोगिता में विजयी होकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। बास्केटबॉल प्रतियोगिता विद्यालय के बास्केटबॉल कोर्ट पर आयोजित की गई, जहां दो टीम आपस में प्रतिस्पर्धा कर रही थी। प्रतियोगिता के दौरान,

छात्रों ने शानदार तकनीकी कौशल और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। टिप ऑफ टाइटन टीम ने अपनी तेज चालों और सामूहिक प्रयासों से विजयी होकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे थे। एस जे वी सुपर किंग्स की टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर एक बेहतरीन खेल प्रदर्शन करते हुए अंतिम मुकाबले में जीत हासिल की।

इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष विनोद कांकरिया तथा सचिव मनोज बोथरा और विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार पांडेय की उपस्थिति थी। इन्होंने विजेता टीम को स्वर्ण पदक, उपविजेता टीम को रजत पदक तथा हर्ष राज को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में ट्रॉफी प्रदान की गई।

पूर्व रेलवे ने 'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस' पर दिव्यांग कर्मचारियों को किया सम्मानित

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने शुक्रवार को फेयरली प्लेस में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस' के अवसर पर 31 दिव्यांग गैर-राजपत्रित रेलवे कर्मचारियों को उनके असाधारण प्रदर्शन के

लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक सुमित सरकार, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी जरीना फिरदौसी तथा अन्य विभागों के प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मिलिंद देउस्कर ने मुख्यालय, सभी विभागों और कार्यशालाओं से चुने गए 31 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार और सम्मान प्रदान किया। इसके अलावा, दो कर्मचारियों को विकलांग कर्मचारियों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भी सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मिलिंद देउस्कर ने पूर्व रेलवे की प्रतिबद्धता को दोहराया, जो विकलांग कर्मचारियों के लिए समान अवसर प्रदान करने और एक समावेशी, सुलभ वातावरण बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने सम्मानित कर्मचारियों की सराहना की और उनके समर्पण और उत्कृष्टता की सराहना की।

तीर्थयात्रियों की सेवा मानव सेवा है : दीनदयाल गुप्ता

कोलकाता : हरियाणा नागरिक संघ के आउटराम घाट स्थित गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर का उद्घाटन समाजसेवी दीनदयाल गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में समाजसेवी सत्यनारायण देवरालिया ने किया। दीनदयाल गुप्ता ने प्रेरक उद्बोधन में कहा तीर्थयात्रियों की सेवा मानव सेवा है। संस्था के संरक्षक मंडल के चेयरमैन सुरेश गुप्ता, अध्यक्ष बाबुलाल धनानिया, सचिव गोरधन निगानिया ने बताया 16 जनवरी तक हजारों तीर्थयात्रियों के लिये सेवा शिविर में आवास, भोजन, दूध, चाय-नाश्ता, प्राथमिक चिकित्सा, मोबाइल चार्ज की व्यवस्था की गई है। विशिष्ट अतिथि बृजमोहन बेरीवाल, डॉ. सांवर धनानिया, बेगराज अग्रवाल, राजेश अग्रवाल ने हरियाणा प्रवासी कार्यकर्ताओं की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। शंकरलाल कारीवाल, गोविन्द राम ढानेवाल, द्वारिका प्रसाद अग्रवाला, मोहन गोयल, कमलेश (विक्की) हेतमपुरिया, विजय खोरड़िया, नवीन कानोड़िया, विजय निगानिया, श्याम सुन्दर बंसल, विनय जिंदल एवम् कार्यकर्ता सक्रिय हैं। सुभाषचंद जैन ने सभी अतिथियों एवम् कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

रमेश गोयल के बीडीजी ग्रुप की अनुपम पहल

❑ महाकुम्भ तीर्थयार्थियों की निः शुल्क सेवा के लिए उपलब्ध रहेगी लोटस मेडिकल बस

कोलकाता : प्रयागराज में महाकुम्भ की तैयारियां पुरजोर चल रही हैं। प्रशासनिक स्तर पर जहां यूपी सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की देखरेख में जोरदार व्यवस्ता की जा रही है, वहीं विभिन्न अखाड़े भी अपने अपने कैम्पों की व्यवस्था में लगे हैं। सरकार की ओर से अनुमान जताया गया है कि तकरीबन 40 करोड़ श्रद्धालु यहां महाकुम्भ मेले में पुण्य स्नान करने आएंगे। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन ही 6 करोड़ लोगों के आने की सम्भावना है। अनेकानेक समाजसेवी संस्थाओं की ओर से भी श्रद्धालुओं की सेवा के

लिए तैयारियां की जा रही हैं।

इसी श्रृंखला में कोलकाता के प्रतिष्ठित उद्योगपति श्री रमेशचन्द गोयल के संस्थान बीडीजी ग्रुप द्वारा संचालित अत्याधुनिक लोटस मेडिकल बस (शीतताप नियंत्रित) भी श्रद्धालुओं की निःशुल्क सेवा हेतु उपलब्ध रहेगी। श्री गोयल ने बताया कि प्रयागराज में इन्दर लॉकिंग मार्ग स्थित श्री जयराम आश्रम अन्नक्षेत्र में इस बस में उपलब्ध चिकित्सकों द्वारा विभिन्न प्रकार के रोगों का परीक्षण कर यथासम्भव औषधियां भी प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षण निःशुल्क किए जाएंगे।

बताना प्रासंगिक है कि लोटस मेडिकल बस में विभिन्न रोगों के परीक्षण के लिए अत्याधुनिक मशीनें लगी हैं, जिनमें प्रमुख रूप से नेत्र, दन्त, एक्सरे, ईसीजी आदि शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों में 97573 मरीजों का निःशुल्क परीक्षण किया जा चुका है। अब तक इस मेडिकल बस ने पश्चिम बंगाल, असम, अरूणाचल प्रदेश, मेघालय, झारखण्ड, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि प्रदेशों में लोगों को निःशुल्क सेवाएं प्रदान की हैं। पिछले वर्ष अयोध्या में श्रीराम मंदिर के लोकार्पण के शुभ अवसर पर भी लोटस मेडिकल बस द्वारा सेवाएं प्रदान की गयी थीं।

केसीएलएफ 2025 का भव्य उद्घाटन शशि पांजा और तनुश्री शंकर ने किया

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता चिल्ड्रेन लिटरेचर फेस्टिवल के दूसरे संस्करण का न्यू टाउन, कोलकाता के एसपीके जैन फ्यूचरिस्टिक एकेडमी में उद्घाटन हुआ। इस समारोह की शोभा डॉ. शशि पांजा व कोरियोग्राफर तनुश्री शंकर ने बढ़ाई। कार्यक्रम में बोलते हुए एसपीके जैन फ्यूचरिस्टिक एकेडमी की प्राचार्या, डॉ. जयिता गांगुली ने कहा कि ब्रह्मांड परमाणुओं से नहीं, बल्कि कहानियों से बना है। इस उद्घाटन समारोह में कई प्रतिष्ठित अतिथि जिनमें एसपीके जैन फ्यूचरिस्टिक एकेडमी के स्कूल सचिव जयदीप पटवा और एकेडमी के अध्यक्ष ललित कांकड़िया शामिल थे। उनके साथ शशि कांकड़िया, सोनल चोरड़िया, कुसुम पटवा और त्रिशला भंसाली भी उप-स्थित थीं, जिनके अटूट समर्थन ने

इस पहल को और समृद्ध किया है।कार्यक्रम में श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा के अध्यक्ष सरदारमल कांकड़िया, पन्नालाल कोचर, सुरेंद्र बंथिया, बिनोद मिनी, अशोक मिनी और प्रदीप पटवा की गरिमामयी उपस्थिति भी देखी गई। इन सभी ने समुदाय में शैक्षिक और सांस्कृतिक प्रयासों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उद्घाटन समारोह में लोगों की उत्साही उपस्थिति देखी गई, जो इस साल के उत्सव को लेकर उत्साह को दर्शाती है। केसीएलएफ 2025 का आयोजन 11 और 12 जनवरी को भी जारी रहेगा, जो बच्चों और परिवारों को साहित्य और रचनात्मकता के जादू की खोज करने के लिए आमंत्रित करता है।

बिहार सेवा शिविर के आउट्राम घाट पर लगे गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर का उद्घाटन संपन्न हुआ। इस मौके पर विधायक विवेक गुप्ता, पार्षद विजय उपाध्याय, पार्षद राजेश सिन्हा, सत्येंद्र सिंह, डॉ. हरेंद्र सिंह, ममता सिंह, रामबाबू सिंह, अंकुल सिंह, संतोष सिंह, मनोज सिंह (आदर्श) समेत अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

कलकत्ता श्री कालिका देवी सेवा समिति के गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर का उद्घाटन संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता श्री कालिका देवी सेवा समिति का आउट्राम घाट पर लगे गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर का उद्घाटन समारोह गुरुवार को नित्यात्कामानंद महाराज के द्वारा संपन्न हुआ। इस मौके पर समारोह विशंभर नेवर, ब्रिगेडियर इंद्रजीत चक्रवर्ती, मोहन कुमार झा, पार्षद राजेश सिन्हा, हरिश चंद्रा, अभिषेक यादव, मधुस्नाता झा, राजेंद्र प्रसाद मिश्र, सुरेश पांडेय, डॉ. कमलेश जैन, समाज्ञा हिन्दी दैनिक के संपादक अनिल कुमार राय, विजय शंकर दुबे, जयप्रकाश सिंह एवं शंकर बक्श सिंह, चंद्रिका बक्श सिंह, लालजी पांडेय, आनंदेश्वर तिवारी, समिति अध्यक्ष अंबिका प्रसाद शुक्ला, सचिव उमाशंकर पांडेय, उपाध्यक्ष रामदयाल तिवारी, रामप्रताप दुबे, कोषाध्यक्ष दिनेश पांडेय, उप सचिव उमेश द्विवेदी, उप कोषाध्यक्ष शिवम पांडेय, संगठन सचिव रामकिशोर तिवारी समेत अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

भारत क्षत्रिय समाज के गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर का उद्घाटन संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : भारत क्षत्रिय समाज का आउट्राम घाट पर लगे गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर का उद्घाटन समारोह गुरुवार को भव्य रूप से संपन्न हुआ। सेवा शिविर का उद्घाटन राज्य के मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय, बाबुन बनर्जी और केएमसी के एमएमआईसी तारक सिंह ने किया। इस मौके पर भारत क्षत्रिय समाज ट्रस्ट के चेयरमैन राजगृही सिंह ने कहा कि पिछले 45 साल से भारत क्षत्रिय समाज सेवा का कार्य करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा सेवा कार्य के अलावा कई अन्य कार्य जैसे ब्लड डोनेशन कैंप, आपदा के समय राहत व बचाव कार्य जैसे बहुत सारे कार्य किये जाते हैं। इस मौके पर अध्यक्ष रणवीर सिंह, दीपक सिंह, अरविंद सिंह, मनोज सिंह (आदर्श), सत्येंद्र सिंह, मनोज सिंह, राजेश कुमार सिंह, धर्मेंद्र सिंह, हरिमोहन सिंह, सुजीत सिंह, अभय सिंह, प्रीतम सिंह, लक्ष्मी नारायण सिंह, पारसनाथ सिंह, मिलन सिंह, विकास सिंह, विकास जायसवाल (डब्बू व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

विश्व हिंदू परिषद के गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर का उद्घाटन संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : अजयेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित 48वें गंगासागर मेला सेवा शिविर समारोह की अध्यक्षता की। प्रधान वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दक्षिण प्रांत प्रचारक प्रशांत भट्ट ने मां गंगा के अवतरण की कथा सुनाया। प्रधान अतिथि समाजसेवी भागीरथ कांकाणी ने विश्व हिंदू परिषद के द्वारा 47 वर्षों से किये जा रहे सेवा कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की। उद्घाटनकर्ता विशिष्ट समाजसेवी भागीरथ चांडक ने अपना वक्तव्य रखा। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय सह मंत्री स्वप्न मुखर्जी ने विश्व हिंदू परिषद के द्वारा पूरे भारत में चल रहे सेवा कार्यों का उल्लेख किया। सेवा शिविर का प्रारंभ राम दरबार की पूजा अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन किया विश्व हिंदू परिषद् पश्चिम कोलकाता के अध्यक्ष महेंद्र कुमार शर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन मंत्री डॉ. विजय हरभजनका ने किया। समारोह को सफल बनाने में रामगोपाल सूंघा, महावीर बजाज, प्रवीण शर्मा, अशोक अग्रवाल, विजय पीपलवा बंशीधर शर्मा , मुल्तान पारीक, चंपालाल पारीक, सत्यनारायण मोरीजावाला,अरुण मल्लावत, बाबूलाल पारीक, सज्जन सिंहल, उदय साव, अनिर्वाण दा, हरिशंकर मोरीजावाला, प्रमोद पुष्टि, अशोक दुबे आदि कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

जौनपुर नागरिक संघ के सेवा शिविर में संस्था अध्यक्ष लालमणि मिश्रा ने हरीश चंद्र जायसवाल, रामविलास जायसवाल, रामानंद जायसवाल, देवी प्रसाद जायसवाल, महेंद्र जायसवाल, सुरेश जायसवाल, राजेश जायसवाल, ताड़कनाथ जायसवाल, अजय गुप्ता, आयुष जायसवाल, अरुण कुमार पांडेय (मंतोष), आलोक नाथ जायसवाल, अवधेश जायसवाल, मानव जायसवाल का सम्मान किया।

जय माता दी सेवा संघ के आउट्राम घाट पर लगे गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर का उद्घाटन संपन्न हुआ। 31वें वर्ष आयोजित इस सेवा शिविर का उद्घाटन विधायक नयना बंद्योपाध्याय ने अन्य अतिथियों के साथ किया। इस मौके पर चेयरमैन रतन अग्रवाल, रामनरेश जायसवाल, पूर्व पार्षद सुमन सिंह, विजय जायसवाल, अशोक शाह, विकाश जायसवाल (डब्बू), अनिल जायसवाल (साईं) समेत अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। मंच का कुशल संचालन कृष्णा जायसवाल ने किया।

न्यूज इन ब्रीफ

झारखंड के रामगढ़ में एलपीजी टैंकर पलटा

रामगढ़ : झारखंड के रामगढ़ जिले में शुक्रवार को एक एलपीजी टैंकर पलट गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना चुटूपालू में राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर हुई, जिससे सड़क पर तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा। उन्होंने बताया कि चालक और उसके सहायक को कोई चोट नहीं आई तथा गैस का कोई रिसाव नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि टैंकर को सुरक्षित तरीके से हटा लिया गया है। उन्होंने बताया कि आशंका है कि यह दुर्घटना घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने के कारण हुई।

उत्तर प्रदेश: विराट अनुष्का ने मथुरा में संत प्रेमानंद का आशीर्वाद लिया

मथुरा : भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी व अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने शुक्रवार को वृन्दावन पहुंचकर संत प्रेमानन्द का आशीर्वाद लिया। दंपति अपने दोनों बच्चे वामिका और अकाय के साथ वृंदावन स्थित आश्रम श्रीराधा केली कुंज पहुंचे और आशीर्वाद लिया। अनुष्का का परिवार (यानि उनके माता-पिता) पहले से संत प्रेमानन्द का शिष्य है। इसे पहले दंपति दो बार संत प्रेमानन्द के आश्रम में आ चुके हैं। प्रेमानन्द महाराज ने विराट को कुशलता का आशीर्वाद देते हुए निरंतर अभ्यास पर नियंत्रण रखने को कहा। उन्होंने विराट से कहा कि अगर अभ्यास पुष्ट हो गया तो जीत पक्की है, ज्यादा चिंता न करें। संत प्रेमानन्द ने दंपति के बारे में कहा कि हम तो साधना के जरिए कुछ ही लोगों को आनंदित करते हैं जबकि दोनों (विराट और अनुष्का) अपने कर्म से पूरे देश को आनंदित करते हैं। उन्होंने कहा कि यह भी एक प्रकार से सेवा का ही एक मार्ग है, जिससे देश का बच्चा-बच्चा आनंदित होता है।

सहारनपुर में भगवान श्री राम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर (उप्र) : सहारनपुर जिले के बिहारीगढ़ पुलिस ने फेसबुक पर भगवान श्रीराम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी मोइन को गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को बिहारीगढ थाना के पुलिस उपनिरीक्षक देवेश कुमार ने शिकायत मिलने पर इसी थाना क्षेत्र के कुरडीखेडा निवासी मोइन के खिलाफ फेसबुक पर भगवान श्रीराम के बारे में अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी करने के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की थी।

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम में ऑटोरिक्शा पलटने से 12 मजदूर घायल

चाईबासा : झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में शुक्रवार को एक ऑटोरिक्शा के पलट जाने से उसमें सवार 12 मजदूर घायल हो गए, जिनमें से सात की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सभी मजदूर ठाकुरा गांव में काम के लिए जा रहे थे और तभी ठाकुरा पुल के पास ऑटोरिक्शा पलट गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और घायलों को समीप के गुआ सैल अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल सात मजदूरों को प्राथमिक उपचार के बाद अन्य अस्पतालों में रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में जांच की जा रही है।

वाराणसी में एक महिला का शव बरामद, हत्या का मामला दर्ज

वाराणसी (उप्र) : वाराणसी जिले के बड़ागांव थाना क्षेत्र में शुक्रवार को पुलिस ने एक महिला का शव बरामद किया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला के चेहरे पर गंभीर चोट के कई निशान हैं और हत्या का मामला दर्ज किया गया है। गोमती जोन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रमोद कुमार ने बताया कि ग्रामवासियों की सूचना पर मौके पर पहुंची बड़ागांव थाना पुलिस ने क्षेत्र के अहरक पुलिया के नीचे से एक महिला का शव बरामद किया। महिला की उम्र लगभग 60 वर्ष है और उसके सर, आंख और चेहरे पर गम्भीर चोट के निशान हैं। कुमार ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि महिला की हत्या कहीं और करके उसके शव को वहां लाकर फेंका गया है।

अन्य राज्यों के लोगों का दिल्ली के विकास में महत्वपूर्ण योगदान: योगी आदित्यनाथ

महाकुम्भ नगर : आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल के ''मतदाता सूची में उत्तर प्रदेश-बिहार से मतदाताओं के 'फर्जी' पंजीकरण'' वाले बयान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली में जितना अधिकार अरविंद केजरीवाल का है उतना ही अन्य राज्यों से आए लोगों का भी है। एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे राज्य के नागरिक को दिल्ली का मतदाता बनने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति दिल्ली सरकार की किसी प्रकार की सेवा से जुड़ा है तो उसे मतदाता बनने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा दिल्ली के निर्माण में लगा श्रमिक वर्ग हो या व्यवसायी हो, राजनेता हो या अन्य पेशेवर, सभी का दिल्ली पर उतना ही अधिकार है जितना अरविंद केजरीवाल का है। मतदाता बनाने का काम चुनाव आयोग के हस्तक्षेप से होता है इसमें किसी सरकार की कोई भूमिका नहीं है।

कुम्भ के विकास का प्रमाणिक दस्तावेज है 'कला कुम्भ'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां सेक्टर सात में तैयार किए गए 'कला कुम्भ' की शुरुआत की। उप्र राज्य पवेलियन का शुभारंभ करने के बाद मुख्यमंत्री इसके ठीक सामने बने कला कुम्भ पहुंचे और यहां उन्होंने उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के द्वारा निर्मित इस अनूठे शिविर का अवलोकन किया। एक बयान के मुताबिक, परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक झांकियों के बीच मुख्यमंत्री ने फीता काटकर परिसर का उद्घाटन किया।

एएमयू परिसर को बम से उड़ाने की धमकी का ईमेल मिला, सुरक्षा जांच शुरू

अलीगढ़ (उप्र) : अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है, क्योंकि कुलपति समेत विश्वविद्यालय के सभी शीर्ष अधिकारियों को ईमेल पर 'परिसर को बम से उड़ाने' की धमकी मिली है। पुलिस अधीक्षक (शहर) मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि ईमेल मिलने के बाद कल शाम से ही परिसर और उसके आसपास के सभी संवेदनशील इलाकों में जांच जारी है और अधिकारी इस धमकी को लेकर 'कोई जोखिम नहीं उठा रहे हैं।' अधिकारी ने बताया कि पुलिस और विश्वविद्यालय के अधिकारी मौलाना आजाद लाइब्रेरी समेत भीड़ वाले सभी इलाकों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। एएमयू के प्रवक्ता असीम सिद्दीकी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ईमेल में 'फिरौती की रकम' का भी जिक्र है।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने केंद्र से राज्य का 1.36 लाख करोड़ रुपये का कोयला बकाया चुकाने का आग्रह किया

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी से राज्य का 1.36 लाख करोड रुपये का कोयला बकाया चुकाने का आग्रह किया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि रेड्डी ने सोरेन को आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। बृहस्पतिवार को सोरेन और रेड्डी की मौजूदगी में राज्य सरकार, कोयला मंत्रालय और 'कोल इंडिया लिमिटेड' के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक हुई। विज्ञप्ति में कहा गया कि झारखंड सरकार ने बैठक में केंद्रीय मंत्री के समक्ष बकाया खनिज राजस्व भुगतान का विस्तृत आकलन प्रस्तुत किया। इसमें कहा गया है, ...केंद्रीय कोयला मंत्री ने निर्देश दिया कि केंद्र सरकार के अधिकारी इन दावों की प्रामाणिकता की जांच के लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग करें। सोरेन ने कहा कि कोयला खनन, उत्पादन, परिवहन, भूमि अधिग्रहण और मुआवजे के बेहतर प्रबंधन के लिए केंद्र और राज्य सरकार को मिलकर आगे बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिन जमीनों पर खनन कार्य पूरा हो चुका है, उन्हें झारखंड सरकार को वापस कर दिया जाना चाहिए। सोरेन ने कहा, राज्य में कई कोयला परियोजनाएं हैं, जहां खनन कार्य पूरा हो चुका है और कोयला कंपनियों ने जमीन छोड़ दी है। उन्हें न तो राज्य सरकार को हस्तांतरित किया जा रहा है और न ही उनका समुचित उपयोग हो रहा है। इस कारण बंद खदानों में अवैध खनन हो रहा है। उन्होंने खनन गतिविधियों से पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

झारखंड : मुख्यमंत्री ने धनबाद झड़प की जांच के आदेश दिए

घायल एसडीपीओ के पिता से बात की

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बृहस्पतिवार को धनबाद में दो समूहों के बीच हुई झड़प की शुक्रवार को जांच के आदेश दिए। इस झड़प में एक अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) घायल हो गया और गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के कार्यालय में आग लगा दी गई। मुख्यमंत्री ने घायल पुलिस अधिकारी के पिता अशोक सिंह से भी वीडियो कॉल के जरिए बात की और उनके बेटे के इलाज के बारे में जानकारी ली। बृहस्पतिवार को हुई झड़प के दौरान बाघमारा अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) पुरुषोत्तम कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। मधुबन थाना क्षेत्र के बाबूडीह इलाके में एक कोयला आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा चारदीवारी निर्माण को लेकर दो समूहों के बीच झड़प हुई थी। मुख्यमंत्री ने एसडीपीओ के पिता को आश्वासन दिया कि सरकार उनके बेटे के इलाज के लिए पूरी सहायता प्रदान करेगी। सोरेन ने अधिकारी के पिता से कहा, ''अगर जरूरत पड़ी तो सरकार उन्हें बेहतर इलाज के लिए हवाई मार्ग से लाने के लिए तैयार है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''बाघमारा में हुई झड़प की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।'' पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में कारू यादव समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

भाजपा में दोबारा शामिल होने के बाद रघुबर दास ने कहा- झारखंड में जल्द सत्ता में वापसी करेंगे

रांची : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास शुक्रवार को एक बार फिर यहां भाजपा में शामिल हो गए और कहा कि पार्टी राज्य में सत्ता में वापसी करेगी। विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद दास ने सक्रिय राजनीति में लौटने के लिए पिछले साल 24 दिसंबर को ओडिशा के राज्यपाल के पद से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा विधानसभा चुनाव में राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन को हराने में विफल रही थी। भाजपा के राज्य मुख्यालय में पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र राय, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ और सैकड़ों समर्थकों की मौजूदगी में दास का पार्टी में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर दास ने कहा कि वह 1980 के बाद दूसरी बार पार्टी की सदस्यता ग्रहण करके बहुत खुश हैं और वह लोगों की सेवा करेंगे। वर्ष 2023 में ओडिशा के राज्यपाल का पद संभालने के बाद उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी थी। दास ने कहा, 2024 के विधानसभा चुनावों में, प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक सभी पार्टी सदस्यों ने ईमानदारी से प्रयास किया, लेकिन हमें अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। हमें परिणामों से निराश नहीं होना चाहिए। हम जल्द ही वापसी करेंगे। पार्टी को 2024 के झारखंड विधानसभा चुनावों में बड़ा झटका लगा था। पूरी ताकत झोंकने के बावजूद वह केवल 21 सीटें ही जीत पाई। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीटें जीतकर लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। उन्होंने कहा, झारखंड की जनता ने झामुमो गठबंधन को जनादेश दिया। हम जनादेश का सम्मान करते हैं और उम्मीद करते हैं कि सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करेगी।

न्यूज अपडेट

बलिया में पूर्व विधायक समेत तीन के खिलाफ घोटाला करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

बलिया (उप्र) : बलिया जिले के नगरा थाना में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पूर्व विधायक छोटे लाल राजभर सहित तीन व्यक्तियों के विरुद्ध अदालत के आदेश पर विधायक निधि की पांच लाख रुपये की धनराशि का घोटाला करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, नगरा थाना क्षेत्र के नरही गांव निवासी विजय नारायण सिंह की तहरीर पर चिलकहर विधानसभा क्षेत्र के बसपा के पूर्व विधायक छोटे लाल राजभर के साथ ही अजय कुमार सिंह और मनोज कुमार पांडेय के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 316 (5), 319(2) और 318 (4) में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने दर्ज प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि सिंह ने आरोप लगाया है कि अजय कुमार सिंह और मनोज कुमार पांडेय ने सांठगांठ कर चिलकहर विधानसभा क्षेत्र के बसपा के तत्कालीन विधायक (1996-2002) छोटे लाल राजभर को 40 फीसदी अनुचित लाभ देकर विधायक निधि से पांच लाख रुपये प्राप्त किये थे लेकिन घोटाला करने के मकसद से इस पैसे से कोई कार्य नहीं कराया।

डूंगरपुर में डेढ़ किलोग्राम सोने व 22 लाख रुपए की नकदी के साथ तीन गिरफ्तार

जयपुर : राजस्थान के डूंगरपुर जिले में पुलिस ने 1.30 करोड़ रुपये मूल्य का सोना और 22.49 लाख रुपए की नकदी बरामद कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बिछीवाड़ा के थाना प्रभारी कैलाश सोनी ने बताया कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है और इसके तहत बृहस्पतिवार रात सूचना मिली थी कि तीन लोग एक बस में अवैध रूप से सोना और नकदी लेकर जा रहे हैं। उन्होंने बताया, ''गुजरात से सटे राजस्थान के बिछीवाड़ा में रतनपुर सीमा पर पुलिस की टीम ने नाकेबंदी की। तीनों संदिग्ध एक बस से उतरे और उनके पास एक बैग था। पुलिस ने तीनों युवकों को रोका और उनकी हरकतें संदिग्ध लगने पर उनसे पूछताछ की।'' पुलिस ने सिरोही निवासी चंदूलाल सैन, तेजाराम देवासी और अशोक मेघवाल को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि तीनों की तलाशी के दौरान एक किलोग्राम 478 ग्राम सोना और आभूषण मिले। इसकी कीमत करीब 1.30 करोड़ रुपये आंकी गई है। उन्होंने कहा 22.49 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। पूछताछ के दौरान कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने सोना और नकदी जब्त कर तीनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

बिहार: मंत्री ने कहा, 'गांवों की सड़कें इस वर्ष जून तक गड्ढा मुक्त हो जाएंगी'

पटना : बिहार सरकार में ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने शुक्रवार को राज्य के गांवों की सड़कों को इस वर्ष जून तक गड्ढा मुक्त बनाने की घोषणा की। चौधरी ने पटना में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, राज्य के भीतर ग्रामीण संपर्क को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने बिना संपर्क पथ वाली बस्तियों तक हर मौसम में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कई ग्रामीण सड़क विकास योजनाएं शुरू की हैं। आने वाले महीनों में सभी असंबद्ध बस्तियों को उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों से जोड़ दिया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस वर्ष जून तक सभी गांव की सड़कें गड्ढों से मुक्त हो जाएंगी। चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना (एमएमजीएसवाई) के तहत विभाग ने अब तक 59,885 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया है और लगभग 46,902 किलोमीटर सड़कों का रखरखाव कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। मंत्री ने कहा, गांव के लोग सड़कों पर निर्भर हैं क्योंकि ये सड़कें अलग-थलग गांवों को बड़े सामाजिक-आर्थिक ढांचों से जोड़ती हैं। ग्रामीण सड़क ढांचे का निर्माण और सुधार लोगों के जीवन की गुणवत्ता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है, आर्थिक विस्तार को बढ़ावा देता है और शहरी और ग्रामीण समुदायों के बीच की दूरी को पाटता है। उन्होंने कहा, विभाग ने राज्य के ग्रामीण इलाकों में 1000 नए छोटे पुल बनाने का भी फैसला किया है। विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) दीपक कुमार सिंह ने बताया, राज्य में मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु निर्माण योजना (एमजीएसएनवाई) के तहत ग्रामीण इलाकों में प्राथमिकता के आधार पर लगभग 1000 नए छोटे पुलों का निर्माण किया जाएगा। विभाग 100 मीटर लंबाई तक के छोटे पुलों का निर्माण करेगा। उन्होंने बताया, इस वर्ष मार्च तक लगभग 600 छोटे पुलों का निर्माण किया जाएगा और शेष 400 का निर्माण अगले वित्तीय वर्ष में किया जाएगा। केवल सड़कों और पुलों का निर्माण ही महत्वपूर्ण नहीं है। उनका रखरखाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सरकार का ध्यान ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास पर है।

श्री पंचायती नया उदासीन अखाड़े ने छावनी क्षेत्र में किया भव्य प्रवेश

महाकुम्भ नगर : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ मेले में अखाड़ों का छावनी प्रवेश जारी है। इसी क्रम में अब अखाड़ा सेक्टर में उदासीन संप्रदाय के श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन ने शुक्रवार को पूरी भव्यता के साथ छावनी प्रवेश किया। संगत साहब की संत परंपरा को मानने वाले श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन की छावनी प्रवेश यात्रा में आगे अखाड़े के पूज्य इष्ट श्री चन्द्रदेव भगवान् की पालकी और पीछे अखाड़े के महंतों व साधुओं की मौजूदगी किसी दिव्य अनुभव से कम नहीं थी। छावनी प्रवेश यात्रा में भ्रमणशील रमता पंच के साथ साथ गुरु नानक की गुरबाणी गूंज रही थी। अखाड़े के सचिव महंत जगतार मुनि ने बताया कि छावनी प्रवेश यात्रा में 7,000 से अधिक साधु-संत, महंत, श्री महंत और महामंडलेश्वरों ने हिस्सा लिया। श्री पंचायती नया उदासीन अखाड़ा की छावनी प्रवेश यात्रा मुट्ठीगंज की मुंशी राम बगिया से शुरू हुई और शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए यह महाकुम्भ क्षेत्र में पहुंची। विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों ने संतों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। जगतार मुनि ने बताया कि महाकुम्भ मेला क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद इस अखाड़े की तरफ से विविध धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे।

वकीलों की हड़ताल के चलते राहुल गांधी मामले की सुनवाई टली

अगली सुनवाई 22 जनवरी को

सुलतानपुर (उप्र) : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी से संबंधित मानहानि मामले की शुक्रवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते यह टल गई है। वादी विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि अधिवक्ताओं की हड़ताल के कारण सांसद-विधायक के लिए विशेष अदालत के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 जनवरी की तिथि नियत की है। कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्रा ने वर्ष 2018 में राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि का परिवाद सांसद-विधायक (एमपी/एमएलए)अदालत में दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने अभद्र टिप्पणी की थी जिससे वह आहत हुए थे। अदालत में पांच साल तक लंबी प्रक्रिया चली, राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए तो दिसंबर 2023 में तत्कालीन न्यायाधीश ने वारंट जारी कर उन्हें तलब किया था। तब फरवरी 2024 को राहुल गांधी अदालत में पेश हुए थे। पिछले साल 26 जुलाई को राहुल गांधी का बयान दर्ज हुआ था। विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार के दो मुचलके पर जमानत दे दी थी।

उत्तर प्रदेश: पीलीभीत में बड़ा हादसा टला, ट्रेन गुजरने पर खुला रहा रेल फाटक

पीलीभीत : उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में गौहनियां रेलवे क्रॉसिंग पर शुक्रवार को उस समय बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब रेलवे क्रॉसिंग से टनकपुर दौराई एक्सप्रेस गुजरने के दौरान रेल फाटक खुला हुआ रह गया। मामले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वायरल वीडियो में रेलवे क्रॉसिंग से टनकपुर दौराई एक्सप्रेस गुजर रही है और रेल फाटक खुला हुआ है। पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल के जन संपर्क अधिकारी (पीआरओ) राजेंद्र सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी रेलवे प्रशासन को दे दी गई और इसके आधार पर जांच की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्टेशन अधीक्षक (पीलीभीत) धर्मेंद्र कुमार ने प्रथम दृष्टया जांच में पाया कि गौहनिया रेलवे क्रासिंग के फाटक में तकनीकी खराबी आ गयी थी, जिस कारण 'गेटमैन' ने सेफ्टी चैन को लगाकर ट्रेन को पास किया था। वीडियो बुधवार रात लगभग साढ़े सात बजे का बताया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन के काफी नजदीक आ जाने के बाद भी रेलवे फाटक खुला ही था और ऐसे में वहां मौजूद कुछ लोगों ने गेटमैन का कमरा खुलवाने की कोशिश की लेकिन कमरा अंदर से बंद था। उन्होंने बताया कि सजग नागरिकों और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने अवरोधक लगाकर स्थिति को संभाला।

हमारी सरकार के कामों को रोककर बैठी है भाजपा सरकार: गहलोत

जयपुर : पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य की मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार उनकी सरकार की ओर से कराए गए कार्यों को रोककर बैठी है और उनका उद्घाटन नहीं कर रही। गहलोत ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा,''भाजपा सरकार श्रेय लेने के लिए हमारी सरकार के कामों को रोक कर बैठी है।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा,''राजस्थान में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हमने प्रदेश में नई पीढ़ी के लिए नए अवसर देने के लिए 'पेशेवर पाठ्यक्रम' वाले संस्थान खोले जिनमें हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल यूनिवर्सिटी, डॉ. भीमराव आंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी, महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज शामिल हैं। लेकिन नई सरकार के आने के बाद इनकी प्रगति पर रोक सी लगा दी गई है।' उन्होंने कहा कि हरिदेव जोशी विश्वविद्यालय का नया भवन जयपुर के दहमी कलां में तैयार है, परन्तु इसे खासा कोठी से वहां शिफ्ट नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती को मंजूरी दी गई थी, परन्तु अभी तक भर्ती नहीं की जा सकी है। गहलोत ने कहा कि यही स्थिति कमोबेश डॉ. भीमराव आंबेडकर विधि विश्वविद्यालय की है जो अपने नए भवन की बजाय शिक्षा संकुल से ही संचालित हो रहा है।

मेरठ में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या, तीन बच्चियों के शव बेड के 'बॉक्स' में पाए गए

मेरठ (उत्तर प्रदेश) : शहर की घनी आबादी वाली बस्ती सुहेल गार्डन में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी गई और सभी के शव उनके अपने घर में पाए गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि मृतकों में शामिल माता-पिता के शव चादर में लिपटे पाए गए जबकि उनकी तीन बच्चियों के शव बोरे में भरकर बेड के 'बॉक्स' में रखे गये थे। मृतकों में एक साल की बच्ची भी शामिल है। मेरठ शहर को दहला देने वाली ये हत्याएं बृहस्पतिवार रात को सामने आईं। पुलिस ने बताया कि इन हत्याओं के लिए दो नामजद संदिग्धों समेत कई अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि माता-पिता के शव चादर में लिपटे हुए थे और पांचों शवों के सिर पर गहरी चोट और गर्दन पर कटे के निशान थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) विपिन ताडा ने बताया कि थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र में तीन बच्चियों समेत पांच लोगों की नौ जनवरी को हुई हत्या के मामले में मृत महिला के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर तीन नामजद और कुछ अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इनमें से दो नामजद अभियुक्त और कुछ अन्य संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में लिया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। एक नामजद अभियुक्त फरार है जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने बताया कि नौ जनवरी को शहर के थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र के सुहेल गार्डन में एक घर में पति-पत्नी के शव चादर में लिपटे मिले थे। उनकी तीन बेटियों को मारकर बोरी में भरा गया, फिर बेड में सामान रखने के लिए बने 'बॉक्स' में छिपा दिया गया था। सभी के सिर पर गहरी चोट थी। गले पर भी धारदार हथियार के निशान मिले।

बिहार: मंत्रिमंडल ने दरभंगा और रक्सौल हवाई अड्डों के लिए भूमि अधिग्रहण को मंजूरी दी

पटना : बिहार सरकार ने शुक्रवार को दरभंगा हवाई अड्डे के विस्तार और विकास के लिए अतिरिक्त 89.75 एकड़ भूमि के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में रक्सौल हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 139 एकड़ जमीन के अधिग्रहण को भी अनुमति दी गई। मंत्रिमंडल की बैठक के तुरंत बाद पत्रकारों से बात करते हुए मंत्रिमंडल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) एस सिद्धार्थ ने कहा, ''मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को मौजूदा दरभंगा हवाई अड्डे के विकास और विस्तार के लिए 89.75 एकड़ भूमि (244.60 करोड़ रुपये की कीमत) के अधिग्रहण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। राज्य सरकार उन लोगों को राशि का भुगतान करेगी जो मूल रूप से इस भूमि के मालिक हैं... इस परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि को आगे भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण को हस्तांतरित किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि मौजूदा दरभंगा हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित और विस्तारित करने से हवाई संपर्क में और सुधार होगा तथा इससे पूरे मिथिला क्षेत्र एवं आसपास के अन्य इलाकों के लोगों को लाभ होगा। इससे पहले, राज्य सरकार ने दरभंगा हवाई अड्डे के विकास के लिए 2024 में भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण को 76.85 एकड़ जमीन हस्तांतरित की थी, जिसमें नया सिविल एन्क्लेव भी शामिल है जो 52 एकड़ में फैला होगा। परियोजना की प्रमुख विशेषताओं में एक टर्मिनल इमारत, कार्गो कॉम्प्लेक्स, बहु स्तरीय कार पार्किंग, अग्निशमन केंद्र और अन्य संबंधित संरचनाएं शामिल हैं। एसीएस ने कहा कि मंत्रिमंडल ने राज्य में रक्सौल हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 139 एकड़ जमीन (207 करोड़ रुपये कीमत की) के अधिग्रहण को भी मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि रक्सौल हवाई अड्डे का विकास एएआई द्वारा किया जाएगा, इससे राज्य में आर्थिक गतिविधियों में सुधार होगा। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए वैशाली जिले में 1001.92 करोड़ रुपये की लागत से 1243.45 एकड़ भूमि अधिग्रहण, सीतामढ़ी जिले में 298.77 करोड़ रुपये की लागत से 504.52 एकड़ भूमि अधिग्रहण तथा चनपटिया (पश्चिमी चंपारण जिला) में 29.30 एकड़ भूमि हस्तांतरण को भी मंजूरी दे दी है।

न्यूज इन ब्रीफ

हिंदी राष्ट्र भाषा नहीं, बल्कि राजभाषा है : पूर्व क्रिकेटर अश्विन

चेन्नई : पूर्व क्रिकेटर आर. अश्विन ने कहा है कि हिंदी देश की राष्ट्र भाषा नहीं, बल्कि केवल राज भाषा है। उन्होंने बृहस्पतिवार को यहां एक निजी कॉलेज के दीक्षांत समारोह के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जहां उन्होंने छात्रों से पूछा कि वे किस भाषा में उनसे बात करना चाहेंगे। कुछ ने अंग्रेजी को प्राथमिकता दी और जब उन्होंने तमिल में संबोधित करने का विकल्प दिया, तो इसका भरपूर समर्थन किया गया, लेकिन हिंदी के लिए कोई भी तैयार नहीं हुआ। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने कहा, हिंदी...कोई प्रतिक्रिया नहीं। मेरा मानना है कि यह (हिंदी) हमारी राष्ट्र भाषा नहीं, बल्कि राज भाषा है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में चार नक्सली गिरफ्तार, विस्फोटक बरामद

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शुक्रवार को चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया जिनके पास से विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान आसा कोसा माडवी (40), सन्ना हुंगे उयिका (32), सन्ना मुत्ता उयिका (26) और मदिकम सुखाराम (25) के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि नक्सलियों को स्थानीय पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने अवापल्ली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुरदंडा और तिम्मापुर के बीच तब गिरफ्तार किया जब जवान सुरक्षा संबंधी ड्यूटी पर थे। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों के पास से टिफिन बम, कॉर्डेक्स वायर, बीयर बोतल बम, बिजली का तार, बैटरी और अन्य माओवादी सामग्री बरामद की गई।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को जारी एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के जीएसटी नोटिसों पर लगी रोक

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने कर चोरी के आरोप में ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों और जुआघरों को जीएसटी प्राधिकारियों की ओर से जारी एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के कारण बताओ नोटिसों पर शुक्रवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि इन मामलों में सुनवाई की जरूरत है और इस बीच गेमिंग कंपनियों के खिलाफ सभी कार्यवाही पर रोक लगाई जानी चाहिए। जीएसटी विभाग का प्रतिनिधित्व करने वाले अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमन ने कहा कि कुछ कारण बताओ नोटिसों की अवधि फरवरी में समाप्त हो जाएगी मामले पर अगली सुनवाई के लिए 18 मार्च की तारीख तय की गई है।

पांच से 18 नवंबर 2024 के बीच कोर्स छोड़ने वाले अभ्यर्थी जेईई-एडवांस्ड के लिए पात्र होंगे: न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने पांच नवंबर से 18 नवंबर 2024 के बीच कोर्स छोड़ने वाले याचिकाकर्ताओं को संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई)-एडवांस के लिए पंजीकरण कराने की शुक्रवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने जेईई-एडवांस्ड अभ्यर्थियों को दिए जाने वाले प्रयासों की संख्या तीन से घटाकर दो करने के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

देश का अभिन्न अंग हैं प्रवासी, विकसित भारत के लक्ष्य में होगी महत्वपूर्ण भूमिका: मुर्मू

भुवनेश्वर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि प्रवासी भारतीय देश की सर्वश्रेष्ठ पहचान और राष्ट्र का अभिन्न अंग हैं तथा 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने यहां तीन दिवसीय 18वें प्रवासी भारतीय दिवस 2025 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, ''विकसित भारत एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसमें विदेशों में रहने वाले लोगों सहित प्रत्येक भारतीय की सक्रिय और उत्साही भागीदारी की आवश्यकता है।'' मुर्मू ने कहा कि प्रवासी समुदाय की वैश्विक उपस्थिति और उनकी उपलब्धियां उन्हें भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने की स्थिति में

रखती हैं। उन्होंने कहा, ''भारतीय प्रवासी हमारे देश की सर्वश्रेष्ठता का प्रतिनिधित्व करते हैं और वे अपने साथ न केवल इस पवित्र भूमि में अर्जित ज्ञान और कौशल लेकर गए हैं, बल्कि वे मूल्य और लोकाचार भी लेकर गए हैं जो सहस्राब्दियों से हमारी सभ्यता की नींव रहे हैं।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''चाहे वह प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, कला या उद्यमिता का क्षेत्र हो, भारतीय प्रवासियों ने हर जगह अपनी छाप छोड़ी है जिसे विश्व स्वीकार करता है और सम्मान देता है।'' सम्मेलन का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने इसे महज एक आयोजन से कहीं अधिक बताया और कहा, ''यह एक ऐसा मंच है जहां विचारों का संगम होता है, सहयोग स्थापित होता है तथा भारत और उसके प्रवासी समुदाय के बीच संबंध मजबूत होते हैं।'' भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के शाश्वत दर्शन पर उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के बारे में है जो आर्थिक प्रगति को सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय संरक्षण के साथ संतुलित करता है और साथ ही वैश्विक कल्याण में योगदान देता है। उन्होंने कहा, ''जब भारत अपने प्रवासी भारतीय परिवार की उपलब्धियों का जश्न मना रहा है, तो हमें आशा और दृढ़ संकल्प के साथ भविष्य की ओर भी देखना चाहिए। हम सब मिलकर एक विकसित भारत का निर्माण कर सकते हैं, एक ऐसा राष्ट्र जो वैश्विक मंच पर ऊंचा स्थान प्राप्त करे और दुनिया के लिए प्रकाश की किरण बना रहे।''

समान विचारधारा वाले देशों को शांति के लिए सामूहिक कार्रवाई के वास्ते मिलकर प्रयास करना चाहिए: राजनाथ

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि विश्व में कई तरह के संघर्षों के कारण उत्पन्न स्थिति को देखते हुए समान विचारधारा वाले देशों को शांति के लिए सामूहिक कार्रवाई के वास्ते मिलकर प्रयास करना चाहिए। रक्षा मंत्री ने राजदूतों की गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए परस्पर समृद्धि और वैश्विक शांति सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों को दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सिंह ने कहा कि अगले महीने भारत में आयोजित होने वाली 'एयरो इंडिया' एयरोस्पेस प्रदर्शनी देशों के लिए संयुक्त रूप से अपनी शक्तियों और क्षमताओं का पता लगाने तथा ''रणनीतिक'' और ''रणनीतिक आवश्यकताओं'' को पूरा करने का मौका प्रदान करती है। भारत की द्विवार्षिक एयरोस्पेस प्रदर्शनी एयरो इंडिया 10-14 फरवरी तक बेंगलुरु के बाहरी इलाके

येलहंका में आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य देश को रक्षा विनिर्माण के केंद्र के रूप में पेश करना है। उन्होंने कहा, ''यह बहुत महत्वपूर्ण है कि समान विचारधारा वाले देश शांति और समृद्धि के लिए सामूहिक कार्रवाई के वास्ते मिलकर प्रयास करें।'' सिंह ने कई देशों के राजदूतों से कहा, ''इनके बिना, हमारी भावी पीढ़ियां आज के युग में हमारे द्वारा अनुभव किए जा रहे आर्थिक विकास या तकनीकी नवाचारों का लाभ नहीं उठा पाएंगी।'' रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत 'ग्लोबल साउथ' के लिए एक अग्रणी आवाज के रूप में उभर रहा है और यह सुनिश्चित करता है कि समृद्धि की सामूहिक खोज में विविध चिंतनों पर विचार किया जाये। 'ग्लोबल साउथ' का आशय कमजोर या विकासशील देशों से है। उन्होंने कहा, ''आज के भू-राजनीतिक परिदृश्य में, समकालीन चुनौतियों का समाधान करते हुए आपसी समृद्धि और शांति सुनिश्चित करने के लिए समान विचारधारा वाले देशों के बीच एकता को बढ़ावा देना आवश्यक है।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने सदैव 'वसुधैव कुटुम्बकम' (एक पृथ्वी, एक परिवार) के मूल सिद्धांत के आधार पर साझा समृद्धि और जिम्मेदारी का समर्थन किया है।

बांग्लादेश के 28 शरणार्थी मिजोरम पहुंचे

आइजोल : सैन्य हमले से बचकर बांग्लादेश के 'चटगांव पर्वतीय क्षेत्र (सीएचटी)' से 16 बच्चों सहित कम से कम 28 लोगों ने मिजोरम में शरण ली है। लॉन्गतलाई जिले के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ये बांग्लादेश पहाड़ी जिले बंदरबन के केरसेटलांग और पंखियांग गांवों के पांच परिवारों के लोग हैं और ये सात जनवरी को मिजोरम सीमा के पास जंगल पार करके लॉन्गतलाई जिले के हुइतेजावल गांव में पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि हुइतेजावल से बांग्लादेशी नागरिकों को असम राइफल्स द्वारा निकटवर्ती तुइथुम्हनार गांव के एक शिविर में ले जाया गया, जहां उन्हें अर्द्धसैनिक बल द्वारा भोजन और आश्रय प्रदान किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि असम राइफल्स से सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन ने मामले की जानकारी राज्य के गृह विभाग को दी, जिसने जिला प्रशासन और असम राइफल्स दोनों को मानवीय आधार पर शरणार्थियों को आश्रय प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि गृह विभाग के अधिकारियों और जिला प्रशासन के साथ वार्ता के बाद असम राइफल्स ने बृहस्पतिवार रात उन बांग्लादेशियों को तुइथुम्हनार के ग्राम परिषद नेताओं को सौंप दिया। अधिकारी ने बताया कि इनमें आठ पुरुष, चार महिलाएं और एक से 17 वर्ष की आयु के 16 बच्चे शामिल हैं।

भारत की विदेश नीति में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को शामिल किया गया: जयशंकर

भुवनेश्वर : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि महिलाओं के नेतृत्व में विकास केंद्र की प्राथमिकता है और इसे भारत की विदेश नीति में भी शामिल किया गया है। जयशंकर ने प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के अंतिम दिन आयोजित ''आदर्श महिला प्रवासी: महिला नेतृत्व और प्रभाव - नारी शक्ति'' विषय पर आयोजित पूर्ण सत्र की अध्यक्षता करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत तब तक विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता जब तक कि ''हम पारंपरिक, ऐतिहासिक और सामाजिक दृष्टिकोणों से निपटने में सक्षम नहीं हो जाते। अगर भारत को एक आधुनिक, औद्योगिक, तकनीक-केंद्रित समाज बनना है तो हम 50 प्रतिशत प्रतिभा की भूमिका

को नजरअंदाज नहीं कर सकते।'' जयशंकर ने कहा, ''महिलाओं के नेतृत्व में विकास केंद्र सरकार की प्राथमिकता रही है। इसे हमारी विदेश नीति में भी शामिल किया गया है।'' उन्होंने कहा कि महिलाओं के कौशल को उचित सम्मान देते हुए सरकार सामाजिक विषमताओं को कम करके उनके पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में केंद्र द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के तहत मातृत्व अवकाश को बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया, मुद्रा योजना के तहत तीन करोड़ महिला उद्यमियों को ऋण उपलब्ध कराया गया और सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 32 लाख बैंक खाते खोले गए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली महिला प्रवासी महिलाओं की प्रशंसा करते हुए जयशंकर ने कहा कि उनकी उपलब्धियां सभी के लिए प्रेरणादायी हो सकती हैं।

क्षेत्रीय दलों ने वित्त वर्ष 2022-23 में 200 करोड़ रुपये से अधिक चंदा मिलने की घोषणा की: एडीआर

नयी दिल्ली : क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक का चंदा मिलने की घोषणा की है। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) के एक विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है। एडीआर के विश्लेषण के अनुसार झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), जननायक जनता पार्टी (जजपा), तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने चंदे से अपनी आय में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है। रिपोर्ट में प्राप्त कुल चंदे में कुछ दलों का प्रभुत्व, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को जानकारी देने में काफी देरी और चंदा देने वालों के विवरण के खुलासे में अंतराल पर प्रकाश डाला गया है। विश्लेषण किये गये 57 क्षेत्रीय दलों में से केवल 18 ने निर्धारित समय के भीतर निर्वाचन आयोग को अपनी चंदा रिपोर्ट प्रस्तुत की। अठाईस क्षेत्रीय दलों द्वारा घोषित कुल 2,119 चंदों का विश्लेषण किया गया, जिनकी राशि 216.765 करोड़ रुपये थी। बीस हजार रुपये से अधिक का चंदा देने वाले लोगों को अपनी पहचान बताना अनिवार्य है। सत्रह अन्य दलों ने अपने विवरण प्रस्तुत करने में देरी की, जिसमें दो से लेकर 164 दिन तक की देरी हुई। बीजू जनता दल (बीजद) और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) समेत सात दलों ने वर्ष के लिए कोई चंदा नहीं घोषित किया। रिपोर्ट में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में कुछ दलों के चंदे में उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डाला गया। झामुमो में 3,685 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि देखी गई, जिसके बाद जजपा में 1,997 प्रतिशत और तेदेपा में 1,795 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, समाजवादी पार्टी (सपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) जैसे दलों ने चंदे में तीव्र गिरावट दर्ज की है, जिसमें क्रमशः 99.1 प्रतिशत और 89.1 प्रतिशत की कमी आई है। सर्वाधिक चंदा प्राप्त करने वालों की सूची में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) शीर्ष पर रही, जिसने मात्र 47 चंदादाताओं से 154.03 करोड़ रुपये प्राप्त होने की घोषणा की, उसके बाद वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को पांच चंदादाताओं से 16 करोड़ रुपये तथा तेदेपा को 11.92 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

दिल्ली में छाया घना कोहरा, 100 से अधिक उड़ानों में विलंब

नयी दिल्ली : दिल्ली में शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाये रहने के कारण दृश्यता शून्य हो गई, जिससे हवाई और रेल परिचालन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने सप्ताहांत में बारिया होने का अनुमान जताया है। अधिकारियों ने बताया कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 100 से अधिक उड़ानें विलंबित हैं और 26 ट्रेन अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग ने बताया कि भारतीय समयानुसार तड़के साढ़े चार बजे से काफी देर तक पालम में दृश्यता शून्य रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार सफदरजंग में सुबह साढ़े पांच बजे से घने कोहरे के कारण दृश्यता 50 मीटर तक रही। इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 17.6 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.9 डिग्री कम छह डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने सप्ताहांत में गरज के साथ हल्की बारिश और बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। सुबह के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा भी छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि शनिवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15 और आठ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। वहीं, शुक्रवार को वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई।

कश्मीर में ठंड का प्रकोप जारी, सप्ताहांत में हल्की बर्फबारी होने की संभावना

श्रीनगर : कश्मीर घाटी में शुक्रवार को भी ठंड का प्रकोप जारी रहा जहां न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार से विशेषकर ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी होने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि आसमान साफ रहने के कारण कश्मीर में रात का तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से कश्मीर घाटी के अधिकांश हिस्सों में आसमान साफ रहा तथा दिन में तेज धूप निकली, जिससे रात के तापमान में गिरावट आई है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के शून्य से 4.4 डिग्री नीचे से थोड़ा अधिक है। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 8.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के शून्य से नीचे 9.6 डिग्री तापमान से अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि पिछली रात यह शून्य से 10.4 डिग्री नीचे था। पहलगाम घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा। घाटी के प्रवेशद्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 7.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

भारत के अंतरिक्ष विजन में उद्योगों की अहम भूमिका : इसरो प्रमुख

तिरुवनंतपुरम : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित भारत के अंतरिक्ष विजन 2047 को साकार करने में उद्योगों की अहम भूमिका है। इसरो के नामित अध्यक्ष वी नारायणन ने भी यही राय जाहिर की। द्विवार्षिक राष्ट्रीय एयरोस्पेस विनिर्माण संगोष्ठी (एनएएमएस) के लिए पहले से रिकॉर्ड किए गए अपने उद्घाटन भाषण में सोमनाथ ने कहा कि उद्योगों को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि अंतरिक्ष कार्यक्रम में उनकी भागीदारी काफी बढ़ने वाली है। उन्होंने कहा कि इनमें

से एक चुनौती अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए जरूरी रॉकेट, उपग्रह और अन्य प्रणालियों का लगातार विकास एवं उत्पादन होगा, जबकि नये अंतरिक्ष यान व प्रणालियों, लघु इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, बड़े प्रणोदन टैंक और इंजन जैसी वस्तुओं की इंजीनियरिंग, विनिर्माण तथा आपूर्ति दूसरी चुनौती होगी। इसरो प्रमुख ने कहा, व्यस्त कार्यक्रम के मद्देनजर बड़ी संख्या में इन्हें तैयार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह काम बहुत चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र में अंतरिक्ष क्षेत्र की क्षमता में पर्याप्त वृद्धि नहीं हो रही है। सोमनाथ ने कहा कि निजी क्षेत्र में भले ही विकास हो रहा है, लेकिन विनिर्माण, आपूर्ति और आपूर्ति शृंखला का प्रबंधन भी बड़ी चुनौती होगा। संगोष्ठी में नारायणन भी व्यक्तिगत रूप से मौजूद नहीं थे। लिहाजा उनका भी पहले से रिकॉर्ड किया गया भाषण सुनाया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष कार्यक्रम में सामग्री और विनिर्माण टीम की अहम भूमिका है, जिनके बिना उपग्रह और रॉकेट सिर्फ कागज तक सीमित रहेंगे।

न्यूज अपडेट

प्रधानमंत्री मोदी फरवरी में फ्रांस का दौरा करेंगे

पेरिस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने फ्रांस की राजकीय यात्रा पर आएंगे और यहां होने वाले कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यह जानकारी दी। मैक्रो ने कहा, ''फ्रांस 11 और 12 फरवरी को एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जो कार्रवाई करने के लिए एक शिखर सम्मेलन है। यह हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर चर्चा करने में सक्षम बनाएगा।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी हमारे देश की राजकीय यात्रा के तुरंत बाद वहां होंगे। यह (एआई शिखर सम्मेलन) हमें सभी शक्तियों, आईईए, अमेरिका, चीन और प्रमुख देशों जैसे... भारत के साथ-साथ खाड़ी देशों के साथ संवाद करने में सक्षम बनाएगा।''

नवीनीकरण कार्यों के कारण अगले वित्त वर्ष में अस्थायी रूप से बंद रहेगा दिल्ली हवाई अड्डे का टर्मिनल 2

नयी दिल्ली : दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने शुक्रवार को कहा कि चार दशक पुराना टर्मिनल 2 (टी2) नवीनीकरण कार्यों के लिए अगले वित्त वर्ष में चार से छह महीने बंद रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में तीन टर्मिनल टी1, टी2 और टी3 हैं। फिलहाल टी1 और टी2 का उपयोग केवल घरेलू उड़ानों के लिए किया जाता है। हवाई अड्डे का प्रबंधन देखने वाली डीआईएएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि टी2 का नवीनीकरण कार्य 2025-26 में शुरू होने वाला है और वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है। वित्तीय वर्ष एक अप्रैल, 2025 से शुरू होगा। विज्ञप्ति में कहा गया है, इन सुधारों को पूरा करने के लिए टर्मिनल 2 को लगभग 4 से 6 महीने के लिए अस्थायी रूप से बंद किया जाएगा। टी2 बंद होने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि नव विकसित टी1 अतिरिक्त जिम्मेदारी उठाने में सक्षम है।

महाकुंभ:राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने पर्यावरण अनुकूल स्वच्छता के लिए 152.37 करोड़ रुपये आवंटित किये

नयी दिल्ली : पर्यावरण अनुकूल स्वच्छता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने महाकुंभ में साफ-सफाई प्रबंधन के लिए 152.37 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। जल शक्ति मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस पहल में आधुनिक प्रौद्योगिकी को पारंपरिक उपायों के साथ जोड़ा गया है ताकि स्वच्छ और टिकाऊ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। इसमें कहा गया है कि विशाल मेला मैदान में 28,000 से अधिक शौचालय बनाये गये हैं, जिनमें सेप्टिक टैंक के साथ 12,000 'फाइबर- रीइनफोर्स्ड' प्लास्टिक शौचालय और 16,100 पूर्वनिर्मित स्टील शौचालय शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि इसके अलावा श्रद्धालुओं की स्वच्छता के लिए 20,000 सामुदायिक मूत्रालय बनाये गए हैं। बयान में कहा गया है कि ये प्रयास पर्यावरण के अनुकूल स्वच्छता परंपराओं को बढ़ावा देने संबंधी मिशन के लक्ष्य के अनुरूप हैं। याचिका के मुताबिक खबरों से पता चला है कि कम से कम 32 पुराने अप्रयुक्त मंदिरों को बहाल किया गया है और 19 कुओं को सार्वजनिक उपयोग व प्रार्थना के लिए चिह्नित किया गया है। याचिका में कहा गया है, जिला प्रशासन द्वारा बहाल किए जाने वाले कुओं की सूची में मस्जिद परिसर में स्थित एक कुआं भी शामिल है।

आठ करोड़ रुपये की हेरोइन बरामदगी मामले में अवैध बांग्लादेशी प्रवासी समेत दो गिरफ्तार

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने एक अवैध बांग्लादेशी प्रवासी और उसकी महिला रिश्तेदार को कथित तौर पर 768 ग्राम हेरोइन रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है, जिसकी बाजार में कीमत आठ करोड़ रुपये है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दक्षिण-पूर्वी जिले के मादक पदार्थ निरोधक दस्ते (एएनएस) ने हमीदुल और उसकी रिश्तेदार नसीमा को दिल्ली के सनलाइट कॉलोनी इलाके से गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) रवि कुमार ने बताया कि हामीदुल (23) तीन महीने पहले अवैध रूप से भारत में घुसा था और जल्दी पैसा कमाने के लिए मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हो गया था। उन्होंने बताया कि पहले एक समाचार चैनल में काम करने वाली नसीमा ने कथित तौर पर हेरोइन की आपूर्ति की थी। गुप्त सूचना के आधार पर एएनएस ने जंगपुरा एक्सटेंशन में छापा मारा, जहां से हमीदुल को पकड़ लिया गया। उसके घर की तलाशी लेने पर 75 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। कुमार ने बताया कि पूछताछ के दौरान हमीदुल ने खुलासा किया कि नसीमा ने उसे वितरण के लिए हेरोइन दी थी। उन्होंने बताया कि इसके बाद नसीमा के आवास पर छापेमारी में 80 ग्राम अतिरिक्त हेरोइन बरामद हुई।

अगले दो साल में आईसीएफ में बनायी जायेंगी 50 अमृत भारत रेलगाड़ियां: अश्विनी वैष्णव

चेन्नई : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि अमृत भारत ट्रेन के द्वितीय संस्करण में 'मॉड्यूलर शौचालय', आपात ब्रेक प्रणाली और उन्नत डिजाइन जैसे 12 बड़े सुधार किए गए हैं तथा अगले दो वर्ष में 'इंटिग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ)' में 50 ऐसी रेलगाड़ियां बनाई जाएंगी। उन्होंने यहां आईसीएफ के महाप्रबंधक यू सुब्बा राव के साथ फैक्टरी का निरीक्षण करने के बाद कहा कि तमिलनाडु सरकार को लोगों की सेवा को राजनीति से ऊपर रखना चाहिए तथा केंद्र और उनका मंत्रालय लोगों के कल्याण की खातिर कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यहां आईसीएफ में संवाददाताओं से कहा, ''(यहां) अमृत भारत के दूसरे संस्करण (की रेलगाड़ियों का निर्माण होते) को देखकर बहुत खुशी हुई। आपको याद होगा, अमृत भारत के पहले संस्करण की जनवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरुआत की गयी थी। पिछले एक साल के अनुभव के आधार पर, अमृत भारत के दूसरे संस्करण में कई सुधार किए गए हैं।'' अमृत भारत रेलगाड़ियों में सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''पूरी रेलगाड़ी में 12 बड़े सुधार किए गए हैं। अर्धस्वचालित 'कपलेट', मॉड्यूलर शौचालय, 'चेयर पिलर' और 'पार्टिशन', 'इमरजेंसी टॉक बैक फीचर', 'इमरजेंसी ब्रेक सिस्टम', वंदे भारत ट्रेन की तरह निरंतर प्रकाश प्रणाली, नए डिजाइन की सीट और 'बर्थ' में सुधार किए गए हैं।'' उन्होंने कहा कि अमृत भारत के दूसरे संस्करण की रेलगाड़ियों में नये डिजाइन के साथ पूर्ण 'पैंट्री कार' (रसोईयान)

बनायी गयी है। वैष्णव ने कहा कि इन रेलगाड़ियों के निर्माण में निम्न आय और निम्न मध्य आय वर्ग के परिवारों को ध्यान में रखा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''आने वाले दो वर्ष में (इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में) अमृत भारत के द्वितीय संस्करण की 50 ऐसी रेलगाड़ियां बनाई जाएंगी। इससे लंबी दूरी तक यात्रा करने वाले लोगों को सस्ती सेवा और उच्च गुणवत्ता वाला यात्रा अनुभव मिल सकेगा।'' बाद में 'पीटीआई-वीडियो' से बातचीत करते हुए रेलमंत्री ने कहा कि अमृत भारत रेलगाड़ियों का डिजाइन निर्धनतम लोगों को भी आरामदेह सफर की सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा, ''अमृत भारत को वंदे (भारत) स्लीपर और अमृत भारत के पहले संस्करण के अनुभव के आधार पर डिजाइन किया गया है। सामान्य कोच में आरामदायक सीट, 'चार्जिंग पॉइंट', मोबाइल फोन और पानी की बोतल रखने की जगह और भी बहुत कुछ है।''

पू. सी. रेलवे में लेजर आधारित व्हील प्रोफाइल माप प्रणाली की शुरूआत

मालीगांव : पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने लेजर आधारित व्हील प्रोफाइल प्रबंधन प्रणाली की शुरूआत की है। माप प्रणाली के दो प्रकार हैं- कैलिप्री सी42 और कैलिप्री प्राइम। ये प्रणालियाँ गैर-संपर्क व्हील प्रोफाइल माप सेंसर हैं, जो पोर्टेबल, वजन में हल्के और संचालन में आसान हैं। ये माप उपकरण ऑपरेटर के प्रभाव से स्वतंत्र, सटीक और पुनरुत्पादित परिणाम प्रदान करके रेलवे के निर्दिष्ट मांगों की पूर्ति करते हैं। इन विशेष प्रोफ़ाइल माप उपकरणों का उपयोग व्यापक रूप से व्हील घिसाव निरीक्षण, ब्रेक डिस्क माप, व्हील बैक-टू-बैक और व्यास माप और रेल घिसाव निरीक्षण के लिए किया जाता है। कैलिप्री सी42 एक बहुक्रियाशील उपकरण है, जो व्हील प्रोफाइल, ब्रेक डिस्क की चौड़ाई, व्हील का व्यास,

टायर की मोटाई और व्हील क्लीयरेंस आदि की मापी कर सकता है। कैलिप्री प्राइम विशेष रूप से केवल व्हील प्रोफाइल माप पर केंद्रित है। इसमें व्हील के आयामों को मापने के लिए सेंसर और कैलिब्रेशन उपकरण शामिल हैं जो सेंसर डिस्प्ले पर प्रदर्शित होते हैं और पूर्वनिर्धारित सीमा मान के साथ तुलना की जा सकती है। ट्रेन के पहिये का सेट एक विशिष्ट रूप से लगने वाले भाग है और यात्रियों के आराम एवं सुरक्षा के साथ-साथ आवाज और सवारी पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। इसलिए पहियों, ब्रेक डिस्क, रेल और स्विचों की प्रोफाइल को कठिन परिचालन स्थितियों में आवर्ती माप संचालन द्वारा विनियमित किया जाता है। यह चुनौती संपूर्ण व्हील-रेल प्रणाली के लिए वैध माप डेटा के कुशल उत्पादन में निहित है। कुशल व्हील सेट प्रोफ़ाइल माप समय पर रखरखाव कार्यों को आगे बढ़ा सकता है और ट्रेन संचालन के समय को कम करने में मदद कर सकता है, साथ ही रेल यात्रियों के लिए एक सहज और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित कर सकता है।

प्रतिका और तेजल के अर्धशतक, भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को छह विकेट से हराया

टीम इंडिया ने महज 34.3 ओवरों में जीता मैच –

आयरलैंड के दिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 34.3 ओवरों में मैच जीत लिया। टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी हुई। कप्तान मंधाना और प्रतिका के बीच मजबूत साझेदारी हुई। मंधाना ने 6 चौकों और 1 छक्के की मदद से 41 रन बनाए। वहीं प्रतिका ने 10 चौकों और 1 छक्के की मदद से 89 रन बनाए। तेजल नंबर पांच पर बैटिंग करने आयीं। उन्होंने नाबाद अर्धशतक जड़ा। तेजल की इस पारी में 9 चौके शामिल रहे। उन्होंने 53 रन बनाए। ऋचा घोष ने नाबाद 8 रन बनाए।

भारत के लिए प्रिया मिश्रा ने की शानदार गेंदबाजी –

भारत के लिए प्रिया ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 9 ओवरों में 56 रन देकर 2 विकेट झटके। इसके साथ ही 1 मेडन ओवर भी निकाला। तितास साधु और सयाली को 1-1 विकेट मिला। दीप्ति शर्मा को भी 1 सफलता हाथ लगी।

राजकोट : वीमेंस टीम इंडिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए राजकोट में जीत दर्ज की है। भारत ने वनडे सीरीज के पहले मैच में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया। आयरलैंड ने पहले बैटिंग करते हुए 239 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में भारत ने 34.3 ओवरों में मैच जीत लिया। उसके लिए प्रतिका रावल और तेजल ने दमदार प्रदर्शन किया। इन दोनों ने अर्धशतक लगाए। टीम इंडिया ने यह मैच स्मृति मंधाना की कप्तानी में खेला।

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत खराब हुई। टीम ने 27 रनों के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। सारा फॉर्ब्स महज 9 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद उना रेमंड 5 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। वहीं ओरला 9 रन बनाकर चलती बनीं। लेकिन कप्तान गैबी लेविस ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने 15 चौकों की मदद से 92 रन बनाए। ली पॉल ने भी अच्छा परफॉर्म किया। उन्होंने 7 चौकों की मदद से 59 रन बनाए।

सात्विक, चिराग की जोड़ी मलेशिया ओपन सेमीफाइनल में

कुआलालम्पुर : भारत की स्टार जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया ओपन में शानदार जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गए। सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने इस सुपर 1000 टूर्नामेंट में मलेशिया के यू सिन ओंग और ई यि तियू को 26-24, 21-15 से हराया। पिछली बार उपविजेता रहे सात्विक और चिराग का सामना दक्षिण कोरिया के वोन हो किम और सियुंग जाए सियू से होगा। पहला गेम बराबरी का रहा जिसमें दोनों जोड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी। भारतीय जोड़ी ने 11-9 की बढत बना ली जो 18-16 हो गई लेकिन मलेशियाई टीम ने लगातार तीन अंक लेकर वापसी की और स्कोर 19-19 कर दिया। इसके बाद उन्होंने 20-19 की बढत बना ली। सात्विक और चिराग ने लेकिन लगातार अंक लेकर पहला गेम जीता। दूसरे गेम में मलेशियाई जोड़ी ने मजबूत शुरूआत की लेकिन सात्विक और चिराग ने शानदार वापसी करते हुए 17 में से 13 अंक लेकर जीत दर्ज की। सात्विक ने मैच के बाद कहा, 'पहला गेम काफी अहम था, हम 19-16 से आगे थे लेकिन उन्होंने वापसी की और उन्हें दर्शकों का समर्थन मिला। लेकिन हम अंत तक सकारात्मक बने रहे। अहम हिस्से में हम जैसा खेले, उससे खुश हूं। उम्मीद करता हूं कि कल हमें दर्शकों का समर्थन मिले।' चिराग ने कहा, 'निश्चित रूप से साल की अच्छी शुरूआत है। हम इससे बेहतर शुरूआत नहीं कर सकते थे। हम टूर्नामेंट में आगे तक जाना चाहते हैं। उम्मीद करते हैं कि हम ऐसा करें।'

आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच संतुलन बनाने पर प्रत्येक मैच में शतक जड़ सकते हैं पंत: अश्विन

नयी दिल्ली : दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगर ऋषभ पंत अपने आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच संतुलन बनाने में सफल रहते हैं तो वह प्रत्येक मैच में शतक बना सकते हैं। अकेले दम पर मैच का रुख पलटने की पंत की क्षमता की सराहना करते हुए अश्विन ने कहा कि उनके कई शॉट बहुत जोखिम वाले होते हैं जिसके कारण वह अपनी क्षमता का सही आकलन नहीं कर पाते हैं। पंत ने हाल ही में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें मैच की पहली पारी में अपने रक्षात्मक खेल का शानदार नमूना पेश करते हुए 40 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उन्होंने भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'हमें उसे ठीक से बताना होगा कि अगर उसे ठोस बल्लेबाजी करनी है या किसी इरादे के साथ बल्लेबाजी करनी है तो उसे क्या करना है। उसने बहुत सारे रन नहीं बनाए हैं, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उसने रन नहीं बनाए हों। उसके पास अभी बहुत समय है।'

उथप्पा ने युवराज का करियर जल्दी समाप्त करने के लिए कोहली को जिम्मेदार ठहराया

नयी दिल्ली : पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कैंसर को मात देकर टीम में वापसी करने वाले युवराज सिंह के अंतरराष्ट्रीय करियर को जल्दी समाप्त करने के लिए परोक्ष रूप से विराट कोहली को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इस तेजतर्रार ऑलराउंडर की फिटनेस में कुछ रियायत देने के आग्रह को तत्कालीन भारतीय कप्तान ने नामंजूर कर दिया था। सफेद गेंद वाले क्रिकेट में भारत के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक युवराज ने महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम को टी20 और वनडे विश्व कप में खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वनडे विश्व कप 2011 की खिताबी जीत के बाद उन्हें कैंसर का पता चला जिसका उन्होंने अमेरिका में इलाज कराया। युवराज ने कैंसर से उबरकर भारतीय टीम में वापसी की और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मैच में शतक भी लगाया लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी 2017 में लचर प्रदर्शन करने के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया और फिर उन्होंने 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया।

उथप्पा ने 'लल्लनटॉप' से कहा, 'युवी पा (युवराज सिंह) का उदाहरण लें। उस व्यक्ति ने कैंसर को हरा दिया और वह अंतरराष्ट्रीय टीम में वापस आने की कोशिश कर रहा था। उस व्यक्ति ने हमें दो बार विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।' उन्होंने कहा, 'जब आप कप्तान बनते हैं तब ऐसे खिलाड़ी के लिए कहते हैं कि उसके फेफड़ों की क्षमता कम हो गई है जबकि आपने उस खिलाड़ी को संघर्ष करते हुए देखा है। मुझे किसी ने इस बारे में नहीं बताया लेकिन मैं चीजों का आकलन करता हूं।' उथप्पा ने कहा, 'आपने उन्हें संघर्ष करते हुए देखा है, फिर जब आप कप्तान बनते हैं तो फिर आप कुछ मानक तय करके उनका स्तर बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन हर मामले में कुछ अपवाद होते हैं और यहां उस व्यक्ति की बात हो रही है जो अपवाद होने का हकदार था। उस व्यक्ति ने केवल आपके लिए टूर्नामेंट जीते हैं बल्कि कैंसर को भी हराया है।' उथप्पा ने खुलासा किया कि युवराज ने फिटनेस टेस्ट में अंक कटौती की मांग की थी लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें कोई रियायत देने से इनकार कर दिया। हालांकि इससे पहले उन्होंने टीम में शामिल होने के लिए फिटनेस टेस्ट पास किया था। उन्होंने कहा, 'जब युवी ने दो अंक की कटौती के लिए अनुरोध किया, तो उन्हें यह नहीं मिला।

न्यूज अपडेट

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरूण आरोन का क्रिकेट से संन्यास

नयी दिल्ली : एक समय भारत के सबसे तेज गेंदबाज रहे वरूण आरोन ने चोटों से कैरियर प्रभावित रहने के बाद शुक्रवार को क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया जब उनकी टीम झारखंड का विजय हजारे ट्रॉफी में अभियान समाप्त हो गया। पैतीस वर्ष के आरोन ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। झारखंड की टीम विजय हजारे ट्रॉफी के प्रारंभिक दौर से आगे नहीं जा सकी। आरोन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'पिछले 20 साल से मैं तेज गेंदबाजी को समर्पित रहा हूं। आज पूरी कृतज्ञता के साथ मैं आधिकारिक तौर पर क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं।' आरोन ने 21 वर्ष की उम्र में 2010-11 विजय हजारे ट्रॉफी में अपना हुनर दिखाया था और गुजरात के खिलाफ फाइनल में 153 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी की थी।

अमेरिकी पत्रिका ने नीरज को 2024 का सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी करार दिया

नयी दिल्ली : पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को विश्व स्तर पर प्रसिद्ध अमेरिकी पत्रिका 'ट्रैक एंड फील्ड न्यूज' ने 2024 में भाला फेंक में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट करार दिया है। पिछले साल ओलंपिक खेलों में पाकिस्तान के अरशद नदीम के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने कैलिफोर्निया स्थित पत्रिका की 2024 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ा। नदीम इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं क्योंकि उन्होंने ओलंपिक के अलावा केवल एक अन्य प्रतियोगिता पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा लिया था जिसे वह चौथे स्थान पर रहे थे। पेरिस ओलंपिक में उन्होंने 92.97 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया था। यह पत्रिका 1948 से प्रकाशित हो रही है और खुद को खेलों की बाइबल मानती है। वह हर साल विश्व और अमेरिकी रैंकिंग प्रकाशित करती है। चोपड़ा 2023 की पुरुषों की भाला फेंक रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान पर थे। चोपड़ा ने वर्ष 2024 में कोई डायमंड लीग प्रतियोगिता नहीं जीती तथा वह दोहा, लॉज़ेन और ब्रुसेल्स में दूसरे स्थान पर रहे। पिछले साल उनकी एकमात्र बड़ी जीत फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी खेलों में थी। पत्रिका ने लिखा, ''वर्तमान में रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज नीरज चोपड़ा और 2022 के विजेता एंडरसन पीटर्स के बीच शीर्ष स्थान के लिए स्थिति स्पष्ट नहीं थी। चोपड़ा ने कोई डायमंड लीग नहीं जीती थी लेकिन पेरिस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करने के कारण वह पीटर्स से 3-2 से आगे रहे।'' पीटर्स पेरिस ओलंपिक में नदीम और चोपड़ा के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 2024 में लॉज़ेन, ज्यूरिख और ब्रुसेल्स में तीन डायमंड लीग प्रतियोगिताएं जीती थी।

पीसीबी ने चैम्पियंस ट्रॉफी देश के बाहर होने की अटकलों को खारिज किया

लाहौर : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन अटकलों को खारिज किया है कि तीन स्टेडियमों में मरम्मत कार्य में विलंब के कारण 19 फरवरी से शुरू हो रही आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी दूसरे देश में आयोजित की जायेगी। पाकिस्तान में चैम्पियंस ट्रॉफी के मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम, रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम और कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में होने हैं जबकि भारत के मैच दुबई में होंगे। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि आईसीसी दल की मौजूदगी इसकी पुष्टि करती है कि टूर्नामेंट पाकिस्तान में ही खेला जायेगा। उन्होंने कहा, 'बोर्ड ने करीब 12 अरब रूपये स्टेडियमों के नवीनीकरण पर खर्च किये हैं।हमने स्टेडियम में चल रहे काम के बारे में पहले बयान इसलिये जारी किया क्योंकि मीडिया तथ्यों की जांच किये बिना अफवाह फैला रहा था।'

खाद्य, पेय पदार्थ, समुद्री उत्पादों का निर्यात 100 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद: गोयल

नयी दिल्ली : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि अगले चार-पांच साल में खाद्य, पेय पदार्थ और समुद्री उत्पादों का निर्यात बढ़कर 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसका कारण वैश्विक बाजारों में इन वस्तुओं की भारी मांग है। ग्रेटर नोएडा में 'इंडसफूड 2025' प्रदर्शनी के दौरान खाद्य एवं पेय उद्योग के दिग्गजों के साथ बातचीत करते हुए मंत्री ने कंपनियों को गुणवत्ता, पोषण और पर्यावरण अनुकूल उपायों पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया। गोयल ने कहा, उम्मीद है कि अगले चार-पांच वर्षों में हमारे खाद्य, पेय, समुद्री उत्पादों और कृषि निर्यात में तीन अंकों यानी 100 अरब डॉलर का आंकड़ा देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह कोई महत्वाकांक्षी लक्ष्य नहीं है और निर्यात को इस स्तर तक ले जाने के लिए उद्योग को मिलकर काम करना चाहिए। उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सरकार देश में परीक्षण प्रयोगशालाओं का विस्तार करने पर विचार कर रही है।

अदाणी ने महाकुंभ में 'सनातन साहित्य सेवा' के लिए गीता प्रेस के साथ साझेदारी की

नयी दिल्ली : अदाणी समूह ने इस वर्ष प्रयागराज में महाकुंभ में भक्तों के बीच 'आरती संग्रह' की एक करोड़ प्रतियों के मुफ्त वितरण के लिए गीता प्रेस के साथ साझेदारी की है। यह पुस्तक, आरती संग्रह है। इसे गीता प्रेस ने प्रकाशित किया है और यह पहल सनातन साहित्य सेवा का हिस्सा है। भारतीय संस्कृति के संरक्षण, प्रचार और प्रसार के उद्देश्य से समर्पित संगठन गीता प्रेस के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को अहमदाबाद में अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी से मुलाकात की। अदाणी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'महाकुंभ भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था का महायज्ञ है। हमारे लिए यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि इस महायज्ञ में प्रतिष्ठित संस्था गीता प्रेस के सहयोग से हम कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को 'आरती संग्रह' की एक करोड़ प्रतियां निःशुल्क प्रदान कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'धर्म और संस्कृति के प्रति निस्वार्थ सेवा और जिम्मेदारी की भावना देशभक्ति का एक रूप है, जिसके लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं। सेवा ही ध्यान है, सेवा ही प्रार्थना है और सेवा ही ईश्वर है।' अदाणी ने कहा, 'आज मुझे गीता प्रेस के सम्मानित पदाधिकारियों से प्रेरणा मिली, जो सनातन साहित्य के माध्यम से 100 वर्षों से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं और मुझे गीता प्रेस की उत्कृष्ट सेवा के लिए अपना आभार व्यक्त करने का सौभाग्य मिला।' सनातन धर्म की सेवा के लिए प्रतिबद्ध गीता प्रेस ने वर्ष 2023 में अपने 100 वर्ष पूरा कर लिया। अदाणी समूह के साथ सहयोग के बारे में गीता प्रेस के प्रतिनिधियों ने कहा कि पवित्र भावना से काम करने वाली हर संस्था के प्रति उनके मन में अत्यंत सम्मान है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब डॉलर पर

मुंबई : देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन जनवरी को समाप्त सप्ताह में 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि इससे पिछले सप्ताह में यह 4.11 अरब अमेरिकी डॉलर घटकर 640.28 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से गिरावट आ रही है। इस गिरावट का कारण रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, तीन जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 6.44 अरब डॉलर घटकर 545.48 अरब डॉलर रह गईं।

शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरा, सेंसेक्स 241 अंक फिसला

मुंबई : वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोर रुख के बीच घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को गिरावट रही। निवेशकों के नए जोखिम से परहेज करने के कारण सेंसेक्स 241 अंक गिर गया जबकि निफ्टी 23,500 के स्तर से नीचे आ गया। विश्लेषकों के मुताबिक, आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंताएं बढ़ने और कंपनियों के तिमाही नतीजे सुस्त रहने के कारण कारोबारी धारणा कमजोर रही। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर सूचकांक की मजबूती के अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी ने भी इसमें योगदान दिया। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 241.30 अंक यानी 0.31 प्रतिशत गिरकर 77,378.91 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 77,919.70 के ऊपरी और 77,099.55 के निचले स्तर तक भी गया। इस तरह दिन में 820.15 अंकों का उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बीएसई पर कुल 3,167 शेयरों में गिरावट रही जबकि 827 शेयर चढ़े और 84 अन्य में कोई बदलाव नहीं हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 95 अंक यानी 0.40 प्रतिशत गिरकर 23,431.50 पर आ गया। इस तरह निफ्टी 23,500 के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे बंद हुआ। इसके साथ ही कारोबारी सप्ताह का समापन गिरावट के साथ हुआ। इस कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स में कुल 1,844.2 अंक यानी 2.32 प्रतिशत जबकि निफ्टी में 573.25 अंक यानी 2.38 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में करीब छह प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 11.95 प्रतिशत बढ़कर 12,380 करोड़ रुपये हो जाने के नतीजों ने टीसीएस के शेयरों में खरीदारी को बढ़ावा दिया। इसके अलावा टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, इन्फोसिस और बजाज फिनसर्व के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए।

बैंकों के लिए ग्राहकों को निश्चित ब्याज दर वाले उत्पाद पेश करना अनिवार्य: आरबीआई

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि बैंकों के लिए मासिक किस्त पर आधारित सभी व्यक्तिगत ऋण श्रेणियों में निश्चित ब्याज दर वाले उत्पाद पेश करना अनिवार्य है। आरबीआई ने 'समान मासिक किस्तों (ईएमआई) पर आधारित व्यक्तिगत ऋणों पर फ्लोटिंग ब्याज दर के पुनर्निर्धारण' संबंधी अगस्त, 2023 के परिपत्र पर 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों' (एफएक्यू) जारी कर यह स्पष्टीकरण दिया है। इसमें यह भी कहा गया है कि इस परिपत्र के दायरे में ईएमआई पर आधारित सभी व्यक्तिगत ऋण आते हैं, चाहे ब्याज दर किसी बाहरी मानक से जुड़ी हो या आंतरिक मानक से। एफएक्यू के मुताबिक, ऋणों की मंजूरी के समय वार्षिक ब्याज दर/ वार्षिक प्रतिशत दर (एपीआर), जो भी लागू हो, मुख्य तथ्य विवरण (केएफएस) और ऋण समझौते में बताया जाना चाहिए।

न्यूज अपडेट

सोना 250 रुपये बढ़कर 80,550 रुपये पर, चांदी स्थिर

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 250 रुपये बढ़कर 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद फुटकर विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की सतत लिवाली के साथ सोने के दाम में तेजी आई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी है। पिछले सत्र में सोने की कीमत 80,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, शुक्रवार को चांदी 93,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही।

राष्ट्रीय जलमार्गों पर पांच साल में होगा 50,000 करोड़ रुपये का निवेश

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय जलमार्गों पर बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। शुक्रवार को एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, काजीरंगा के कोहोरा में अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) की बैठक में निवेश प्रस्तावों की घोषणा की गई। बयान में कहा गया है, ''आईडब्ल्यूडीसी, राष्ट्रीय जलमार्गों पर बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा।'' आईडब्ल्यूडीसी का आयोजन भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा किया गया था। आईडब्ल्यूएआई बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) के तहत जलमार्गों के विकास के लिए नोडल एजेंसी है। इस अवसर पर बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि अंतर्देशीय जलमार्गों पर हरित नौवहन को बढ़ावा देने के लिए अगले पांच वर्षों में 1,000 हरित जहाज चलाए जाएंगे। सोनोवाल ने कहा कि कोच्चि की जल मेट्रो परियोजना की सफलता के बाद इसे गुवाहाटी सहित देश के 15 शहरों तक विस्तारित किया जाएगा। वर्ष 2023 में स्थापित आईडब्ल्यूडीसी अंतर्देशीय जल निकायों से अधिकतम आर्थिक क्षमता प्राप्त करने का एक प्रयास है।

ईपीएस 95: न्यूनतम पेंशन 7,500 रु. करने की मांग को लेकर पेंशनधारकों ने की वित्त मंत्री से मुलाकात

नयी दिल्ली : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की पेंशन योजना के दायरे में आने वाले पेंशनधारकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने महंगाई भत्ते के साथ न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये मासिक किये जाने समेत अन्य मांगों को लेकर शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। ईपीएस 95 राष्ट्रीय आंदोलन समिति (एनएसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने सीतारमण से मुलाकात की। बैठक के बाद राउत ने एक बयान में कहा, 'वित्त मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि हमारी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।' राउत के अनुसार, यह आश्वासन हमें उम्मीद देता है। सरकार को आगामी बजट में 7,500 रुपये न्यूनतम पेंशन और महंगाई भत्ता की घोषणा करनी चाहिए। इससे कम कुछ भी वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक जीवन देने में विफल होगा। वित्त मंत्री सीतारमण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आम बजट एक फरवरी, 2025 को संसद में पेश करेंगी। पेंशनभोगी महंगाई भत्ते के साथ मूल पेंशन 7,500 रुपये मासिक करने, पेंशनभोगियों के पति या पत्नी को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं देने समेत अन्य मांग कर रहे हैं। राउत ने मुलाकात से पहले यहां संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय और राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू), निजी संगठनों, और देशभर के कारखानों से जुड़े 78 लाख से अधिक 'पेंशनधारकों की दुर्दशा' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पेंशनधारक सात-आठ साल से महंगाई भत्ता के साथ-साथ न्यूनतम पेंशन को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 7,500 रुपये करने और पेंशनधारकों तथा उनके जीवनसाथी के लिए मुफ्त चिकित्सा उपचार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ईपीएस (कर्मचारी पेंशन योजना), 95 के तहत आने वाले कर्मचारियों के मूल वेतन का 12 प्रतिशत हिस्सा भविष्य निधि में जाता है।

वर्ष 9, पूर्णांक 4116 अंक 266, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in